पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

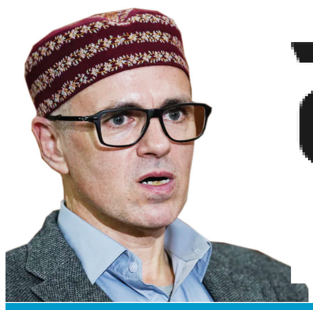

नई दिल्ली, शुक्रवार, 8 अगस्त, 2025 | वर्ष-18 | अंक-124 | पृष्ठ-10 | मूल्य-3.00 रुपए

केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करना जरूरी ... 02

■ पिछली सरकार ने विकास कार्यों से किया परहेज
■ खिलाड़ियों को मिलेगी सरकारी नौकरी व अत्याधुनिक... 03

■ भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना...
■ भारत ने मॉरीशस को 10 इलेक्ट्रिक बसों की पहली... 07

फिल्म 'लेट्स प्ले गेम' में 'नीता' का किरदार चुनौती : युक्ति कपूर 10

सार संक्षेप

चुनाव से पहले छह आईपीएस और 26 डीएसपी का स्थानांतरण

पटना। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित हैं। इससे पहले बिहार सरकार ने गुरुवार को छह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का तबादला किया है। इसके अलावा, 26 पुलिस उपाधीक्षकों का भी स्थानांतरण किया गया है।

बीजापुर में 9 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है। यहां 24 लाख रुपए के इनामी सहित 9 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इसके अलावा, मुठभेड़ में एक माओवादी के मारे जाने की खबर है। यह जानकारी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की है।

हनी सिंह के गाने पर बवाल, महिला आयोग ने किया तलब

चंडीगढ़। मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनका नया गाना 'मिलनायर' सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है लेकिन इसी गाने में महिलाओं के प्रति कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल को लेकर हंगामा मच गया है। इस गाने के खिलाफ पंजाब राज्य महिला आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए एक्शन की मांग की है।

कैलाश यात्रियों का दल एक दिन की देरी से पहुंचा गुंजी

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के धारचूला में फंसा कैलाश मानसरोवर यात्रियों का दल आखिरकार एक दिन की देरी से गुरुवार को गुंजी पहुंच गया। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने चौथे दल को आज धारचूला से रवाना किया। बताया जा रहा है कि 48 सदस्यीय यह दल गुरुवार दोपहर में सकुशल गुंजी पहुंच गया था। इससे प्रशासन ने राहत की सांस ली। जिला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) मार्ग को खोलने के लिए पिछले दो-तीन दिनों से युद्धस्तर पर काम कर रहा था।

पंजाब में 'भूमि कानून' के खिलाफ उतरेगा अकाली दल

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के 'भूमि कानून' के खिलाफ विरोध थम नहीं रहा है। शिरोमणि अकाली दल ने आम आदमी पार्टी पर जमीन हड़पने के आरोप लगाते हुए एक सितंबर से आंदोलन का ऐलान किया है। अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने घोषणा की है कि पार्टी एक सितंबर से 'मोर्चा' शुरू करेगी।

राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी के लगाए आरोप

भाजपा के साथ मिलकर हेराफेरी कर रहा चुनाव आयोग

कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1,00,250 वोटों की हेराफेरी हुई

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनावों में हेराफेरी कर रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान की नींव 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत पर टिकी है। इसलिए जब चुनाव होते हैं तो सबसे जरूरी सवाल यह है कि क्या सही लोगों को वोट डालने की अनुमति मिल रही है? क्या वोटर लिस्ट में फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं? क्या वोटर लिस्ट सटीक है? उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से लोगों में संदेह बढ़ता जा रहा है। उन्होंने पांच मुख्य बिंदु गिनाए और कहा कि भाजपा को कभी भी एंटी-इनकंबेंसी (विरोधी लहर) का सामना नहीं करना पड़ता। भाजपा को अप्रत्याशित और बड़ी जीत मिल जाती है। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल बार-बार गलत साबित हो जाते हैं।

5 तरह से वोट चोरी का दावा

- डुप्लीकेट वोटर्स: 11,965
- फेक एड्रेस: 40,009 वोटर्स
- एक पते पर 80 और 46 वोटर
- अवैध फोटो: 4132 वोटर्स
- फॉर्म 6 का गलत इस्तेमाल

- राहुल ने पांच प्रकार की गड़बड़ियों का किया जिक्र
- महाराष्ट्र में 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए

> महाराष्ट्र में सिर्फ 5 महीनों में जितने नए वोटर जोड़े गए, उतने पिछले 5 सालों में भी नहीं जोड़े गए थे: राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

5 बजे के बाद वोटिंग में उछाल

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में उन्हें इन संदेहों के पीछे की असल तस्वीर दिखने लगी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सिर्फ 5 महीनों में जितने नए वोटर जोड़े गए, उतने पिछले 5 सालों में भी नहीं जोड़े गए थे। कई क्षेत्रों में जितने वोटर जोड़े गए, वह उन इलाकों की पूरी आबादी से भी ज्यादा थे। 5 बजे के बाद वोटिंग में अचानक जबरदस्त उछाल आया, लेकिन मतदान केंद्रों पर लाइनें नहीं थीं। महाराष्ट्र के चुनाव का डेटा दिखाकर आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा चुनाव में धांधली हुई है और 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए।

भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी पर गुरुवार को निशाना साधते हुए इसे अमर्यादित और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री गांधी हताशा में देश की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ बयान दे रहे हैं। उन्होंने श्री गांधी की आयोग के अधिकारियों के संबंध में टिप्पणियों को लोकतंत्र पर आघात बताया।

चुनाव आयोग ने कहा, राहुल शपथ पत्र दें

कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने राहुल गांधी को पत्र लिखा है। कहा कि निर्वाचन नियमों के तहत, अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची की वैधता पर सवाल उठाता है, तो उसे लिखित में विवरण देना होता है। वे नियम 20(3)(बी) के तहत शपथपत्र पर हस्ताक्षर कर ऐसे मतदाताओं के नाम उपलब्ध कराएं, ताकि उनके दावों की जांच की जा सके।

रीडेबल वोटर लिस्ट देने से इनकार

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि आयोग ने मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट देने से इनकार कर दिया। अगर हमारे पास सॉफ्ट कॉपी होती, तो हम पूरे डेटा को 30 सेकंड में एनालाइज कर सकते थे। लेकिन हमें कागज के सात-फुट लंबे बंडल मिले, जिन्हें पढ़ने और मिलाने में छह महीने लगे। सिर्फ एक विधानसभा सीट के लिए 30-40 लोगों की टीम ने दिन-रात काम किया। उन्होंने सवाल खड़े किए कि ईसी जानबूझकर ऐसा डेटा देता है, जिसे स्कैन कर पढ़ा न जा सके। ईसी ने सीसीटीवी फुटेज तक पहुंचने के नियम बदल दिए। इसके साथ ही चुनाव आयोग डिजिटल डेटा देने से इनकार करता है। ये सब इसलिए किया जा रहा है ताकि कोई जांच न कर सके। राहुल ने कहा कि कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1,00,250 वोटों की हेराफेरी हुई। राहुल ने कहा कि जनता को पारदर्शिता का पूरा अधिकार है और चुनाव से जुड़ा कोई भी रिकॉर्ड नष्ट नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस की टीम पूरे सिस्टम को समझ चुकी है और जनता के सामने सच लाकर रहेगी।

40 हजार ऐसे वोटर जिनके पते शून्य

राहुल ने कहा, ऐसे 40 हजार वोटर हैं जिनके पते शून्य है या फिर है ही नहीं। अलग-अलग नाम और अलग-अलग परिवार के लोग और जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है। आयोग के मुताबिक इन पतों पर कई लोग रहते हैं। वोटर लिस्ट में कई लोगों की तस्वीरें नहीं हैं और अगर है भी तो ऐसी हैं जिन्हें देखकर मतदाताओं की पहचान ही नहीं हो सकती।

किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है : मोदी

भारत अपने किसानों, पशुपालकों, मछुआरों के हित के साथ कभी समझौता नहीं करेगा

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कृषि के क्षेत्र में स्वामीनाथन के योगदान को स्मरण करते हुए किसानों के भविष्य, उनकी आय वृद्धि और हितों को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर अपने भावुक संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाइयों-बहनों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि वे जानते हैं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के किसानों के लिए, मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशुपालकों के लिए भारत तैयार है।

एमएस स्वामीनाथन शताब्दी सम्मेलन में हिस्सा लिया

किसानों की ताकत देश की प्रगति का आधार

किसानों की आय बढ़ाने, खेती पर खर्च कम करना, आय के नए स्त्रोत बनाने के लक्ष्यों पर हम लगातार काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है। इसलिए बीते वर्षों में जो नीतियां बनी, उनमें सिर्फ मदद नहीं थी, किसानों में भरोसा बढ़ाने का प्रयास भी था। पीएम किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सीधी सहायता ने छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। पीएम फसल बीमा योजना ने किसानों को जोखिम से सुरक्षा दी है।

ईडी को कानून के दायरे में रहना होगा: सुप्रीम कोर्ट

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने समीक्षा याचिकाओं पर सवाल उठाया

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईडी पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकता और उसे कानून के दायरे में ही रहना होगा। टिप्पणी केंद्रीय एजेंसी की ओर से जांचे गए मामलों में दोषसिद्धि की कम दरों पर चिंता जताते हुए की गई। जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, 'हम प्रवर्तन निदेशालय की छवि को लेकर भी चिंतित हैं।' शीर्ष अदालत 2022 के उस फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी की शक्तियों को बरकरार रखा गया था। केंद्र और ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने समीक्षा याचिकाओं पर सवाल उठाया। उन्होंने कम दोषसिद्धि दर के लिए प्रभावशाली आरोपियों की टालमटोल की रणनीति को जिम्मेदार ठहराया। राजू ने कहा, प्रभावशाली बदमाशों के पास बहुत साधन होते हैं। वे कार्यवाही को लंबा खींचने के लिए अलग-अलग चरणों में आवेदन दायर करने के लिए वकीलों की फौज रखते हैं। मामले का जांच अधिकारी जांच में समय लगाने के बजाय किसी न किसी आवेदन के लिए अदालत के चक्कर लगाता रहता है। कोर्ट ने एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 5 वर्षों में ईडी की ओर से दर्ज किए गए 5,000 मामलों में से 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में दोषसिद्धि हुई है।

- 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में दोषसिद्धि
- बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकती ईडी

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की रिट याचिका खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कथित नगदी बरामदगी के आरोपों से घिरे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की रिट याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने यह फैसला सुनाया। पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि घटना की जांच के लिए आंतरिक जांच समिति का गठन और उसके द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया गैरकानूनी नहीं थी।

निसार उपग्रह प्रतिदिन 14 बार करेगा पृथ्वी की परिक्रमा

चेन्नई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित उपग्रह निसार प्रतिदिन 14 बार पृथ्वी की परिक्रमा करेगा और प्रत्येक 12 दिन में दो बार पृथ्वी की स्थलीय और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा। इसे 30 जुलाई को भारतीय अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। निसार न केवल नासा और इसरो के बीच पृथ्वी मिशन का पहला हार्डवेयर सहयोग है बल्कि यह एक अंतरिक्ष यान पर एल-बैंड और एस-बैंड रडार को एक साथ लाने वाला पहला उपग्रह भी है। यह उपग्रह रूप से शक्तिशाली सिंथेटिक एपर्चर रडार बनाता है जो उच्च-रिज़ॉल्यूशन डेटा प्रदान करेगा जिससे वैज्ञानिकों को पृथ्वी की भूमि एवं बर्फ की सतहों पर व्यापक रूप से निगरानी करने में मदद मिलेगी और समय के साथ उनमें होने वाले परिवर्तनों का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जा सकेगा। इस उपग्रह के वैज्ञानिक उपकरणों में एक एल-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार प्रणाली और एक एस-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार प्रणाली है।

- 12 दिन में दो बार बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा
- 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा से किया गया था प्रक्षेपित

तीन वर्ष है निसार मिशन की अवधि

प्रक्षेपण के बाद कमीशनिंग चरण 90 दिन चलने की उम्मीद है। इस अवधि के दौरान मिशन टीम अंतरिक्ष यान प्रणालियों की जांच करेगी, बूम एवं विशाल रडार एंटीना रिफ्लेक्टर की तैनाती करेगी और रडार उपकरणों के प्रदर्शन का आकलन करेगी। कमीशनिंग चरण पूरा होने के बाद वैज्ञानिक कार्य शुरू होंगे। यह प्रतिदिन 80 टेराबाइट्स डेटा पृथ्वी पर भेजेगा। निसार मिशन की अवधि तीन वर्ष है।

अब तक 274 लोगों को बचाया गया

देहरादून, 7 अगस्त (देशबन्धु)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में आई आपदा के बाद से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे के बीच फंसे लोगों की सकुशल वापसी के लिए सेना, वायुसेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी ताजा अपडेट के अनुसार अब तक गंगोत्री और अन्य क्षेत्रों से कुल 274 लोगों को हर्षिल लाया गया है, जिनमें गुजरात के 131, महाराष्ट्र के 123, मध्य प्रदेश के 21, उत्तर प्रदेश के 12, राजस्थान के 6, दिल्ली के 7, असम और कर्नाटक के 5-5, तेलंगाना के 3 और पंजाब का एक व्यक्ति शामिल हैं।

धराली हादसा

9 सैन्यकर्मी 7 आम नागरिक अभी लापता

9 सैन्यकर्मी और 7 आम नागरिक अभी भी लापता हैं। राहत कार्य में तेजी लाने के लिए आईसीपी धराली अब फंक्शनल हो चुकी है और एनडीआरएफ का क्विक रिस्पॉन्स यूनिट भी सक्रिय किया जा रहा है। लोगों तक भोजन पहुंचाने के लिए 2,000 'रेडी टू इट' फूड पैकेट हर्षिल भेजे गए हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। प्रत्याशी को 15,000 रुपए का शुल्क जमा करना होगा।

> 21 अगस्त तक दाखिल किए जा सकते हैं नामांकन

विरोध *करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने अपनी चार मांगों को दोहराया*

लद्दाखियों ने फिर खोला केंद्र के खिलाफ मोर्चा

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 7 अगस्त (देशबन्धु)। लद्दाख में अपनी राजनीतिक और संवैधानिक मांगों को लेकर करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। करगिल में प्रेस कांफ्रेंस कर केडीए नेताओं ने 9 से 11 अगस्त तक तीन दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों की उम्मीदों पर लगातार खरा नहीं उतर रही है।

केडीए ने अपनी चार अहम मांगों को दोहराया, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए, इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, एक अलग संसदीय सीट बहाल की जाए और सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाने के लिए एक क्षेत्रीय लोक सेवा आयोग बनाया जाए। इन मांगों को लेकर केडीए लंबे समय से आवाज उठा रहा है, लेकिन अब तक केंद्र की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रेस कांफ्रेंस में केडीए नेताओं ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कई बार गृह मंत्रालय और लद्दाख के नेताओं के बीच बैठकें हुईं, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केंद्र सरकार ने अब भी इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जनता की भावनाएं भड़क गईं, तो इसके लिए हम जिम्मेदार नहीं होंगे। केडीए के सह-अध्यक्ष असगर अली करबालई ने बताया कि यह भूख हड़ताल केवल एक विरोध नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों की आवाज को पूरे देश तक पहुंचाने की कोशिश है। लद्दाख की जनता लोकतंत्र में विश्वास रखती है, लेकिन अगर उनके साथ बार-बार अनदेखी होगी, तो असंतोष बढ़ेगा। केडीए ने केंद्र सरकार से अपील की है कि बहुत देर होने से पहले वह लद्दाख के मुद्दों को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए। उन्होंने बताया कि करगिल टाउन में शनिवार को हड़ताल शुरू होगी और लेह एपेक्स बाडी के नेताओं से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे विरोध में शामिल हों।

■ तीन दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया

केडीए की चार मांग

- लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए
- संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करें
- एक अलग संसदीय सीट बहाल की जाए
- एक क्षेत्रीय लोक सेवा आयोग बनाया जाए

देश

उवाच

"एक अगस्त 2025 को प्रकाशित प्रारुप निर्वाचक सूची में जब लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं और श्रेणीवार उनकी संख्या भी बताई है, तो श्रेणीवार मतदाता केन्द्र सहित उनका नाम चुनाव आयोग क्यों नहीं बता रहा है।

-चित्तरंजन गगन, राजद प्रवक्ता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35.0	27.0
मुंबई	28.0	26.0
कोलकाता	29.0	27.0
चेन्नई	33.0	27.0

केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करना जरूरी सुधार न कि रियायत : उमर

राजग सहयोगियों सहित विभिन्न राष्ट्रीय राजनीतिक दल के प्रमुखों को लिखा पत्र

श्रीनगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करना 'आवश्यक सुधार' है, न कि 'रियायत' और यह मुद्दा क्षेत्रीय हितों से परे है। अब्दुल्ला ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सहयोगियों सहित विभिन्न राष्ट्रीय राजनीतिक दल के प्रमुखों को लिखे पत्र में कहा, यह एक ऐसा मुद्दा है जो क्षेत्रीय हितों से परे है और भारत के संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के मूल में निहीत है। वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर को राज्य से केंद्र शासित प्रदेश में बदलने और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रहे विलंब से आप सहमत होंगे कि इसका भारतीय राजनीति के भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने जोर दिया कि राज्य का दर्जा बहाल करना ऐसा मामला है जिससे केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक को चिंतित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने के पीछे का पूरा नैतिक आधार भी समानता के उस तर्क पर आधारित था कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को देश के बाकी हिस्सों के बराबर लाया जाना चाहिए लेकिन समानता का यह सिद्धांत दोनों तरफ काम करना चाहिए।

नेताओं से केंद्र पर दबाव डालने का किया आग्रह

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अब्दुल्ला ने अपने पत्र में नेताओं से आग्रह किया कि वे जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली के लिए चल रहे संसद सत्र में कानून पेश करने के लिए केंद्र पर दबाव डालें। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि जम्मू-कश्मीर

राज्य का दर्जा बहाल करना ऐसा मामला जिससे केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि देश के हर नागरिक को चिंतित होना चाहिए : उमर अब्दुल्ला

के लोगों ने 'विफलताओं और अशक्तिकरण' के बावजूद विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। इस प्रचंड जनादेश के सम्मानपूर्वक स्वीकारोक्ति में मेरी सरकार का पहला काम जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की तत्काल बहाली के लिए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया।

मैंने व्यक्तिगत रूप से यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री को सौंपा और उन्हें जम्मू-कश्मीर के लोगों की सद्भावना और लोकतांत्रिक भावना के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का बार-बार यह कहना कि केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा 'अस्थायी' है, दुर्भाग्य से 'वास्तविक प्रतिबद्धता से ज्यादा सुविधाजनक बहाना' लगने लगा है। उन्होंने कहा कि लोगों को वोट देने के लिए आमंत्रित करना और निर्वाचित सरकार को प्रभावी अधिकार से वंचित करना लोकतांत्रिक स्वशासन को कमजोर करता है।

मुझे आश्वासन दिया गया था कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद और सार्वजनिक दोनों मंचों पर , चुनावों के दौरान और उसके बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों को सीधे संबोधित करने के मौकों पर बार-बार आश्वासन दिया कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। मुझे आश्वासन दिया गया था कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा, हालांकि नौ महीने से अधिक समय बीत चुका है और अभी तक उस आश्वासन को पूरा करने की दिशा में कोई स्पष्टता, समय-सीमा या स्पष्ट प्रगति नहीं हुई है। शीर्ष न्यायालय की संविधान पीठ के समक्ष भी केंद्र सरकार ने जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी है। उन्होंने स्मरण किया कि इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने कश्मीर में एक कार्यक्रम के दौरान इस वादे को दोहराया था और इसे 'मोदी का वादा' कहा था , हालांकि 'जल्द से जल्द' या 'जितनी जल्दी हो सके' जैसे शब्दों की व्याख्या वर्षों या दशकों तक नहीं खींची जा सकती। जम्मू-कश्मीर के लोग पहले ही काफी इंतजार कर चुके हैं और अब राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए।

पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे मोदी : मोहन यादव

भोपाल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को आगामी समय में आयोजित होने वाले शासकीय कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 25 तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के प्रवास पर आएंगे और पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे। डॉ. यादव ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान बताया कि राज्य द्वारा कई कार्यक्रमों की श्रंखला बनाई गई है, जिनका मूल भाव स्वदेशी की भावना को प्रोत्साहन देना है। राज्य के लिए 10 तारीख का दिन स्वदेशीकरण की भावना को लेकर अहम होगा। राज्य में पहली बार रेल कोच बनेंगे, जिन्हें रेल मंत्रालय जहां चाहेगा, निर्यात करेगा। रायसेन जिले की इस परियोजना की लागत लगभग 1800 करोड़ रुपए है, जिसमें लगभग 1600 से 2000 लोग प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से काम करेंगे। रायसेन जिले के बोहरगंज तहसील के उमरिया गांव में 60.630 हेक्टेयर भूमि का आवंटन सरकार ने कर दिया है। इस उद्योग में वंदे भारत, अमृत भारत, मेट्रो कोच का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे और रेल मंत्री वर्चुअली जुड़ेंगे। रक्षा मंत्रालय का बीईएमएल संस्थान बनाएगा और रेल कोच के सारे काम का ऑर्डर रेल मंत्रालय देगा।

मध्य प्रदेश का 25 अगस्त को करेंगें दौरा

बिहार में रक्षाबंधन के दिन सरकारी बसों में यात्रा मुफ्त

नीतीश सरकार ने महिलाओं को दी बड़ी सौगात दी

पटना, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर नीतीश सरकार ने महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। रक्षाबंधन के दिन महिलाओं के लिए सरकारी बसों में यात्री मुफ्त रहेगी। महिलाएं बिना पैसे खर्च किए अपने भाई को राखी बांधने मायके जा सकेंगी। 9 अगस्त को सभी महिलाएं बिहार के किसी भी मार्ग पर बीएसआरटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। यह सुविधा सभी श्रेणी की बसों साधारण, डीलक्स और वोल्वो में लागू होगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के प्रशासक अतुल कुमार वर्मा ने आदेश जारी करते हुए बताया कि इस निर्णय का उद्देश्य भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को सम्मान देना और महिलाओं को सुविधा प्रदान करना है। इससे बहनें अपने भाइयों के पास आसानी से पहुंच सकेंगी और त्योहार को हर्षोल्लास से मना सकेंगी। साथ ही सभी बस चालकों और परिचालकों को निर्देश दिया गया है कि वे महिलाओं की यात्रा के दौरान विशेष ध्यान रखें और योजना का कड़ाई से पालन करें। बीएसआरटीसी ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस योजना का भरपूर लाभ उठाएं और रक्षाबंधन को एक सुरक्षित, सुविधाजनक और यादगार अनुभव बनाएं।

पिंक बस सेवा में भी मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के प्रशासक अतुल कुमार वर्मा ने आदेश जारी करते हुए बताया कि विशेष रूप से राजधानी पटना में संचालित पिंक बस सेवा में भी महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह बसें सगुना मोड़ से गांधी मैदान और गांधी मैदान से एम्स के बीच चलती हैं। भीड़ को देखते हुए निगम ने अतिरिक्त बसों का संचालन करने का निर्णय भी लिया है।

सार संक्षेप

कश्मीर के डोडा व किश्तवाड़ में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

जम्मू। व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी.के.मिश्रा ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ जिलों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर लिखे पोस्ट में कहा कि जीओसी व्हाइट नाइट कोर ने जीओसी काउंटर इंसर्जेंसी डेल्टा फोर्स के साथ मिलकर आज डोडा और किश्तवाड़ में एक परिचालन समीक्षा की। जीओसी को आंतरिक सुरक्षा स्थिति, खतरे के आकलन और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए बल की तैनाती के बारे में जानकारी दी गई।

कमल हासन ने की प्रधानमंत्री से मुलाकात

नई दिल्ली/चेन्नई। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की व कीलाड़ी पुरातात्विक निष्कर्षों को जारी करने की मांग की। मक्कल नीति मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक हासन ने गुरुवार को पहली बार एक सांसद के रूप में संसद भवन में प्रवेश किया और इसके बाद प्रधानमंत्री से मुलाकात की। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के समर्थन से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

खुफिया जानकारी के बाद हवाई अड्डे हाई अलर्ट पर

मुंबई। देश के हवाई अड्डों पर राष्ट्र-विरोधी तत्वों से संभावित खतरों की खुफिया जानकारी मिलने के बाद नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने सभी हवाई अड्डों के लिए गुरुवार को हाई अलर्ट जारी कर दिया। इस परामर्श में यात्रियों और उनके सामान की गहन जांच और हवाई अड्डे के कर्मचारियों की कड़ी निगरानी सहित दूसरे सुरक्षा उपायों को अपनाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि न केवल टर्मिनल क्षेत्रों में, बल्कि रनवे, हेलीपैड और उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों में भी सुरक्षा उपायों पर अमल किया जाए।

लखपति दीदी की संख्या गुजरात में पांच लाख के पार

गांधीनगर। गुजरात में लखपति दीदी की संख्या पांच लाख के पार हो गई है। सरकारी सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि गुजरात 10 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के अनुसार देश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2023 में 'लखपति दीदी' योजना शुरू की गई थी। 2027 तक तीन करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना इस योजना का उद्देश्य है। गुजरात की महिलाओं को इस योजना का बड़े पैमाने पर लाभ मिले, इसके लिए राज्य भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं।

एशियन फुटवियर ने 100 करोड़ का निवेश कर देशभर में विस्तार की योजना बनाई

नई दिल्ली 7 अगस्त (एजेंसियां)। एशियन फुटवियर ने 100 करोड़ रुपये के निवेश के साथ देशभर में अपने खुदरा नेटवर्क, उत्पादन क्षमता और संपूर्ण बुनियादी ढांचे के विस्तार की योजना बनाई है। कंपनी अगले एक वर्ष में अपने रिटेल स्टोर्स की संख्या 40,000 से बढ़ाकर 1 लाख करने जा रही है, साथ ही 60 नए एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स जोड़कर इनकी कुल संख्या 100 करेगी। इस विस्तार के लिए विशेष तौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों के उपभोक्ताओं पर फोकस किया जाएगा, जहां किफायती व गुणवत्तापूर्ण फुटवियर की मांग लगातार बढ़ रही है। कंपनी का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं को स्टाइलिश, टिकाऊ और आरामदायक जूते उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में एशियन फुटवियर जल्द शीघ्र ही अपनी नई प्रीमियम स्नीकर्स रेंज लॉन्च करेगा, जिसमें हाइपर कुशन, पॉवरकिक, वंडर वॉक, मोजो प्रीमियम और क्वांटम 2.0 सिग्नेचर कलेक्शन शामिल हैं। इस रेंज को ब्रांड एम्बेसडर एमएस धोनी पेश करेंगे। ये प्रीमियम स्नीकर्स कंपनी की आधुनिक BIS बीआईएस प्रमाणित फुटवियर टेस्टिंग और डिजाइन लैब में विकसित किए गए हैं, जो गुणवत्ता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करते हैं। इससे कंपनी की विश्वसनीयता और उपभोक्ता की संतुष्टि और भी बेहतर होगी।

इस अवसर पर एशियन फुटवियर के सीईओ आयुष जिंदल ने कहा, हम अब तक 30-40 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर से आगे बढ़ रहे हैं और आने वाले वर्षों में भी इसी गति को बनाए रखने की आशा रखते हैं।

एसआईआर के आंकड़ों में देखी जा रही काफी गड़बड़ी : तेजस्वी यादव

पटना,7 अगस्त (देशबन्धु)। मतदाता विशेष गहण पुनरीक्षण का काम पूरा हो चुका है। अब दौर दावा आपत्ति का चल रहा है। निर्वाचन आयोग की ओर से इसको लेकर विशेष दिशा-निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं। अब तेजस्वी यादव ने भी बड़ा फैसला ले लिया है। तेजस्वी यादव ने अपने सभी नेताओं को खास कार्य सौंप दिया है। जिसे हर हाल में पूरा करना होगा। गुरुवार को दिल्ली जाने से पहले तेजस्वी यादव ने अपने पार्टी नेताओं के साथ बड़ी बैठक की है। बैठक में पार्टी के सभी विधायक जिलाध्यक्ष प्रधान महासचिव मौजूद रहे। तेजस्वी ने सबको ऑनलाईन संबोधित किया। तेजस्वी ने अपने सभी नेताओं को टास्क सौंपा है। तेजस्वी ने मीटिंग में सभी नेताओं को सर्वेक्षण के आए आंकड़ों की जानकारी दी। तेजस्वी ने अपने नेताओं को बताया कि इन आंकड़ों में काफी गडबडी देखी जा रही है। जो सूचना मिल रही है उसके मुताबिक कई ऐसे मतदाता हैं जिनका नाम कट चुका है। कई ऐसे वोटर हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है लेकिन फिर भी उनका नाम वोटर लिस्ट से जुडा हुआ है। यहां तक की कई वोटरों के आवसीय पता को लेकर भी गलत जानकारी मिलने की बात सामने आई है। तेजस्वी ने अपने नेताओं से कहा है कि आप अपने वोटरों की जानकारी लें। पता करें कि किस वोटर का नाम कट गया है। जिस वोटर का नाम कटा है उसके नाम को हर हाल में जुडवाएं। यह जानकारी हासिल करें कि मतदाता सूची में किस तरह की गड़बड़ी सामने आई है। अपने वोटरों को एसआईआर के बाद बने हालात की भी जानकारी दें। तेजस्वी यादव ने भारत पर 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ की घोषणा के बाद केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया।

राजद नेता ने सभी पार्टी नेताओं को सौंपा खास कार्य

जिस मतदाता का नाम कटा है उसके नाम को हर हाल में जुडवाएं कार्यकर्ता : तेजस्वी यादव

वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 बार कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने कराया, लेकिन इस पर किसी की जुबान नहीं खुल रही है। उन्होंने कहा कि देश में सरकार कैसे चल रही है, यह सभी लोग देख रहे हैं। अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। 28 बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोल चुके हैं कि उन्होंने सीजफायर कराया। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने चुप्पी नहीं तोड़ी है। प्रधानमंत्री अब तक नहीं बोल रहे हैं कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अमेरिका जैसा कह रहा है, वैसे कर रही है। 50 प्रतिशत टैरिफ से देश को कितना नुकसान होने जा रहा है, लेकिन इस पर कोई बात नहीं कर रहा है। इस पर किसी की जुबान नहीं खुलती। ये लोग देश का नुकसान करके बिहार आएंगे और कहेंगे, देखो, विश्व गुरु हो गए।

चुनाव आयोग से नहीं मिला कोई नोटिस : यादव

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने दो वोटर कार्ड को लेकर नोटिस मिलने पर कहा कि उन्हें चुनाव आयोग से कोई नोटिस नहीं मिला है। पटना जिला निबंधन से नोटिस आया है। उसका हम लोग जवाब तैयार कर रहे हैं और अच्छा जवाब दे रहे हैं। उन्होंने दो-दो वोटर कार्ड बना दिए और जवाब हमसे मांग रहे हैं। मतलब गलती वे खुद करें और जवाब हमसे मांग रहे हैं। ऐसा जवाब मिलेगा कि उन्हें कोई जवाब नहीं सूझेगा। पूर्व विधायक अनंत सिंह के तेजस्वी यादव के 15 सीट पर सिमट जाने के दावे को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे प्रवक्ता बंटू सिंह से पूछ लीजिए, वही इसका जवाब देंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने की नई रणनीति तैयार

विधायकों की सीट पर भी मंगवा लिए गए उम्मीदवारों के बायोडाटा

पटना, 7 अगस्त (देशबन्धु)। बिहार विधानसभा चुनाव में सफलता को लेकर कांग्रेस अपनी नई रणनीति से आगे बढ़ रही है। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और अध्यक्ष राजेश राम जातीय सामाजिक समीकरण और मुद्दों को लेकर वोटरों को साधने में जुटे हैं। लेकिन पार्टी की ओर से कुछ फैसले ऐसे लिए जा रहे हैं जिससे पार्टी को चुनाव से पहले बड़ा झटका लग सकता है। सूत्रों की माने तो पार्टी की नई रणनीति से पार्टी के कई विधायक नाराज हैं और चुनाव से पहले पाला बदल भी सकते हैं। पार्टी ने पिछले दिनों सीटों पर उम्मीदवारी के लिए क्यू आर कोड जारी किया था। जो उम्मीदवार जिस सीट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं वो क्यूआर कोड के जरिए आवेदन कर सकते हैं। पार्टी के विश्वसनीय सूत्रों की माने तो पार्टी ने सीटिंग सीट के लिए भी उम्मीदवारों के बायोडेटा मंगवा लिए हैं। जिसको लेकर विधायकों में खासी नाराजगी देखने को मिल रही है। कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि पार्टी के सीटिंग सीट पर भी कई स्वयंभू उम्मीदवार मैदान में आ गए हैं। इतना ही नहीं पार्टी के बड़े नेताओं के साथ खुद की तस्वीर शेयर कर खुद को उस विधानसभा क्षेत्र का उम्मीदवार बता रहे हैं।

विधायकों ने पार्टी के फैसले पर की आपत्ति दर्ज

हलांकि पार्टी के विधायकों ने पार्टी के फैसले पर आपत्ति भी दर्ज की है। लेकिन पार्टी नेतृत्व की ओर से इस मामले पर साधी गई चुप्पी पार्टी विधायकों के लिए बड़ी मुसीबत बनी हुई है। उन्हें यह समझ नही आ रही कि अभी से वो टिकट कट जाने की आशंका लिए दूसरे दलों में अपना भविष्य देखें या पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसले का इंतजार करें।

कर्नाटक में धर्मस्थल की जांच के दौरान नर कंकाल बरामद

बेंगलुरु, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक धर्मस्थल में कथित सामूहिक कब्रों की चल रही जांच के दौरान चिह्नित स्थलों से एक नर कंकाल और कई मानव हड्डियां बरामद की। डॉ. परमेश्वर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ये अवशेष एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर बरामद किए गए हैं। अज्ञात व्यक्ति ने धारा 164 के तहत एक मजिस्ट्रेट के समक्ष अपनी गवाही दी थी। उन्होंने कहा कि धर्मस्थल में कथित सामूहिक कब्रों की जाँच मानव अवशेषों की पहली आधिकारिक पुष्टि के साथ महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गयी है। कंकाल और प्राप्त अवशेषों को विश्लेषण के लिए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि छठे चिह्नित स्थान पर एक नर कंकाल बरामद किया गया। तेरहवें स्थान पर कुछ भी नहीं मिला। हालांकि, एक अन्य नए चिह्नित स्थान से अतिरिक्त हड्डियां बरामद की गईं। डॉ. परमेश्वर ने जोर देकर कहा कि आगे की जाँच का कोई भी निर्णय पूरी तरह से एसआईटी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, जांच वैज्ञानिक और निष्पक्ष होनी चाहिए। हम निर्देश जारी नहीं कर रहे हैं। एसआईटी विश्वसनीयता और फोरेंसिक जानकारी के आधार पर आगे बढ़ेगी।

शिबू सोरेन के नाम से झारखंड राज्य में की जाए विवि की स्थापना : कांग्रेस

दिशोम गुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

रांची, 7अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय कांग्रेस भवन में गुरुवार को एक शोक सभा का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सभा में दिशोम गुरु के चित्र पर नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कमलेश ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन एक अंतहीन किताब की तरह है जिसके पन्नों को जितना पलटा जाएगा संघर्ष की उतनी गाथाएं मिलेंगी। आदिवासी समुदाय के अस्मिता हक अधिकार आर्थिक सुदृढ़ता के लिए उन्होंने युवावस्था से ही संघर्ष किया। झारखंड वासियों के अधिकार के लिए झारखंड अलग राज्य के आंदोलन को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया और आंदोलन को धारदार बनाया, हर जाति समुदाय को आंदोलन से जोड़ा जिसका प्रतिफल अलग राज्य निर्माण के रूप में मिला। जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत और प्रयत्नशील रहने वाले गुरु जी ने उनके महत्व से आम लोगों को जागरूक किया। उनके द्वारा आदिवासी समुदाय के उत्थान के प्रयास और झारखंड आंदोलन का निर्णायक नेतृत्व उदाहरण के रूप में देश के समक्ष रखा जाएगा। गुरुजी के त्याग बलिदान और समाज में योगदान के लिए केंद्र सरकार को उन्हे भारत रत्न से सम्मानित करना चाहिए। कमलेश ने राज्य सरकार से मांग किया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम से झारखंड राज्य में एक विश्वविद्यालय की स्थापना की जाये, उनके निवास स्थान को संग्रहालय घोषित किया जाए।

फैसला जम्मू-कश्मीर प्रशासन को अब बंदूक से नहीं किताबों से लगने लगा डर !

आतंक को बढ़ावा देने के आरोप में 25 किताबों पर लगा प्रतिबंध

जम्मू, 7 अगस्त (देशबन्धु)। सच में यह चौंकाने वाली खबर है कि अंग्रेजों के जमाने में भी एक साथ कभी इतनी किताबों को राष्ट्रद्रोही करार नहीं दिया गया था जितनी एक ही दिन में जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने देश के लिए खतरा करार देते हुए उन्हें प्रतिबंधित कर दिया है। प्रदेश सरकार ने 25 उन किताबों को राष्ट्रद्रोही और देश के खिलाफ करार देते हुए प्रतिबंधित करते हुए उनके प्रकाशन, बेचने और पढ़ने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लागू कर दिया है।

जिनमें से कुछ तो बरसों पहले प्रकाशित हो चुकी हैं और लोग उन्हें पढ़ भी चुके हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या इन प्रतिबंधित किताबों के लेखकों पर भी देशद्रोह के आरोप लगा उन पर मुकदमे चलाए जाएंगें। यह सच है कि एक साथ 25 किताबें शायद ही कभी कहीं बैन की गई हों ऐसा इतिहास में नजर नहीं आता है। पर जम्मू-कश्मीर में कर दी गईं। हालांकि आम नागरिकों का कहना था कि अब इन किताबों की मांग और बढ़ जाएगी और जम्मू-कश्मीर के अलावा देश और विदेश हर जगह ज्यादा पढ़ी जाएंगी। वैसे एक तरफ केंद्र सरकार दावा कर रही है की जम्मू-कश्मीर में स्थिति सुधर रही है। दूसरी तरफ बरसों पहले प्रकाशित किताबों को प्रतिबंधित करके कह रही है कि इससे अलगाववाद बढ़ रहा था। सवाल यह था कि अगर किताबों से अलगाववाद बढ़ रहा था तो उनके मुकाबले में एकता और अखंडता की किताबों को प्रमोट क्यों नहीं किया गया। इस पर एक लेखक का कहना था कि शायद अब प्रदेश सरकार बंदूकों से नहीं बल्कि किताबों से डरने लगी है। वे कहते थे कि इस प्रतिबंध ने उस कहावत को झूठला दिया है जिसमें कहा जाता रहा है कि कलम और किताब में तलवार से अधिक शक्ति होती है। फिलहाल प्रदेश सरकार के इस आदेश की जबरदस्त चौतरफा आलोचना हो रही है क्योंकि इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कुठाराघात माना जा रहा है। जिन किताबों पर प्रतिबंध लगाया गया है वे निम्न हैं। आजादी लेखिका अरुंधति रॉय, कश्मीरीज फाइट फॉर फ्रीडम लेखक मोहम्मद यूसुफ सराफ, तारीख-ए-सियासत कश्मीर लेखक डा. आफाक। कोलोनाइजिंग कश्मीर: स्टेट-बिल्डिंग अंडर इंडियन ऑक्युपेशन लेखक हाफ्सा कंजवाल। कश्मीर पालिटिक्स एंड प्लेबिसाइट लेखक डा. अब्दुल गनी गोक्खामी जब्बार, डू यू रिमेम्बर कुनन पोशपोरा, लेखक एस्सर बटूल व अन्य, ह्यूमन राइट्स वायलेशन्स इन कश्मीर, लेखक पियॉटर बालसेरोविक्ज, अघनिएश्का कुजेवस्का, अल जिहादु फिल इस्लाम लेखक- मौलाना मौदूदी, इंडिपेंडेंट कश्मीर लेखक क्रिस्टोफर स्नेडन, फ्रीडम इन कैप्टिविटीरू नेगोशिएशन्स ऑफ बिलॉन्गिंग अलॉन्ग कश्मीरी फ्रंटियर लेखिका राधिका गुप्ता, रेजिस्टिंग ऑक्युपेशन इन कश्मीर लेखक हेली दुशिंस्की, मोना बी. भट्ट, अतर जिया, सिंथिया महमूद, बिटवीन डेमोक्रेसी एंड नेशनरू जेंडर एंड मिलिटरीजेशन इन कश्मीर लेखक सीमा काजी, कॉन्टेस्टेड लैंड्स लेखक सुमंत्र बोस, इन सर्च ऑफ अ फ्यूचररू द स्टोरी ऑफ कश्मीर लेखक डेविड देवदास आदि हैं।

■ सरकार के कदम से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उठा सवाल

उल्टा पुल्टा

सुरेश, डॉक्टर से : जब मैं सोता हूं तो सपने में बन्दर फुटबॉल खेलते हैं।
डॉक्टर : कोई दिक्कत नहीं, ये गोली रात को सोने से पहले खा लेना।
सुरेश : कल से खाऊंगा, आज तो फाइनल हैं।

पिछली सरकार ने विकास कार्यों से किया परहेज

■ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन विपक्ष पर बोला हमला

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकार ने अपनी मुफ्त योजनाओं को इस तरह पेश किया जैसे वे अपनी जेब से जनता को दे रहे हों, जबकि हकीकत यह है कि यह सारा पैसा जनता का ही था। जनता को उम्मीद थी कि उनके टैक्स के पैसे से सड़कें बनेंगी, स्कूल और अस्पताल बनेंगे, लेकिन उनकी मेहनत की कमाई को मुफ्त योजनाओं में खर्च कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पूर्व सरकार ने विकास कार्यों को जानबूझकर नजरअंदाज किया और सारा ध्यान केवल प्रचार-प्रसार पर केंद्रित रखा। मुख्यमंत्री का यह भी कहना था कि पिछली सरकार ने उन विकास कार्यों पर इसलिए खर्च नहीं किया गया क्योंकि उन योजनाओं में 'प्रधानमंत्री' शब्द जुड़ा था।

सीएजी रिपोर्ट पिछली सरकार की कारगुजारियों को करती है उजागर

दिल्ली विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित वर्ष 2023-24 के वित्तीय लेखे व विनियोग लेखे) पर बोलते हुए रेखा गुप्ता ने ब्यौरेवार पिछली सरकार (और अब विपक्ष) को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि सीएजी रिपोर्ट पिछली सरकार की कारगुजारियों और काम न करने की सोच को उजागर करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पहले से आशंका थी कि जैसे ही सीएजी रिपोर्ट सामने आएगी, विपक्ष या तो सदन से बाहर चला जाएगा या फिर सारा दोष केंद्र सरकार पर मढने् की कोशिश करेगा। वे यह कहेंगे कि उन्हें केंद्र सरकार से न तो कोई वित्तीय सहायता मिली और न ही कोई ग्रांट दी गई। लेकिन सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार ने दिल्ली को 4800 करोड़ रुपए की ग्रांट दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जानना जरूरी है कि इस राशि का उपयोग कैसे किया गया। 463 करोड़ रुपये पानी की आपूर्ति पर, 482 करोड़ रुपए फ्री बस सेवाओं पर और 3250 करोड़ रुपए फ्री बिजली योजना पर खर्च कर दिए गए। इस तरह पूरी ग्रांट को मुफ्त योजनाओं में वितरित कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विपक्ष ने इन मुफ्त योजनाओं को इस तरह प्रस्तुत किया जैसे वे अपनी जेब से जनता को दे रहे हों, जबकि हकीकत यह है कि यह सारा पैसा जनता का ही था। सीएजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार का पूरा राजस्व केवल खर्चों में चला गया। तनख्वाह, ब्याज भुगतान और अन्य ऐसे खर्च, जिनसे कोई स्थायी संपत्ति नहीं बनती। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 में दिल्ली सरकार का राजस्व अधिशेष 4566 करोड़ रुपये था, लेकिन यह पूरा पैसा खर्च कर दिया गया। परिणामस्वरूप वर्ष 2023-24 में सरकार 3934 करोड़ रुपए के घाटे में पहुंच गई। इस तरह दो वर्षों को मिलाकर लगभग 8600 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया गया। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में 50 प्रतिशत की गिरावट हुई, और जिन 24 अस्पतालों की आधारशिला रखी गई थी, वे आज तक अधूरे हैं।

हमारा संकल्प, दिल्ली को बनाएंगे स्वच्छ, सुरक्षित व हरित दिल्ली : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सेवा सदन में दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार और दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व स्नेह और उमंग के साथ मनाया। बच्चों ने मुख्यमंत्री को राखियां बांधते हुए उनके प्रति अपने स्नेह और शुभकामनाएं व्यक्त कीं, मुख्यमंत्री ने भी बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट विश्वास का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपने समाज, परिवार और मूल्यों की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। यह मेरा दिल्ली में बतौर मुख्यमंत्री पहला रक्षाबंधन है, और मैं इसे बच्चों के साथ मनाकर बहुत हर्षित महसूस कर रही हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भावनात्मक रिश्ते के साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी है, वह है राजधानी को सुरक्षित, स्वच्छ, हरी-भरी और 'विकसित दिल्ली' बनाना। इसके लिए वह लगातार गंभीर प्रयास कर रही हैं।

पूर्व सरकार ने विकास कार्यों को जानबूझकर नजरअंदाज किया व सारा ध्यान केवल प्रचार-प्रसार पर केंद्रित रखा : रेखा गुप्ता

विकास कार्यों को जानबूझकर किया गया नजरअंदाज

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विकास कार्यों को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया और सारा ध्यान केवल प्रचार-प्रसार पर केंद्रित रहा। उन्होंने बताया कि न तो कोई नया फ्लाईओवर बना और न ही कोई बड़ी सडक़ परियोजना पूरी हुई। शहरी विकास के बजट में 36 प्रतिशत की कटौती कर दी गई। इससे राजस्व घटता गया, खर्चा बढ़ता गया और परिणामस्वरूप दिल्लीवासियों के साथ धोखा हुआ। न सड़कों का विकास हुआ, न स्कूल या अस्पताल पूरे हुए। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि केंद्र सरकार से मिलने वाले फंड के बावजूद, राज्य सरकार ने कोई ठोस काम नहीं किया और अब जवाबदेही से बच रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार दिल्ली सरकार को विकास कार्यों के लिए बजट देता रहा, लेकिन लेकिन 31 मार्च 2024 तक भी 842 करोड़ रुपये बिना खर्च के पड़े रहे। केंद्र ने दिल्ली के समुचित विकास के लिए अलग से 2400 करोड़ रुपए की राशि दी, जिससे अस्पताल और आयुष्मान आरोग्य मंदिर बन सकते थे, लेकिन एक भी रुपया जनता पर खर्च नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि क्या सिर्फ इसलिए खर्च नहीं किया गया क्योंकि उस योजना में 'प्रधानमंत्री' शब्द जुड़ा था। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने आर्थिक आवास योजना, राष्ट्रीय आयुष मिशन, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम श्री स्कूल योजना और पीएम स्वनिधि योजना के लिए भी धन जारी किया, लेकिन दिल्ली सरकार ने न तो इनका उपयोग किया और न ही उन्हें जनता तक पहुंचने दिया। इस वजह से केंद्र को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचना पड़ा। इतना ही नहीं 3760 करोड़ रुपये की ग्रांट मिलने के बावजूद दिल्ली सरकार ने उसका यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट तक नहीं भेजा। मेट्रो परियोजनाओं में केंद्र और राज्य की बराबर हिस्सेदारी होती है, लेकिन दिल्ली सरकार ने एक बार भी अपना हिस्सा नहीं दिया, यहां तक कि कोर्ट की फटकार के बावजूद भी नहीं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की परियोजनाओं में भी राज्य को सहयोग देना था, लेकिन वहां भी दिल्ली सरकार ने अपना योगदान नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पैसा जनता के कल्याण के लिए था, लेकिन इसका दुरुपयोग किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के पैसों पर जब भी सवाल उठाए जाते हैं, तो पिछली सरकार की ओर से बौखलाहट दिखाई देती है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अस्पतालों की स्थिति इस गड़बड़ी का स्पष्ट प्रमाण है।

खिलाड़ियों को मिलेगी सरकारी नौकरी व अत्याधुनिक सुविधाएं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। खिलाड़ियों को उनकी जरूरत के मुताबिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए दिल्ली में जल्द ही युवा और खेल विभाग का गठन किया गया। गुरुवार को इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में खेल और युवा मामलों के लिए अब अलग विभाग बनेगा, जिससे खिलाड़ियों को जरूरत के मुताबिक सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी राजधानी में कोचिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे, ताकि कोई भी खिलाड़ी संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए। बता दें कि दिल्ली की ओलिंपिक असोसिएशन, विभिन्न सरकारी विद्यालयों और खेल प्रशिक्षण केंद्रों से आए बच्चों ने दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और राजधानी के युवा खिलाड़ियों और मेधावी छात्रों के लिए घोषित ऐतिहासिक पहलों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर खेल मंत्री आशीष सूद भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि उनका सपना है कि दिल्ली का हर बच्चा आत्मनिर्भर, सशक्त और आत्मविश्वासी बने।

उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सरकार की जिम्मेदारी संभाली, तो यह महसूस हुआ कि दिल्ली के खिलाड़ी कड़ी मेहनत तो करते हैं, लेकिन उन्हें वह मान्यता, सहायता और सम्मान नहीं मिलती जिसके वे हकदार हैं। इसी को बदलने के उद्देश्य से उन्होंने देश की सबसे बड़ी इनामी राशि के साथ एक नई खेल नीति लागू की। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस नई नीति के तहत अब दिल्ली में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता को सात करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को पांच करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेता को तीन करोड़ रुपए दिए जाएंगे। यह इनामी राशि देश के किसी भी अन्य राज्य की तुलना में सबसे अधिक है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को ग्रेड ए, बी और सी की सरकारी नौकरियों में नियुक्ति का अवसर भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजनाएं सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को उड़ान देने की नींव हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा वर्षों से जर्जर पड़े स्टेडियमों का पुनर्निर्माण किया जाएगा और उन्हें अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ कोचिंग, संसाधन और हर संभव सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि दिल्ली में खेल और युवा मामलों के लिए अब अलग विभाग बनेगा, जिससे खिलाड़ियों को ज़रूरत के मुताबिक सुविधाएं मिल सकें। साथ ही, पूरे शहर में कोचिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे, ताकि किसी खिलाड़ी को संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रहना पड़े। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि उनका असली आभार तभी माना जाएगा जब वे देश के लिए जीत हासिल करेंगे, आगे बढ़ेंगे और दिल्ली को गर्व महसूस कराएंगे। उन्होंने बच्चों से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि अब जब दिल्ली सरकार ने इनाम तय कर दिए हैं, तो उन्हें यह राशि अपने परिश्रम से जीतकर दिखाना उनकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर आशीष सूद ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा को सिर्फ पहचाना ही नहीं, बल्कि उसे पूरी ताकत के साथ संवारना भी हमारी जिम्मेदारी है। यह नई खेल नीति और युवाओं के लिए अलग विभाग की घोषणा एक क्रांतिकारी कदम है, जो आने वाले वर्षों में दिल्ली को खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में देशभर में अग्रणी बनाएगा।

■ दिल्ली में बनेगा खेल व युवा मामलों के लिए अब अलग विभाग

आरआर काबेल ने लॉन्च की वायरों की नई सीरीज

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। भारत में वायर व केबल बनाने वाली अग्रणी कंपनी आरआर काबेल ने वायरों की एक नई रेंज लॉन्च की है। आज के दौर में खासकर जब तापमान बढ़ रहा है और बिजली की खपत भी ऐसे में ये वायरें बदलते वक्त की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई हैं। इस नई सीरीज में कई प्रोडक्ट शामिल हैं जो सुरक्षा, परफॉर्मेंस और पर्यावरण की रक्षा-तीनों में बेहतर हैं। लॉन्च के इस मौके पर आरआर काबेल के कार्यकारी निदेशक राजेश काबरा ने कहा कि जब घर स्मार्ट हो रहे हैं और तापमान बढ़ रहा है, तो वायरों को भी बदलना होगा। हमारी नई रेंज आज की ही नहीं, बल्कि आने वाले समय की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है- चाहे वो बढ़ता तापमान हो या ज्यादा बिजली का दबाव या फिर सुरक्षा और पर्यावरण की जिम्मेदारी। इन नई लॉन्च के साथ, आरआर काबेल एक बार फिर अपने इस वादे को दोहरा रहा है कि वो वायरिंग की दुनिया में सुरक्षा, टिकाऊपन और बेहतर परफॉर्मेंस को नया आयाम देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह वायर बहुत ज्यादा गर्म जगहों के लिए खासतौर पर बनाई गई है। ये 20 प्रतिशत ज्यादा करंट ले सकती है और 85 डिग्री सेल्शियस तक के तापमान पर भी सुरक्षित रहती है, जो कि आम एफ आर वायरों से 15 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

जनता से जुड़े मुद्दों से दूर रहा सत्र : देवेन्द्र

■ सत्ताधारी भाजपा व आम आदमी पार्टी पर लगाया जनता को भ्रमित करने का आरोप

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि 5 दिवसीय विधानसभा सत्र अभी तक जनता से जुड़े मुद्दों से दूर रहा है, सत्ताधारी भाजपा और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की लोगों को भ्रमित करने के लिए निष्क्रिय बहस में करदाताओं के पैसे बर्बाद किए जा रहे है।

यादव ने कहा कि वर्तमान में दिल्ली की ज्वलंत समस्याएं जैसे जेजे कलस्टर, दिल्ली में जलभराव, बढ़ता नशे का कारोबार, अपराधिक ग्राफ सहित महिलाओं को 2500 रुपये मासिक देने के वादे पर सत्ता में आने के बाद दूसरे विधानसभा सत्र में भी सरकार द्वारा कोई चर्चा न करना और आम आदमी पार्टी द्वारा चुप्पी साधना दोनों दलों की मिलीभगत को जाहिर करता है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई पर चर्चा का कोई प्रस्ताव न रखकर जनता से जुड़े मुद्दों पर रेखा सरकार और आप पार्टी कितने संवेदनशील है, यह उजागर हो चुका है।

सत्ता में आने से पहले भाजपा ने मार्शलों, आंगनबाड़ी, आशा वर्करों आदि कर्मचारियों, अनुबंधित शिक्षकों, अस्पतालां में अनुबंधित डाक्टर, नर्स, तकनीकी और पेरामेडिकल स्टाफ, सरकार के विभिन्न विभागों में हजारों अनुबंधित कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का जो वादा किया था, उस पर सरकार अब क्यों भाग रही है। शराब घोटाले सहित अभी तक पेश 10 सीएजी रिपोर्ट में पाए गए दोषियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं करना दोनों की मिली भगत है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि मेरी भाजपा सरकार को सलाह है कि दिल्ली में सरकार आपकी है, आपने जब सरकार चलानी है तो पिछली सरकार के सही और गलत निर्णयों पर कार्यवाही करने की जिम्मेदारी भी आपकी है। विधानसभा में अनर्गल चर्चा करके सदन का कीमती समय बर्बाद न करें। सरकार सकारात्मक निर्णय लेकर जांच एजेंसियों से जांच कराने के आदेश देने की जरुरत है। सदन में सिर्फ जनता के मुद्दों पर चर्चा करने की जरूरत है।

भाजपा व आम आदमी पार्टी ने चार दिन का विधानसभा सत्र अनर्गल बहस में बर्बाद कर दिया : देवेन्द्र यादव

मुख्यमंत्री ने महिलाओं की रसोई पर बढ़ते बोझ को कम करने के लिए कुछ नहीं किया

देवेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक महिला होने के बावजूद उन्होंने महिलाओं की रसोई पर बढ़ते बोझ को कम करने के लिए कुछ नहीं किया। महंगाई इस कदर बढ़ रही है सब्जियों की आसमान छूती कीमतों के साथ टमाटर 100 के पार बिक रहा है लेकिन सरकार को इसकी कोई चिंता नही है। भाजपा झुग्गियों में रक्षा बंधन का त्यौहार पर प्रवास करने की घोषणा करके भाजपा नेता गरीबों की भावनाओं के साथ कोरा खिलवाड़ कर रहे है। मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से पूछना चाहता हूं कि अभी तक विस में आप की सरकार के भ्रष्टाचार की पेश हुई सीएजी रिपोर्ट के किसी भी मामले में दोषी लोगों पर कार्यवाही क्यों नही की गई। क्या भाजपा नही चाहती कि जनता के पैसे का गबन और बर्बाद करने वाले आम आदमी पार्टी के नेताओं को सजा मिले।

भाजपा ने एससी कमेटी का चुनाव किया रद्द : अंकुश

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में दलित पार्षदों का अधिकार छीनने की कोशिश कर रही भाजपा सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और मजबूर होकर भाजपा सरकार को एससी कमेटी का चुनाव रद्द करना पड़ा। इसके साथ ही भाजपा पार्षद द्वारा चुनाव के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने का विरोध करने पर खेल समिति का चुनाव भी रद्द कर दिया गया। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा के मेयर असंवैधानिक तरीके से 35 सदस्यीय एससी कमेटी को 21 सदस्यीय बनाकर चुनाव कराने की कोशिश कर रहे थे। सत्ता के लालच में भाजपा 14 दलित पार्षदों के अधिकारी छीनने का काम किया है, ताकि वो अपनी आवाज न उठा सकें। जब तक मेयर एससी कमेटी को 21 की जगह 35 सदस्यीय बनाकर चुनाव नहीं कराते हैं,'आप' का विरोध जारी रहेगा।

कार्यक्रम संस्कृत के उत्थान के लिए काउंसिल ने दिया संस्कृत भूषण सम्मान

संस्कृत का आज के समय में प्रसार करना जरूरी : अजय भट्ट

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्तवावधान में नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में संस्कृत भूषण सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान संस्कृत के उत्थान को लेकर कार्य करने वाले कई शिक्षाविदों के साथ संस्कृत भाषा में शपथ लेने वाले सांसदों, विधायकों तथा मेयर को प्रदान किया गया। यह सम्मान संतों के हाथों प्रदान किया गया जिनमें महामंडलेश्वर स्वामी शिव प्रेमानंद जी महाराज,महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि जी महाराज तथा स्वामी योगी सत्यम जी महाराज प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस सम्मान समारोह का कई देशों में डिजिटल रूप।

लाइव प्रसारण भी हुआ। इस अवसर पर संस्कृत भाषा में समाचार एवं संस्कृति पर आधारित वेबसाइट रामायण वार्ता डॉट कॉम का भी शुभारंभ हुआ। काउंसिल के महासचिव कुमार सुशांत ने कहा कि काउंसिल संस्कृत के शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए 60 दिनों के एक कोर्स का मोड्यूल भी लाने जा रही है। इस अवसर पर काउंसिल के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के अध्यक्ष तथा उत्तराखण्ड से सांसद अजय भट्ट ने कहा कि देवभाषा संस्कृत को आज के समय में प्रसार करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्कृत कई भाषाओं की जननी है, लेकिन इसका प्रयोग अधिक से अधिक करें, इसके लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है, जिसे लेकर काउंसिल बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। वहीं काउंसिल के मुख्य संरक्षक तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि काउंसिल पिछले दो वर्षों से पाक्षिक पत्रिका रामायण वार्ता का प्रकाशन कर रही है, यह अपने आप में प्रशंसनीय नहीं है, क्योंकि एक तरफ जहां संस्कृत के पाठकों की कमी है, अधिक विज्ञापन नहीं है, वहां काउंसिल लगातार संस्कृत को लेकर कार्य कर रही है, यह बड़ा साहसिक कार्य है।

■ संतों के हाथों प्रदान किया गया सम्मान

काउंसिल के सदस्य डॉ. अभिषेक वर्मा ने कहा कि रामायण वार्ता के इस अभियान को वह कई देशों में ले जाने की योजना बना चुके हैं और काउंसिल के इस पहल को साकार होते देखना चाहते हैं। वहीं काउंसिल के ट्रस्टी तथा सेवानिवृत्त आईएएस देव दत्त शर्मा ने कहा कि वह देश के कई आईआईटीज़ को इस कार्य से जोड़कर हर सनातनी के हाथ में यह अभियान कैसे पहुंचे, इस पर प्रयत्न कर रहे हैं। इस अवसर पर काउंसिल के ट्रस्टी तथा सेवानिवृत्त आईएएस देव दत्त शर्मा, डॉ. अभिषेक वर्मा, पिताम्बर मिश्र, रौशन सिंह, केवल कपूर, देव रत्न शर्मा, यूपी सरकार के पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, राजेश सिंह, राजीव सिंह, ऋतेश अग्रवाल, अम्बर अग्रवाल, अर्चना सिंघल, शिवम सिंह, कुमार स्मृति, संजीव सिंह समेत काउंसिल के दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

GREATER NOIDA INDUSTRIAL DEVELOPMENT AUTHORITY
Plot No.-1, Knowledge Park-IV, Greater Noida City, Distt. Gautambudh Nagar
website : www.greaternoidaauthority.in, Email : authority@gnida.in

Reference Number: 444 Dated: 07.08.2025

Recommendations for Provision of Elevated Roads to Achieve Traffic-Free Main Road corridors in Greater Noida

Detailed Expression of Interest (EOI) documents are available on the E-Procurement Portal of Government of UP **[http://etender.up.nic.in]** and Greater Noida Industrial Development Authorities' website **[http://www.greaternoidaauthority.in]** from **08/08/2025.**

Interested Bidders are required to apply online on the E-procurement website on or before **02/09/2025.** Pre-bid conference is scheduled for **25/08/2025, 13:00 hrs (IST)** Board Room 4th **Floor Admin Block Greater Noida Industrial Development Authority.** The technical bids will be opened on **04.09.2025, 11:00 hrs (IST)**

In case of any queries, the Bidders are invited to contact- GM Project, Project Department, GNIDA, Plot No: 01, Knowledge Park IV, District: Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201308. **Email: gmproject@gnida.in**

General Manager
Projects Department, GNIDA

Follow Us On / OfficialGNIDA

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

संख्या 23AC/393/E Auction/Pkg/2025 **दिनांक: 06.08.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा पार्किंग लॉटस/साइट्स के आवंटन हेतु ई-नीलामी, IREPS पोर्टल **(https://ireps.gov.in/)** पर ई-बोली निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है।

ई-कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/पार्किंग लॉट
Parking-34-2025	दिनांक 22.08.2025 को 11:00 बजे	मेरठ कैंट (कंकनखेड़ा), दिल्ली (द्वितीय प्रवेश) KG Side (TW parking), बरेटा, मुरादनगर, कुरुक्षेत्र (Site-1), करनाल (375 वर्गमीटर), शाहबाद, मारकंडा, रोहतक (द्वितीय प्रवेश) (साइकिल-स्कूटर), शामली (पी आर एस), नया गाजियाबाद, गाजियाबाद (सिटी साइड), पानीपत (द्वितीय प्रवेश) = 12 कुल साइटें
वेबसाइट विवरण जहाँ ई-नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है।		**https://ireps.gov.in/**

आईआरईपीएस के माध्यम से आयोजित ई-नीलामी में भाग लेने हेतु निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य है:

1. इच्छुक बोलीदाताओं को आई आर पी एस (वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल) में ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। पहले से ही अन्य आई आर पी एस खाता रखने वाली संस्थाए भी खुद को वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल के लिए नामांकित करने में सक्षम होगी। **2.** एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान **3.** भारतीय स्टेट बैंक में चालु खाता **4.** आई आर पी एस खाते के साथ भारतीय स्टेट बैंक के खाते का एकीकरण **5.** फण्ड का लियन मार्किंग **6.** टर्नओवर का अद्यतनीकरण (updation) **7.** जिन ठेकेदारों के पास आईआरपीएस के किसी भी मोड्यूल के लिए आई आर पी एस खाता नहीं है, वे आईआरपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई-निविदा/ई-नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण हेतु अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सकते है।

सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली 110055 **Email: pkg.delhidivision@gmail.com** Tel: 011-23743084

2395/25 **वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ-2025

रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

01823/01824 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - हज़रत निज़ामुद्दीन - वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 01823		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 01824	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	15:45	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	09:30	----
00:30	----	हज़रत निज़ामुद्दीन	----	02:00

चलने के दिन: 01823 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से दिनांक 08.08.2025 से 10.08.2025 (शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार) तक एवं **01824 हज़रत निज़ामुद्दीन** से दिनांक 09.08.2025 से 11.08.2025 (शनिवार, रविवार एवं सोमवार) तक।
ठहराव: दतिया, डबरा, ग्वालियर, मुरेना., धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा जं. एवं कोसी कलाँ स्टेशन।
स्थान: सामान्य।

04081/04082 नई दिल्ली - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04081		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04082	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:45	नई दिल्ली	10:30	----
11:40	----	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	----	21:20

चलने के दिन: 04081 नई दिल्ली से दिनांक 14.08.2025 से 16.08.2025 (गुरुवार, शुक्रवार एवं शनिवार) तक एवं **04082 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** से दिनांक 15.08.2025 से 17.08.2025 (शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार) तक।
ठहराव: पानीपत जं., कुरुक्षेत्र जं., अम्बाला कैंट जं., ढंडारी कलां, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी एवं शहीद कप्तान तुषार महाजन स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04090/04089 आनन्द विहार (ट) - पटना जं. - आनन्द विहार (ट) आरक्षित एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी — 184 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04090		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04089	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	14:25	आनन्द विहार (ट)	14:50	----
11:00	----	पटना जं.	----	18:20

चलने के दिन: 04090 आनन्द विहार (ट) से दिनांक 08.08.2025 से दिनांक 07.11.2025 (प्रतिदिन) एवं **04089 पटना जं.** से दिनांक 09.08.2025 से दिनांक 08.11.2025 (प्रतिदिन)।
ठहराव: कानपुर सेन्ट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाईट https://enquiry.indianrail.govin अथवा NTES ऐप देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा – हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2421/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

गाजियाबाद नगर निगम ग्रेटर गाजियाबाद नगर निगम के रूप में विस्तार होने जा रहा है जिसके लिए सभी संबंधित अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं संपत्ति विभाग की टीम को बुलाकर अपर जिला अधिकारी प्रशासन के साथ मिलकर बढ़ाने वाले क्षेत्रफल को देखा गया लोनी, खोड़ा के क्षेत्र के साथ-साथ कई नगर पालिका व अन्य ग्रामीण क्षेत्र भी ग्रेटर गाजियाबाद नगर निगम मे शामिल होंगे तेजी से कार्रवाई चल रही है तथा सभी विभाग आवश्यक रूप से पत्राचार भी कर रहे हैं : **विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त।**

मॉडल सड़क बनाने के लिए नहीं बनी सहमति

- कंपनी कम रेट पर काम करने को तैयार नहीं
- तीसरी बार जारी होगा टेंडर

नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने का काम शुरू होने से पहले ही फिर अटक गया है। जिस एजेंसी का टेंडर प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था उसमें अब रेट को लेकर प्राधिकरण से सहमति नहीं बन पा रही है। हालांकि कंपनी और प्राधिकरण के बीच वार्ता जारी है। सहमति नहीं बनने से अब तीसरी बार फिर से टेंडर प्रक्रिया होगी। जिसके बाद कंपनी का चयन किया जाएगा। इससे पहले भी निर्माण कंपनी के साथ निगोसिएशन नहीं हो पाया था।

सेक्टर-1 गोलचक्कर से सेक्टर-11 झुंडपुरा तिराहे तक करीब 2.5 किमी का हिस्सा उद्योग मार्ग है। इसी उद्योग मार्ग से सेक्टर-6 नोएडा प्राधिकरण दफ्तर के लिए रास्ता जाता है। प्राधिकरण में समय-समय पर निवेशक व नामचीन लोग आते रहते हैं। इस रास्ते पर जगह-जगह औद्योगिक कंपनियां, कारों के शोरूम व अन्य चीजें हैं। ऐसे में यहां हर

समय जाम लगा रहता है। सड़क की चौड़ाई कम होने की वजह से अन्य दिक्कतें भी आती हैं। ऐसे में इस सड़क को मॉडल रोड बनाने का निर्णय करीब एक साल पहले नोएडा प्राधिकरण ने लिया था।

दूसरी बार भी नहीं बनी सहमति

इसके लिए पिछले साल टेंडर जारी किए गए थे। तीन-चार बार टेंडर जारी करने के बाद भी किसी एजेंसी का चयन नहीं हो सका था। करीब छह महीने पहले एक एजेंसी को चयनित कर लिया गया। उससे निर्माण कास्ट को लेकर सहमति नहीं बनी। लिहाजा फिर से टेंडर जारी किया गया। इस बार भी सहमति नहीं बनी। प्राधिकरण के मुताबिक उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने की परियोजना पर करीब 40 करोड़ रुपए खर्च किए जाने तय किए गए है।

सीबीआई से मिल चुकी अनुमति

करीब 15 साल पहले उद्योग मार्ग पर बिजली केबिल लाइन डालने को लेकर घपला हुआ था। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। ऐसे में उद्योग मार्ग पर कोई भी काम करने के लिए सीबीआई की अनुमति जरूरी थी। इसके लिए प्राधिकरण ने सीबीआई को पत्र लिखा था। करीब तीन-चार महीने का समय सीबीआई के जबाव आने में लग गया। सीबीआई ने सेक्टर-2 स्थित मंदिर के सामने सावधानीपूर्वक काम करने के निर्देश दिए थे। बाकी हिस्से में कोई दिक्कत नहीं थी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्राधिकरण सीईओ के साथ किसानों की बैठक

प्राधिकरण के अधिकारी किसानों की समस्या को गंभीरता से सुना, जल्द समाधान का दिया आश्वासन

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। भारतीय किसान यूनियन की एक बैठक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में जिला अधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में हुई, जिसमें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि एनजी, एसीईओ सुनील कुमार, सौम्या श्रीवास्तव नोएडा प्राधिकरण के एसीओ संजय खत्री, यमुना प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार, ओएसडी शैलेंद्र सिंह, पुलिस विभाग ज्वाइंट सीपी राजीव नारायण, डीसीपी साद मिया खानएवं अन्य प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ करीब 4-30 घंटे वार्ता चली। संगठन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि किसानो के 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा, आबादी निस्तारण, बैक लीज, 10 प्रतिशत आवासीय प्लॉट, शिक्षा, चिकित्सा, युवाओं को रोजगार सहित आदि समस्याओं को लेकर 30 जुलाई को गलगोटिया यूनिवर्सिटी के सामने अंडरपास पर एक महापंचायत का आयोजन भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किया गया

था, जिसमें 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया था।

बैठक में किसानों के सभी समस्याओं को लेकर प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया है। युवाओं को रोजगार के लिए एक नोडल अधिकारी तीनों प्राधिकरण में लगाने का जल्दी आश्वासन मिला। तुगलकपुर गांव और झंडे वाले मंदिर के रास्ते को लेकर जल्दी फुट ओवर ब्रिज बनाने के लिए 15 दिन का समय ग्रेटर नोएडा के सीईओ ने लिया। तीनों प्राधिकरण के अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना। मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने बताया कि तीनों विकास प्राधिकरण में अलग-अलग मीटिंग कर किसानों के समाधान का नया रास्ता बनाया, जिसमें 14 अगस्त को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में किसानों की समस्याओं को एवं गांव के विकास को लेकर मीटिंग होगी। जिसमें सभी प्रोजेक्ट के अधिकारी एवं एसडीएम पटवारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद होंगे।

इस मौके पर राजीव मलिक, राजे प्रधान, रॉबिन नागर, सुरेंद्र नागर, अनित कसाना, बाबा अजीत अधाना, धर्मपाल स्वामी, बेली भाटी, लाला यादव, अमित डेढा, गजेंद्र चौधरी, भगत सिंह, प्रधान विनोद आदि किसान मौजूद रहे।

सार संक्षेप

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से किशोर की मौत

नोएडा। सेक्टर-126 लोटस वैल्यू सोसायटी से घर जा रहे 16 साल के किशोर को रास्ते में तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी। घायल को आसपास के लोगों ने अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां उसने दो दिन बाद दम तोड़ दिया। घटना में मृतक के पिता ने सेक्टर-126 थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज से पहचान कर तलाश में जुट गई है। पुलिस को झारखंड मूल निवासी इंद्रदेव शर्मा ने बताया कि वह परिवार के साथ में सेक्टर-126 रायपुर खादर गांव में रहते हैं। उनका 16 साल का बेटा अनुज शर्मा बाइक से 25 जून लोटस वैल्यू सोसायटी के सामने से गुजर रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने किशोर को टक्कर मार दी। घटना में उसे गंभीर चोट आई। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से किशोर ने दो दिन इलाज के बाद दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार करने के बाद गांव चले गए। लौटने के बाद मृतक के पिता ने थाने में शिकायत दी है। इस मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पशुओं का अवैध कटान करने पर दो गिरफ्तार

बुलंदशहर। ककोड़ कोतवाली पुलिस ने छापामार कार्रवाई में अवैध रूप से पशुओं का कटान करने पर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने झाझर निवासी दानिश व मुस्करान को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर दो कुंतल मीट, दो छुरी, गड़ासा व अन्य सामान बरामद कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा है।

सदरपुर में मिला नवजात बच्चे का भ्रूण

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सदरपुर कॉलोनी में एक बच्चे का भ्रूण मिला है। भ्रूण नाले में कपड़े में लिपटा था। आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया कि नाले में कही से बहकर आ सकता है। हालांकि यहां लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। ताकि पता लग सके कि किसने भ्रूण को यहां फेंका है। जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर थाना सेक्टर-39 पुलिस पहुंची और जांच पड़ताल की। बताया कि गया भ्रूण करीब 4 महीने के आसपास का है। जिसको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इासपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज देखी जा रही है। भ्रूण के साथ कुछ भी नहीं मिला है। हो सकता है किसी ने यहां फेंका हो।

बिल्डर पर लापरवाही बरतने का आरोप

खोड़ा। बिल्डर द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने से कभी भी बड़ा हादसा होने की संभावना बनी हुई है। लगभग छह सात वर्ष पहले बिल्डर शिप्रा एस्टेट लिमिटेड द्वारा शिप्रा मॉल के बगल वाले और शिप्रा सनसिटी फेज-2 से सटी रोड साइड की बाउंडरी वाल से लगे भूखंड पर किसी बहुमंजिला इमारत के बनवाने के लिये बड़ा गड्ढ़ा खुदवाया गया था। बाद में इस भूखंड पर कोई निर्माण कार्य बिल्डर द्वारा नहीं कराया गया और गड्ढ़े को से ही बिना मिट्टी की भरत किए छोड़ दिया गया।

नोएडा प्राधिकरण ने 15 करोड़ की जमीन कराई खाली

- 4 हजार वर्गमीटर पर किया जा रहा था अवैध निर्माण
- कॉलोनाइजर काट रहे थे प्लाट

नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण का अवैध निर्माण को लेकर अभियान निरंतर जारी है। गुरुवार को प्राधिकरण ने सोरखा जाहिदाबाद में 4 हजार वर्गमीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। यहां अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही थी। भू माफियाओं ने जमीन के चारों ओर बाउंड्री वाल बनाकर अंदर प्लाट काटे जा रहे थे। जिसको प्राधिकरण के बुलडोजर ने ध्वस्त किया। इस जमीन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपए आकी जा रही है।

प्राधिकरण ने बताया कि ये जमीन अधिसूचित जमीन है। यहा बिना प्राधिकरण की अनुमति के निर्माण और प्लाटिंग की जा रही थी। खसरा नंबर 949, 615,618 और 612 है। इस पर पहले भी प्राधिकरण ने नोटिस जारी किया था। लेकिन नहीं सुनी गई। ऐसे में प्राधिकरण ने बुलडोजर एक्शन लिया और अवैध निर्माण और प्लाटिंग को ध्वस्त किया। जमीन को कब्जे में लिया। यहां कॉलोनाइजर द्वारा प्लाटिंग, सीसी रोड एवं साइट ऑफिस बनया गया था। इसके अलावा कॉलोनाइजर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जा रही है।

प्राधिकरण ने एडवाइजरी जारी की कि जन सामान्य को सचेत किया जाता है कि इस क्षेत्र में भूखंड खरीदने व बेचने के लिए भूमाफियाओं के चंगुल में न आए। यहां पर प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माण को ध्वस्त करते हुए नियोजन के अनुसार विकास कार्य कराए जाना प्रस्तावित हैं।

ग्रेटर गाजियाबाद बनाने के लिए अग्रसर हो रहे हैं अधिकारी

नगर आयुक्त ने निगम व प्रशासनिक अधिकारियों से की बैठक

गाजियाबाद का होगा विस्तार ओर बढ़ेगी विकास की रफ्तार : **नगर आयुक्त**

गाजियाबाद, 7 अगस्त (देशबन्धु)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने गाजियाबाद को ग्रेटर गाजियाबाद बनाने के क्रम में प्रशासनिक तथा निगम अधिकारियों से बैठक की। जिसमें विशेष रूप से संपत्ति विभाग की टीम के साथ बैठक हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रणविजय सिंह, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह तथा अन्य संबंधित टीम उपस्थित रही, गाजियाबाद के विस्तार को लेकर नक्शे पर चर्चा करते हुए बढ़ने वाले क्षेत्रफल पर चिन्हीकरण की कार्रवाई की गई।

नगर आयुक्त ने बताया गाजियाबाद नगर निगम ग्रेटर गाजियाबाद नगर निगम के रूप में विस्तार होने जा रहा है जिसके लिए सभी संबंधित अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं संपत्ति विभाग की टीम को बुलाकर अपर जिला अधिकारी प्रशासन के साथ मिलकर बढ़ाने वाले क्षेत्रफल को देखा गया लोनी, खोड़ा के क्षेत्र के साथ-साथ कई नगर पालिका व अन्य ग्रामीण क्षेत्र भी ग्रेटर गाजियाबाद नगर निगम मे शामिल होंगे तेजी से कार्रवाई चल रही है तथा सभी विभाग आवश्यक रूप से पत्राचार भी कर रहे हैं।

गाजियाबाद के ग्रेटर गाजियाबाद बनने से न केवल क्षेत्रफल का विस्तार होगा बल्कि शहर के विकास को भी बल मिलेगा, जिसके लिए समय-समय पर योजना बनाते हुए ग्रेटर गाजियाबाद की मुहिम को आगे बढ़ाया जा रहा है, शासन के निर्देश अनुसार प्रशासनिक अधिकारी तथा निगम अधिकारी आपसी समन्वय करते हुए आगे बढ़ रहे है, नगर निगम के समस्त विभागीय अधिकारियों द्वारा भी कार्रवाई को रफ्तार दी जा रही है, ग्रेटर गाजियाबाद को ध्यान में रखते हुई ही आगे की योजना निगम अधिकारी बना रहे हैं।

बिल्डर ने किया अतिरिक्त तल का निर्माण, जीडीए ने किया ध्वस्त

गाजियाबाद, 7 अगस्त (देशबन्धु)। जीडीए का बुलडोजर शालीमार गार्डन एक्स-1 साहिबाबाद में चला। जिसमें स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए गए निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। प्रभारी प्रवर्तन जोन-8 के नेतृत्व में जीडीए का सचल दल पहुंचा तथा वहां भूखंड सं0-187, शालीमार गार्डन मेन गाजियाबाद पर स्वीकृत मानचित्र से विचलन कर निर्मित कालमों व दीवारों को ध्वस्त कर दिया गया इसके अलावा भूखंड सं0-436, शालीमार गार्डन एक्स-1 साहिबाबाद गाजियाबाद पर स्वीकृत मानचित्र से विचलन कर अतिरिक्त तल पर निर्मित कालमों को भी ध्वस्त कर दिया गया। उक्त कार्रवाई के समय प्रवर्तन प्रभारी जोन-8, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्तागण, समस्त सुपरवाईजर स्टॉफ, प्राधिकरण सुरक्षाकर्मी एवं सम्बन्धित थाना-शालीमार गार्डन गाजियाबाद का पुलिस बल उपस्थित रहा।

नाले के टूटने से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

खोड़ा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। अनिल विहार स्थित अटल चौक मोड़ पर नाले के टूटने से किसी बड़े हादसे की संभावना बनी हुई है। अटल चौक मोड़ तिराहे पर बड़ी संख्या में लोगो का आवागमन होता है। निजी ट्रैक्टर द्वारा मोड पर नाले में फंसने की वजह से नाली भर भराकर टूट गई। नाली के टूटने के दौरान साइड से सड़क दो फिट तक टूट गई। नाली और सड़क के टूटने की वजह से दुकानदारों द्वारा लगाए गए लोहे के रैंप भी चूर चूर हो गए। स्थानीय दुकानदार विपिन ने बताया कि हजारों की संख्या में सुबह शाम वाहनों का आवागमन होता है। कई बाइक सवार चोटिल हो चुके है। दिन में आवागमन के दौरान टूटी नाली दूर से दिखाई पड़ती है। वाहन चालक साइड से बचकर निकल जाते है। परन्तु रात्रि में हादसे का खतरा बढ़ जाता है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी जमा होने के कारण दिखाई नहीं पड़ता और लोग नाली में गिर जाते है। पिछले सप्ताह दो बाइक सवार नाली में गिरकर चोटिल हो गए। दुकानदारों ने दौड़कर बाइक को बाहर निकाला। अटल चौक मोड़ पर बड़ी नाली में गलियों की कई नालियों के पानी की निकासी भी इसी गहरी नाली से होती है। मामले की शिकायत स्थानीय सभासद से की गई।लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय दुकानदारों ने नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से जल्द नाली का निर्माण करवाए जाने की मांग की है।

नोएडा से दिल्ली वाया लिंक रोड, जाम से राहत नहीं

नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। सेक्टर-95 दलित प्रेरणा स्थल के सामने सड़क चौड़ी शुरू होने के काम में अभी वक्त लगेगा। सड़क चौड़ी होने में दलित प्रेरणा स्थल के गेट आड़े आ रहे हैं। इससे प्रेरणा स्थल का कामकाज प्रभावित होगा। ऐसे में चिल्ला एलिवेटेड जब तक नहीं बनती वाहन चालकों को एक्सप्रेस वे लिंक रोड के जरिए दिल्ली जाने में जाम का सामना करना पड़ेगा। चिल्ला एलिवेटेड बनने में करीब तीन साल का समय लगेगा। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस वे की तरफ से आकर महामाया फ्लाईओवर के नीचे से होते हुए चिल्ला बॉर्डर की तरफ जाने वाले रास्ते पर अभी भी काफी जाम की समस्या बनी हुई है। महामाया फ्लाईओवर पार करते ही जाम लगना शुरू हो जाता है। इसकी वजह यह है कि दलित प्रेरणा स्थल के सामने सड़क काफी कम चौड़ी है। दलित प्रेरणा स्थल के बाहर सड़क की ओर चारदीवारी हो रखी है। यहां सड़क चौड़ी करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने दलित प्रेरणा स्थल की प्रबंधन समिति से अनुमति मांगी थी जो करीब दो महीने पहले मिल चुकी है। खास बात यह है कि अनुमति मिलने के बाद भी यहां सड़क चौड़ी करने के काम की शुरुआत नहीं हो पा रही है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि दलित प्रेरणा स्थल की प्रबंधन कमेटी से मंजूरी मिलने के बाद मौके पर दोबारा से सर्वे कराया गया। इसमें सामने आया कि सड़क चौड़ी होने पर प्रेरणा स्थल से बिल्कुल सटकर वाहन निकलेंगे, इससे कुछ गेट का प्रयोग नहीं हो सकेगा। ऐसे में सड़क चौड़ी होने के बाद गेट बंद हो जाएंगे।

दोबारा किए गए सर्वे में मिली जानकारी

कूड़े को अलग न करने पर 5.80 लाख का जुर्माना

नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-32 लॉजिक्स मॉल के बाहर वेंडिंग जोन में कई दुकानदार सिंगल यूज प्लॉस्टिक का प्रयोग करते हुए पाए गए। साथ ही कुछ दुकानदारों के द्वारा काफी गंदगी भी फैलाई जा रही है। प्लॉस्टिक का इस्तेमाल करने वालों एवं गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों पर 30,000 रुपए का चालान किया गया। गांव का निरीक्षण किया गया। यहां भी दुकानदार सिंगल यूज प्लॉस्टिक का इस्तेमाल करते हुए एवं अनाधिकृत रूप से खुले में कचरा फेंकते हुए पाए गए। प्लॉस्टिक का इस्तेमाल करने वालों एवं खुले में कचरा फेंकने वाले दुकानदारों पर कुल 50,000 रूपए का चालान किया गया। इसके उपरान्त सेक्टर-94 कैपिटल सिटी में Cad Tech Bar, Craft Kitchen & Brewery पर 5,00,000 रुपए की पेनाल्टी लगाई गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उक्त रेस्टोरेन्ट द्वारा अपने कचरे को सही तरह से अलग नहीं किया जा रहा है और कूड़ा संग्रहण करने वाली एजेंसी को मिक्स कचरा दिया जा रहा है। गीले कचरे के निस्तारण के लिए कोई भी उचित प्रबन्ध नहीं है। इनके द्वारा बल्क वेस्ट जनरेटर के दायित्वों का निर्वहन न करने एवं कूड़े को अलग न करने के दृष्टिगत आर्थिक दण्ड अधिरोपित किया गया है।

नोएडा पुलिस को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। गौतमबुद्ध नगर पुलिसकर्मियों के लिए शासन की तरफ से 80 करोड़ रुपये की लागत से कई सौगात तैयार की जा रही हैं। जिसमें कई थानों में हास्टल, जांच कक्ष बना दिए गए हैं। वहीं पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्यस्थल और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई परियोजनाएं शासन से पास कराई गई हैं। जिस पर काम चल रहा है। रिजर्व पुलिस लाइंस में 200 पुलिसकर्मियों के लिए हॉस्टल बैरक बन रहा है। जिसका काम 81 प्रतिशत हो चुका है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नोएडा के फेस-1 थाने में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए तीन मंजिला थाना भवन का बना है। जिसमें आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑफिस, हवालात, बैरक, आईटी सेल, महिला सशक्तिकरण कक्ष बनाया जा रहा है। सेक्टर-142 थाने को नोएडा प्राधिकरण की ओर से 4 हजार वर्ग मीटर की जमीन दी गई हैं। सेक्टर-113 थाने की पुलिस टीम के लिए चार मंजिला थाना भवन का तैयार किया जा रहा है। इसमें भी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। ग्रेटर नोएडा कासना थाने के लिए 3 हजार 957 वर्ग मीटर जमीन चिन्हित की गई है। समिति का गठन कर जल्द ही भूमि हैंडओवर किया जाएगा। थाना सेक्टर-39 में 48 क्षमता वाले हॉस्टल, बैरक, विवेचना कक्ष का कर दिया गया है।

खाद्य विभाग ने लिए संस्थानों से 13 नमूने

नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का लगातार अभियान जारी है। इस क्रम में विभिन्न संस्थानों से 13 नमूने लिए गए। जिनको जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजा गया। 365 किलो रसगुल्ला के साथ 90 किलो मिठाई को नष्ट कराया गया।

- 365 किलो रसगुल्ला 90 किलो मिठाई को कराया गया नष्ट
- लखनऊ भेजे गए नमूने की रिपोर्ट का इंतजार

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी सैयद इबादुल्लाह, विशाल कुमार गुप्ता एवं अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा सेक्टर 63 स्थित वृन्दावन स्वीट्स से बर्फी एवं लड्डू का 01-01 नमूना लिया गया।

छिजारसी नोएडा स्थित संजय की छेना रसगुल्ला निर्माणशाला से छेना रसगुल्ला का 1 नमूना लेकर शेष लगभग 365 किलो रसगुल्ला नष्ट करा दिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, रविंद्र नाथ वर्मा एवं मालती की टीम द्वारा जेवर स्थित ग्यासी मिष्ठान भंडार से घेवर का, उमेश मिष्ठान भंडार से घेवर का, रामेश्वरम मिष्ठान भंडार से घेवर का एवं शर्मा मिष्ठान भंडार से घेवर का 1-1 नमूना तथा जहांगीरपुर स्थित गोयल मिष्ठान भंडार से घेवर का 1 नमूना लिया गया।

खराब मिठाई मिली, कराई नष्ट

इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेंद्र कुमार पांडेय, ओपी सिंह एवं विजय बहादुर पटेल की तीसरी टीम द्वारा सलारपुर भंगेल नोएडा स्थित बीकानेर स्वीट्स से पेड़ा का 1 नमूना एवं सेक्टर 82 सलारपुर स्थित कान्हाभोग से रसगुल्ला का 1 नमूना लिया गया। इसी टीम द्वारा सोरखा सेक्टर-115 नोएडा स्थित कृष्णा इंटरप्राइजेज से बूंदी लड्डू, मोहन बर्फी व बेसन रोल का 1-1 नमूना लिया गया। बूंदी लड्डू में फंगस पाए जाने एवं मोहन बर्फी खराब होने की स्थिति में 65 किलो बूंदी लड्डू व लगभग 25 किलो मोहन बर्फी मौके पर ही नष्ट कराई गई।

इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन

गाजियाबाद, 7 अगस्त (देशबन्धु)। इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल, प्रताप विहार के सभागार में आज अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी अवसर का उद्देश्य विद्यालय के सुचारू रूप से संचालन हेतु नव-निर्वाचित छात्र पदाधिकारियों-स्कूल हेड गर्ल, हेड बॉय, स्पोर्ट्स कैप्टन, कल्चरल कैप्टन, हाउस इंचार्ज़ तथा हाउस प्रिफेक्टोरियल बोर्ड-का औपचारिक रूप से अलंकरण करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक पंकज जोशी, प्रधानाचार्य मधुकर प्रिय, उप-प्रधानाचार्या कल्पना सीजो एवं प्रधान अध्यापिका श्रद्धा सिंह के गरिमामयी स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन की दिव्य परंपरा का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत कोर बॉडी के सदस्यों तथा विद्यालय के चारों सदनों-आकाश, अग्नि, वायु एवं पृथ्वी के अध्यक्षों एवं प्रिफेक्ट्स के नामों की औपचारिक घोषणा की गई। घोषणा के साथ ही हाउस इनचार्जेज द्वारा अपने-अपने हाउस के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बैज पहनाकर अलंकृत किया गया। कोर बॉडी के पदाधिकारियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं उप प्रधानाचार्या ने उनके पद के अनुरूप बैज पहनाकर सम्मानित किया। विद्यालय निदेशक पंकज जोशी एवं विद्यालय प्रधानाचार्य के द्वारा विद्यालय के चारों हाउस इन चार्जेज को उनकी जिम्मेदारियों का प्रतीक स्क्रोल थमाकर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात प्रधानाचार्य मधुकर प्रिय ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारीपूर्वक अपने कर्तव्यों के निर्वहन की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने प्रेरणादायी शब्दों में सभी छात्र-छात्राओं को अनुशासन, नेतृत्व और सेवा भावना के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया तथा उन्हें शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

- हाउस के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बैज पहनाकर अलंकृत किया

उवाच

कालोनाइजर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया ग्राम भनौता के खसरा संख्या–131, 207, 228, 294, 295 296 में लगभग 65 हजार वर्ग मीटर जमीन पर बिना प्राधिकरण की अनुमति निर्माण कर रहे थे। कालोनाइजरों ने अवैध रूप से दूर दर्जन मकान भी बना लिए थे। अवैध कॉलोनी काटने की कोशिश कर रहे थे : **एके सिंह, प्राधिकरण परियोजना विभाग महाप्रबंधक और राम नयन सिंह, ओएसडी।**

भूमाफियाओं पर ग्रेनो प्राधिकरण का शिकंजा, बैंकों को पत्र लिखा

- **अवैध कॉलोनियों में ऋण न देने के लिए बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखा**
- **प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र व अनापत्ति प्रमाण पत्र होने पर ही ऋण दिया जाए**

अधिसूचित क्षेत्र के गांवों के आसपास भूमाफियाओं द्वारा बसाई जा रही अवैध कॉलोनियों में भूखंडों पर निर्माण कार्य के लिए ऋण न देने के लिए बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखा गया है। इससे भूमाफियाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी, वहीं लोग जागरूक भी होंगे। इससे आम लोग भूमाफियाओं के बहकावे में आने से बच जाएंगे। प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र होने पर ही ऋण जारी किया जाएः एके सिंह, महाप्रबंधक परियोजना, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण।

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अधिसूचित क्षेत्र में अवैध कॉलोनी बसाने वाले भूमाफियाओं को चारों तरफ से घेरना शुरू कर दिया है। इन कॉलोनियों में भूखंड खरीदने वाले लोगों को प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र एवं अनापत्ति के बिना ऋण यानी लोन न देने के लिए सभी प्रमुख बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखा है।

दरअसल ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध कॉलोनियां बस रही हैं। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद भी भूमाफियाओं के हौंसले बुलंद हैं। आमजन को इनके बहकावे में आने से बचाने के लिए प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण के साथ अन्य जरूरी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में कुल 264 गांव हैं। इसमें ग्रेटर नोएडा फेस–1 के 124 और फेस– 2 के 140 गांव शामिल हैं। प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लान के अनुसार अधिसूचित क्षेत्र के गांवों की जमीन अधिग्रहित कर उस पर औद्योगिक, आवासीय व संस्थागत आदि श्रेणी के सेक्टर विकसित किए जाते हैं। प्राधिकरण की अनुमति के बिना अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण नहीं किया जा सकता है। आवासीय, उद्योग, व्यवसायिक आदि उद्देश्यों के लिए भूखंड प्राधिकरण द्वारा ही आवंटित किए जाते हैं।

प्राधिकरण के अधिकारियों के संज्ञान में आया है कि अधिसूचित क्षेत्र में अवैध रूप से बसाई जा रही कॉलोनियों में कुछ बैंकों द्वारा ऋण यानी लोन दिया जा रहा है। ऐसे में लोग विश्वास कर लेते हैं कि वे जो संपत्ति खरीद रहे हैं, वह सही है।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह की तरफ से बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक को लिखे पत्र में अनुरोध किया गया है कि बैंक के सभी शाखा प्रबंधकों को यह निर्देशित किया जाए कि प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत भूखंडों पर निर्माण हेतु कोई भी व्यक्ति जब तक अनुमोदित ले आउट प्लॉन के सापेक्ष प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र की प्रति एवं प्राधिकरण की अनापत्ति बैंक के समक्ष प्रस्तुत नहीं करता तब तक ऐसे भूखंडों/फ्लैटों के लिए किसी प्रकार का ऋण न दिया जाए।

एनपीसीएल व निबंधन विभाग को पहले ही लिखा जा चुक है पत्र

अवैध कॉलोनियों में बिजली कनेक्शन न देने के लिए नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड और कृषि उपयोग भूमि की छोटे-छोटे आकार के आवासीय उद्देश्य के लिए भूखंडों की रजिस्ट्री पर रोक के लिए निबंधन विभाग को पहले ही पत्र लिखा जा चुका है। किसानों की जमीन खसरा खतौनी में जिस उपयोग में दर्ज है,उसी में रजिस्ट्री की जाए।

अवैध कॉलोनी पर चला ग्रेनो प्राधिकरण का बुलडोजर

- **65 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त**
- **जमीन की कीमत करीब 130 करोड़ रुपए होने का अनुमान**

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम भनौता में अधिसूचित एरिया पर अतिक्रमण के खिलाफ गुरुवार को बुलडोजर चलाया। प्राधिकरण ने करीब 65 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया है, जिसकी कीमत करीब 130 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। बताया जा रहा है कि कालोनाइजर इस जमीन पर अवैध निर्माण कर कॉलोनी काटने की कोशिश रहे थे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई जारी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के परियोजना और भूलेख विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से बृहस्पतिवार को भनौता गांव में अतिक्रमण पर कार्रवाई की। इस कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे प्राधिकरण के परियोजना विभाग के महाप्रबंधक एके सिंह और ओएसडी राम नयन सिंह ने बताया कि कालोनाइजर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया ग्राम भनौता के खसरा संख्या–131, 207, 228, 294, 295 296 में लगभग 65 हजार वर्ग मीटर जमीन पर बिना प्राधिकरण की अनुमति निर्माण कर रहे थे। कालोनाइजरों ने अवैध रूप से दूर दर्जन मकान भी बना लिए थे। अवैध कॉलोनी काटने की कोशिश कर रहे थे। बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्राधिकरण की तरफ से नोटिस भी जारी की गई, लेकिन कालोनाइजर चोरी-छिपे अवैध कॉलोनी काटने की कोशिश कर रहे थे।

गुरुवार को महाप्रबंधक एके सिंह, ओएसडी राम नयन सिंह, एसीपी वीर कुमार ने वर्क सर्किल दो के प्रभारी नरोत्तम सिंह व अन्य स्टाफ और पुलिस बल के साथ मिलकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने 06 जेसीबी और 5 डंपर की मदद से तीन घंटे में कार्रवाई संपन्न की। मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 130 करोड़ रुपए आंकी गई है।

एसीईओ सुमित यादव ने अतिक्रमण करने वाले को चेतावनी दी है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में बिना अनुमति या बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण कर ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसीईओ ने जनमानस से अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

यीडा के सेक्टर-28 बिजली उपकेंद्र से चार गांव में शुरू हुई 24 घंटे आपूर्ति

- **जेवर विधायक की मौजूदगी में विद्युत उपकेंद्र से गांवों को जोड़ा गया**

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। जेवर क्षेत्र के गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का सपना साकार होने लगा है। प्रदेश की योगी सरकार उत्तर प्रदेश को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के संकल्प को साकार करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। जैसा कि पिछले दिनों ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति में दिक्कतें आ रही थीं, उस कमी को दूर करने के लिए जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने यमुना प्राधिकरण और विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर, यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहयोग से ग्रामों के लोड को प्राधिकरण द्वारा बनाए गए बिजली घरों पर डालने की योजना बनाई गई थी। इसी क्रम बुधवार को जेवर विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर 28 स्थित विद्युत केंद्र से आज ग्राम मुरादगढ़ी, वीरमपुर, चकवीरमपुर और नगला शाहपुर को भी जोड़ दिया गया। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने ग्रामीणों के संग स्विच ऑन कर विद्युत आपूर्ति का शुभारंभ किया। इससे पहले माह 7 जुलाई को उक्त बिजली घर से ग्राम तिरथली, नगला हुकम सिंह, नगला भटोना, नगला हांडा, नगला जहानू, तिरथली खेड़ा और कुरैव को जोड़ा ही जा चुका है। इन सभी गांवों को अब निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि बिजली हर नागरिक का अधिकार है और हमारी सरकार इस अधिकार को हर गांव तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह ग्रामीण विकास की दिशा में बड़ा कदम है। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि जेवर विधानसभा का कोई भी गांव अंधेरे में न रहे तथा सभी को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से मिल सके।

इस मौके पर दर्जनों ग्रामों के लोगों के साथ साथ यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण और विद्युत विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

टप्पल में लॉजिस्टिक हब विकसित करने की प्रक्रिया तेज

- **जीबीयू की टीम 1700 हेक्टेयर भूमि के एसआईए का ड्राफ्ट किया तैयार**
- **लॉजिस्टिक हब के लिए अगले माह से शुरू हो जाएगा जमीन अधिग्रहण**

सामाजिक समाघात आंकलन (एसआईए) लगभग पूरा होने को हैं, अगले महीने तक टीम ड्राफ्ट यमुना प्राधिकरण को सौंप देंगी, जिसके बाद यहां जमीन अधिग्रहण समेत विकास परियोजना विकसित करने का काम शुरू हो सकेगाः विवेक मिश्रा, प्रभारी एसआईए

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। यमुना विकास प्राधिकरण के टप्पल क्षेत्र में लॉजिस्टिक हब विकसित करने की तैयारी तेज हो गई है। अगले महीने तक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) की टीम भी टप्पल की करीब 17 सौ हेक्टेयर भूमि के सामाजिक समाघात आंकलन (एसआईए) का ड्राफ्ट प्राधिकरण को सौंप देगी।

प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि टप्पल में करीब 250 एकड़ में लॉजिस्टिक हब बनेगा। यहां पर 12 वेयर हाउस और 6 से अधिक अन्य प्रकार के भंडारण केंद्र बनेंगे। इस परियोजना में 640 करोड़ का निवेश आएगा। लॉजिस्टिक सेंटर को विकसित करने के लिए जल्द ही प्राधिकरण रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी करने की तैयारी भी कर रहा है। इसके लिए कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा। इससे क्षेत्र के करीब 10 हजार लोगों के लिए नौकरी के द्वार खिलेंगे। बता दें कि लॉजिस्टिक हब वेयर हाउस की तरह काम करता है। लॉजिस्टिक पार्क में आयात व निर्यात होने वाले सामान (कंसाइन) को रखने का स्थान होता है। यहां पर एक निश्चित किराया लेकर सामान को सुरक्षित रखा जाता है। यहां से दादरी कंटेनर डिपो नजदीक है। जहां वेस्ट यूपी के कई जिलों से माल निर्यात होने के लिए आता है, लेकिन तत्काल माल नहीं जाने पर निर्यातकों को माल सुरक्षित रखने के लिए स्थान की जरूरत होती है। इसके अलावा टप्पल में औद्योगिक गतिविधियां भी शुरू करने पर जोर है।

एक साथ पूरी जमीन का होगा अधिग्रहण

टप्पल के अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण व जमीन की खरीद फरोख्त की शिकायतें मिल रही है। ऐसे में प्राधिकरण ने बोर्ड बैठक में टप्पल की लगभग 1700 हेक्टेयर भूमि का एक साथ अधिग्रहण करने का फैसला लिया था। इसके एसआईए की जिम्मेदारी गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय को सौंपी थी। टीम सितम्बर तक अपना ड्राफ्ट तैयार कर लेगी। ड्राफ्ट में परियोजना से प्रभावित होने वाली आबादी समेत अन्य सभी प्रकार का विवरण व संभावनाएं होगी। इसके अलावा यमुना प्राधिकरण की ओर से वहां अवैध निर्माण रुकवाने व बैनामों पर रोक के लिए टप्पल प्रशासन को पत्राचार किया जा चुका है।

ओएसडी गुंजा सिंह ने सैनी गांव का किया औचक निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सेक्टरों व गांवों में साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्राधिकरण की तरफ से निवासियों को जागरूक करने, कूड़ा फैलाने वालों के साथ ही जुर्माना लगाने की कार्रवाई जारी है। गुरुवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट की प्रभारी और ओएसडी गुंजा सिंह ने सहायक प्रबंधक गौरव बघेल व स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ सैनी गांव का औचक निरीक्षण किया। ग्रामवासियों से नियमित सफाई पर फीडबैक लिया।

गंदगी दिखने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को और कान्ट्रैक्टर को फटकार लगाई। उन्होंने गांवों में सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और कान्ट्रैक्टरों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। ओएसडी गुंजा सिंह ने औचक निरीक्षण अभियान जारी रहने की बात कही है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर–ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर–201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उप जिलाधिकारी सदर परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या–436/एस०टी० एस०डी०एम०/2025 दिनांक 16.06.2025 मृतक भगवत सिह पुत्र स्व० श्री धर्मवीर सिह एवं श्रीमती राजेश देवी पत्नी भगवत सिंह, नि० ग्राम आंछेपुर परगना दनकौर तहसील सदर व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांकः क्रमशः 10.04.2025 व 31.01.2022 को हो चुकी है उनके स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है–

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
आछेपुर	91 513	भगवत सिंह पुत्र स्व0 श्री धर्मवीर सिंह एवं श्रीमती राजेश देवी पत्नी भगवती सिंह, नि0 ग्राम आछेपुर परगना दनकौर तहसील सदर व जिला गौतमबुद्धनगर	योगेश कुमार	पुत्र	35 वर्ष	
			रोहित कुमार	पुत्र	25 वर्ष	
			कुलदीप सिंह	पुत्र	24 वर्ष	

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64. 7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

निजी अस्पतालों की योजना निरस्त करने को लेकर नोएडा विधायक से मिले एक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा निजी अस्पतालों के लिए लाई गई भूखंड योजना को निरस्त करने एवं उन भूखंड पर सरकारी अस्पताल निर्माण करने की मांग को लेकर एक्टिव सिटीजन टीम ने अभियान तेज कर दिया। जिले के जनप्रतिनिधियों से मिलकर ज्ञापन देकर योजना निरस्त करने की मांग लगातार रख रहे हैं। बुधवार को इसी क्रम में नोएडा विधायक पंकज सिंह से एक्टिव सिटीजन टीम ने मिलकर ज्ञापन सौंपा। टीम ने मांग में कहा कि ये जनहित खासकर निम्न वर्ग, निम्न माध्यम एवं माध्यम वर्ग के लिए सस्ता और सुलभ चिकित्सा सेवा मिल सके, इसलिए उनका प्रयास स्वागत योग्य होगा। आज के समय में आर्थिक रूप से वंचित नागरिको के लिए एक बेहतर चिकत्सा अत्यंत आवश्यक है। अगर 90 फीसदी निजी ही बन जाएंगे तो ये जनता कहां जाएगी। इससे पहले टीम दादरी विधायक तेजपाल नागर और जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह से मिलकर ज्ञापन देकर मांग रख चुके हैं। नोएडा विधायक को ज्ञापन देने वालों में हरेंद्र भाटी, आलोक सिंह, रमेश प्रेमचंदनी एवं आशीष शर्मा उपस्थित रहे।

ओमीक्रॉन-1 की सर्विस रोड पर लगा है गंदगी का ढेर, नहीं हो रही नियमित सफाई

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। सेक्टर ओमीक्रॉन-एक में नियमित साफ-सफाई नहीं होने की वजह से कूड़े का ढेर लगा हुआ है, जिसकी वजह से आस-पास बदबू के साथ बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। मच्छरों के प्रकोप से और बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासियों अकाश, राहुल का कहना है कि पिछले करीब छह महीने से यहां नियमित सफाई नहीं हो रही। लोगों का कहना है कि जब तक सफाई को लेकर शिकायत नहीं की जाती, तब तक कोई सफाईकर्मी नहीं आता। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने बताया कि वे कई बार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से इस बारे में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन सिर्फ अस्थायी सफाई करवा दी जाती है। अगले ही कुछ दिनों में फिर से गंदगी जमा होने लगती है। गंदगी के कारण यहां से गुजरना मुश्किल हो गया है। राहगीरों को नाक पर रुमाल रखकर चलना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है कि यदि जल्द सफाई व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। निवासियों ने मांग की है कि क्षेत्र में नियमित रूप से सफाईकर्मी लगाए जाएं और कचरा हटाने की एक स्थायी व्यवस्था बनाई जाए साथ ही जो सफाईकर्मी लापरवाही बरत रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लाट नं0–1, सैक्टर नोलेज पार्क–4, ग्रेटर नौएडा
जिला गौतमबुद्धनगर उ०प्र० ।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि UPG01 योजना के अंतर्गत आवंटित भूखण्ड संख्या– भूखण्ड संख्या–280, BLOCK-D, AREA-200 SQM, SECTOR TAU, ALLOTMENT NO-MHS0362086, GREATER NOIDA की आवंटी SMT.SUSHILA GUPTA W/O SH.VIRENDRA KUMAR GUPTA R/O FLAT NO-F-501, 5TH FLOOR PEARL COURT RAMPRASTHA GREENS VAISHALI EXTENSION SECTOR -7, SAHIBABAD GHAZIABAD U.P.-PIN-201010 की मृत्यु के उपरान्त उनके पुत्र SH. SACHIN GUPTA S/O SH.VIRENDRA KUMAR GUPTA के द्वारा उक्त भूखण्ड को अपने नाम कराने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये गये हैं। अतः इस म्यूटेशन के सम्बंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में SMT. SUSHILA GUPTA W/O SH. VIRENDRA KUMAR GUPTA के नाम के स्थान पर उनके पुत्र SH. SACHIN GUPTA S/O SH. VIRENDRA KUMAR GUPTA का नाम दर्ज कर दिया जाएगा।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए सम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

कूड़े से मिला सबूत, फेंकने वाले पर 1.30 लाख का जुर्माना

- **डीएफएम फूड्स ने ज्यू-3 की सड़क के किनारे फेंका था कूड़ा**
- **कूड़े को खंगालने के बाद सबूत मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने की कार्रवाई**

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा में रोड के किनारे या फिर सार्वजनिक स्थानों पर इधर-उधर कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ प्राधिकरण की कार्रवाई जारी है। प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने ज्यू-3 की रोड के किनारे पड़े कूड़े में से फेंकने वाले का सबूत निकालकर उस पर 1.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक आरके भारती ने बताया कि स्वास्थ्य निरीक्षक नीरज सिंह अपनी टीम के साथ ज्यू-3 में सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। इस बीच ज्यू-3 की रोड के किनारे कूड़े का ढेर दिखा। टीम ने कूड़े में से पर्ची निकाला, जिसमें सेक्टर ईकोटेक-1 एक्सटेंशन स्थित डीएफएम फूड्स के नाम की पर्ची निकली। इसका फोटो और वीडियो भी बनाया गया। इसके बाद टीम ने मौके पर जाकर जानकारी जुटाई, जिससे स्पष्ट पता चल गया कि इसी कंपनी के द्वारा वहां कूड़ा फेंका जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम की तरफ से डीएफएम कंपनी पर 1.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दोबारा कूड़ा फेंकने पर और कड़ी कार्रवाई के चेतावनी दी गई है। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने स्पष्ट कहा है कि ग्रेटर नोएडा में गंदगी फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। ऐसे लोगों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने ग्रेटर नोएडावासियों से शहर को स्वच्छ बनाने में प्राधिकरण का सहयोग करने की अपील की है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ब्लॉक–पी–2, सैक्टर–ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा, पिन कोड–201308, जिला– गौतमबुद्धनगर उ0प्र0 दूरभाष नं0–0120

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एल०एफ०डी० परियोजना के अन्तर्गत आवंटित भवन/भूखण्ड सं0–L-169 IN KENSINGTON PARK PHASE-1 AT JAYPEE GREEN WISH TOWN, SECTOR-133, AREA-128 SQM. जोकि MR. SANJAY BEHAL के नाम पर सबलीज डीड है। सबलेसी LATE. MR. SANJAY BEHAL की मृत्यु उपरान्त उनके भवन को उनकी पत्नी MRS. SEEMA BEHAL W/O LATE. MR. SANJAY BEHAL द्वारा अपने नाम किये जाने हेतु प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है।

अतः इस नामांतरण (Death Mutation) के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति है तो प्रकाशन कि तिथि से 35 दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में LATE. MR. SANJAY BEHAL के भवन को उनकी पत्नी MRS. SEEMA BEHAL W/O LATE. MR. SANJAY BEHAL R/O H.NO-17, ROAD NO-13, EAST PUNJABI BAGH, WEST DELHI-110026. के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (सम्पत्ति)

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या–1 सैक्टर के०पी०–4, ग्रेटर नोएडा
सिटी जिला–गौतमबुद्ध नगर।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवासीय भूखण्ड योजना के अन्तर्गत भूखण्ड, संख्या, C-560, क्षेत्रफत्र 168.90 वर्गमीटर, सैक्टर– PHI-01, अलॉटमेन्ट नं R0139352 ग्रेटर नोएड SH. MOHIT NIGAM S/O SH. SUNIL KUMAR NIGAM के पक्ष में पंजीकृत है। आवंटी LATE SH. MOHIT NIGAM की मृत्यु दिनांक 16.04.2024 को हो जाने के उपरान्त वारिसान के आधार पर उक्त भवन को उनकी पत्नी SMT. SWATI NIGAM & LAVANYA NIGAM- MINOR AGE 12YRS, & NAKUL NIGAM MINOR AGE 5YRS, & NAYAN NIGAM MINOR AGE 16YRS ने उपरोक्त भूखण्ड वारिसान के आधार पर अपने पक्ष में म्यूटेशन/नामान्तरण करने हेतु प्राधिकरण कार्यायल में आवेदन किया गया है। इस म्यूटेशन/नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में SH. MOHIT NIGAM S/O SH. SUNIL KUMAR NIGAM के स्थान पर उनकी पत्नी SMT. SWATI NIGAM & LAVANYA NIGAM MINOR AGE 12YRS, & NAKUL NIGAM MINOR AGE 5YRS, & NAYAN NIGAM MINOR AGE 16YRS के नाम पूर्ण रूप से दर्ज कर दिया जायेगा।

डिप्टी कलेक्टर (सम्पत्ति)
ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण।

द्वारा – प्रधानध्यापक/इन्चार्ज प्रधानध्यापक निम्नंकित प्रा०वि०/उ०प्र०वि०/कम्पोजिट विद्यालय विकास खण्ड–दनकौर, जनपद गौतमबुद्धनगर

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पत्रांकः जीर्ण शीर्ण /जर्जर /नीलामी /4301/2025–26 दिनांक 02 अगस्त 2025 के अनुपालन में उत्तर प्रदेश शिक्षा परिषद नियंत्रणाधीन परिषदीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालयों के निम्नांकित जर्जर भवनों की नीलामी समिति द्वारा निम्नविवरणानुसार की जानी है–

क्र0 स0	विद्यालय का नाम	जर्जर भवन के विद्यालय का नाम तथा नीलामी स्थान	जर्जर भवन की न्यूनतम बोली की धनराशि	धरोहर की धनराशि	नीलामी हेत प्रथम तिथि	प्रथम तिथि को नीलामी न होने की दशा में नीलामी हेतु दवितीय तिथि	दवितीय तिथि को नीलामी न होने की दशा में नीलामी हेतु तृतीय तिथि	समय
1	कम्पोजिट विद्यालय चचूला	कम्पोजिट विद्यालय चचूला	1,81,760	1,8,176	11–08–2025	13–08–2025	18–08–2025	09 बजे
1	प्राथमिक विद्यालय कनरसा	प्राथमिक विद्यालय कनरसा	1,61,155	16,115	11–08–2025	13–08–2025	18–08–2025	09 बजे

नीमाली हेतु नियम व शर्तें

1 नीलामी में कोई भी व्यक्ति /फर्म नीलामी के दिनांक को कॉमल नंबर 5 से अंकित धनराशि नगद जमा कर नीलामी में प्रतिभाग कर सकता है
2 कोई भी व्यक्ति/फर्म एक या अधिक या समस्त जर्जर विद्यालयों की नीलामी में प्रतिभाग कर सकता है
3 अधिकतम बोली दाता की उसी समय अथवा अगले कार्य दिवस में बोली की समस्त धनराशि विद्यालय के प्रबंध समिति खाते में जमा करनी हागी धनराशि जमा करने की पुष्टि के बाद ध्वस्तीकरण का आदेश दिया जाएगा।
4 निर्धारित समय में बोली की धनराशिा जमा न करने पर घरोहर धनराशि जब्त कर जी जाएगी तथा नीलामी की जाएगी।
5 नीलामी से पूर्व बोली दाता जर्जर विद्यालय भवन को सिकी को किसी भी कार्य दिवस में भौतिक रूप से देख सकता है।
6 ध्वस्तीकरण आदेश जारी होने के साथ दिवस के अंदर जर्जर भवन को ध्वस्त कर अवशेष मलबे को हटाना होगा तथा जर्जर भवन के वाली भूमि को समतल करके देना होगा।
7 असफल बोली दाता की धरोहर राशि नीलामी उपरांत वापस कर दी जाएगी।
8 प्रथम तिथि मव नीलामी न होने की स्थिति में द्वितीय तिथि में नीलामी की जायेगी।
9 द्वितीय तिथि में नीलामी न होने की स्थिति में तृतीय तिथि में नीलामी की जायेगी।
10 किसी विवाद की स्थिति में समिति का अंतिम निर्णय ही मान्य होगा।
11 किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद गौतम बुद्ध नगर होगा।

प्रधानध्यापक/इन्चार्ज प्राधानध्यापक
उपरोक्त प्र0वि0/उ0प्रा0वि0/कम्पोजिट विद्यालय, विकास खण्ड दनकौर, जनपद गौतमबुद्धनगर

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 8 अगस्त 2025
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

राहुल गांधी ने बम फोड़ दिया

1 अगस्त को राहुल गांधी ने चेतावनी दे दी थी कि उनके पास चुनाव में वोट चोरी के पक्के सबूत हैं। जब वे इन्हें सार्वजनिक करेंगे तो एटम बम फूटेगा। सात अगस्त की दोपहर जब राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस की, तो वाकई बड़ा धमाका हो गया। इस प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के ही आंकड़ों के जरिए साबित कर दिया कि कर्नाटक की एक विधानसभा सीट में किस तरह 1 लाख से ज्यादा फर्जी वोट पड़े हैं। राहुल गांधी का दावा है कि जिस तरह केवल इस एक सीट पर धांधली की गई है, वह असल में एक आसान तरीका है, जो पूरे देश में कहीं भी आजमाया जा सकता है, बल्कि आजमाया जा चुका है।

राहुल गांधी ने इस प्रेस कांफ्रेंस को 'वोट चोरी' का शीर्षक दिया। जिसमें मीडिया के सामने उन्होंने दिखाया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में उसे एकतरफा वोट मिला। श्री गांधी ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के पूरे आंकड़े पत्रकारों के सामने पेश किए। 7 फीट से ऊंचे मतदाता सूची के इस पुलिंदे की पूरी पड़ताल में कांग्रेस की एक टीम को कुल छह महीने का समय लगा है। अगर कागज की जगह ये सूची चुनाव आयोग की तरफ से डिजीटली और वह भी मशीन के पढ़ने योग्य फार्म में उपलब्ध कराई जाती, तो शायद यह पड़ताल आसान होती। मगर राहुल गांधी का दावा है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को 'मशीन के पढ़ने योग्य' (मशीन रीडेबल) डेटा उपलब्ध नहीं करा रहा है ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके। फिर भी कांग्रेस ने अभी एक ही संदिग्ध नतीजे वाली सीट का विश्लेषण किया तो हतप्रभ करने वाले आंकड़े सामने आए हैं। भाजपा द्वारा जीती गई इस सीट पर 1,00,250 मतों की चोरी की गई, ऐसा कांग्रेस का दावा है।

इन एक लाख दो सौ पचास मतों के विश्लेषण में सामने आया कि 11,965 डुप्लीकेट वोटर बनाए गए, 40,009 फर्जी पतों का इस्तेमाल हुआ, 10,452 वोटर बड़ी संख्या में एक ही पते पर रजिस्टर किए गए, 4,132 वोटर बिना फोटो या अवैध फोटो के साथ जोड़े गए, 33,692 नए वोटर फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए। एक ही पते पर कहीं 40 कहीं 50 लोगों के वोटर आईडी बने हैं। एक ही नाम से कई मतदाता पहचान पत्र बने हैं, जिनमें कहीं कर्नाटक, कहीं महाराष्ट्र, कहीं उत्तरप्रदेश का पता दर्ज है। कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग-अलग थे। कई कार्ड्स में मकानों के पते पर शून्य लिखा है। कई में पिता के नाम पर अंग्रेजी के अक्षर अजीबोगरीब क्रम में लिख दिए गए हैं। फार्म 6, जिसके उपयोग से नए मतदाताओं के कार्ड बनते हैं और फिर उनका नाम वोटर लिस्ट में आता है, इस फार्म 6 के तहत 70, 80 साल के मतदाताओं के कार्ड भी बने हैं, जबकि कायदे से इसमें 18 साल वाले वोटर होने चाहिए। इस तरह के फर्जीवाड़े से महज एक सीट पर लाख से अधिक वोट बढ़ाए गए और मजे की बात ये है कि यहां भाजपा की जीत हुई है।

अकाट्य तथ्यों और सबूतों के साथ राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की धांधली का उदाहरण देश के सामने पेश कर दिया। फिर अपनी बात दोहराई कि जो खेल इस एक सीट पर हुआ है, उसी तरह की आशंकाएं महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में भी बनी हैं। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को जीत की उम्मीद थी, एक्जिट पोल भी यही दर्शा रहे थे। सत्ता पर बैठे हर राजनैतिक दल के खिलाफ एंटी इनकमबेंसी सामान्य बात है, लेकिन भाजपा इससे हमेशा कैसे बच निकल रही है, इसका पूरा खुलासा राहुल गांधी ने किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में धांधली की बात हम पहले भी कहते थे, लेकिन पूरे तथ्य नहीं थे, इसलिए झिझकते थे। मगर अब राहुल गांधी ने यह कहने में कोई संकोच नहीं किया कि विपक्ष कभी न कभी सत्ता में आएगा और तब हर छोटे-बड़े जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी।

कायदे से इस समय तीनों चुनाव आयुक्तों को अपना इस्तीफा देकर इस धांधली की स्वतंत्र जांच का रास्ता तैयार करना चाहिए। क्योंकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के उसके दावे पर ये एक लाख 250 फर्जी वोट सवाल उठा रहे हैं। मगर हमेशा की तरह राहुल गांधी को ही कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा ने तो चुनाव आयोग की तरफ से जवाब देना शुरु कर ही दिया है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर अपात्र मतदाताओं के जुड़े और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर शपथ पत्र मांगा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को शुक्रवार 1 से 3 बजे तक मिलने का समय भी दिया है। जब इस बारे में राहुल गांधी से सवाल हुए तो उन्होंने दो टूक कह दिया कि 'मैं एक राजनेता हूं। मैं लोगों से जो कहता हूं वह मेरा वचन है। मैं इसे सार्वजनिक रूप से सभी से कह रहा हूं। इसे शपथ के रूप में लें। यह उनका डेटा है, और हम उनका डेटा दिखा कर रहे हैं। यह हमारा डेटा नहीं है। यह चुनाव आयोग का डेटा है।

राहुल गांधी के इस बड़े खुलासे के बाद अब चुनाव आयोग के पाले में गेंद चली गई है कि वह या तो इन सबूतों को गलत साबित करे या फिर गलती की जिम्मेदारी स्वीकार करे। अगर चुनाव आयोग ऐसा नहीं करता है, तो फिर राहुल गांधी का यह आरोप भी पुख्ता होगा कि नरेन्द्र मोदी जिन 25 सीटों के कारण प्रधानमंत्री बने हैं, वे भी संदिग्ध हैं। लोकसभा के साथ-साथ महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली सारे चुनावों पर अब प्रश्नवाचक निशान लग चुका है। कांग्रेस के अलावा अन्य दल भी अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता के सबूत मांग रहे हैं।

भाजपा इस लड़ाई को निजी बनाकर राहुल गांधी पर हमला बोल रही है, लेकिन भाजपा को भी यह याद रखना होगा कि इस लोकतंत्र के कारण ही उसे सत्ता मिली है। अगर लोकतंत्र नहीं बचेगा तो क्या भारत बच पाएगा, यह गंभीर सवाल देश के सामने है। इसलिए राहुल गांधी को कटघरे में खड़ा करने की जगह जो मुद्दे उन्होंने उठाए है, उस पर पूरे देश में विचार हो, माननीय सुप्रीम कोर्ट इस पर स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई करे, तभी चुनाव की चोरी रोकी जा सकेगी।

दुनिया का दादा क्यों फोड़ रहा है टैरिफ के सुतली बम ?

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

> ट्रम्प की ख़ब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज़्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी ज़ाहिर कर चुके हैं। फिर उनका ग्रीनलैंड ख़रीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था।

अपनी सनक में लिए गए फैसलों से हाहाकार मचा देने के आदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लाद दिया है। पहले 25 प्रतिशत की घोषणा के बाद अब 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ बतौर पैनल्टी इसलिए लगा दिया क्योंकि भारत ने रूस से तेल ख़रीदना (कुल 80 प्रतिशत आयात का 36 प्रतिशत) जारी रखा है; और रखेगा। इसके संकेत भी दे दिए। इसके उलट भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तो यहां तक कह दिया कि अमेरिका भी तो रूस से यूरेनियम और खाद ख़रीदता है। यही सवाल जब अमेरिकी राष्ट्रपति से एक संवाददाता ने पूछा तो वे इसे सीधे ही टाल गए। 50 प्रतिशत टैरिफ पर विचार के लिए दुनिया के दादा ने भारत को तीन हफ़्तों का समय दिया है क्योंकि तब उनका एक दल ट्रेड डील पर बात करने के लिए भारत में होगा।

यह तो पता नहीं कि बातचीत क्या रुख लेगी, लेकिन अब भारत अमेरिका से पैनल्टी खाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। ऐसा तो ट्रम्प ने युद्ध सुलगाने वाले देशों के साथ भी नहीं किया। रूस और इजराइल के आगे अमेरिका की चाल ज़रा नहीं बदलती। विस्तारवादी चीन के आगे भी आंकड़ा 30 फ़ीसदी तक पहुंचा है। भारत के साथ केवल ब्राज़ील खड़ा है जिस पर भी 50 प्रतिशत वाला बम फोड़ा गया है। वहां के राष्ट्रपति लुला डी सिल्वा ने साफ़ कह दिया है कि ब्राज़ील व्यापार के नए अवसर तलाशेगा और अपने देश के उद्योगों को राहत देगा। उधर भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अभी रूस में हैं और जल्द ही विदेश मंत्री जयशंकर भी जाने वाले हैं। चीन के साथ भी भारत अपनी पॉलिसी शिफ्ट करता हुआ नज़र आ रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस माह के आख़िर में चीन जाएंगे। उनकी यह यात्रा पूरे सात साल बाद हो रही है। ऐसा क्यों हुआ कि 'अब की बार ट्रम्प सरकार' से मज़बूत हुई यह दोस्ती उस कग़ार पर पहुंच गई जहां द्विपक्षीय व्यापार इस क़दर टूटने लगा ?

जवाब अंग्रेज़ी में लिखने वाले एक पद्मश्री पत्रकार के लेख में खोजा जा सकता है। अमूमन वे इस सरकार के विचार से अलग होकर कम ही लिखते हैं लेकिन इस बार उन्होंने लिखा है। लेख में सवाल है कि अमेरिका के साथ ऐसी नौबत क्यों आई ? लेख के मुताबिक लगभग एक दशक से ऐसा लगता रहा था कि भारत अमेरिका का मज़बूत सहयोगी है। वाशिंगटन से मुक़ाबला करने में पाकिस्तान और बांग्लादेश हमसे बेहतर रहे जबकि हमारे यहां मोदी इकोसिस्टम तो आतंरिक सियासी संघर्ष का शिकार हो गया। सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका को यूं नहीं नकारना चाहिए था। संसद की बहस में यह ध्वनि और स्पष्ट हुई कि सरकार यह नहीं स्वीकारना चाह रही है कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कोई भूमिका रही। क्या हो जाता जो सरकार कह देती कि 'धन्यवाद ट्रम्प जी, पाकिस्तान को सद्बुद्धि देने और उसे खुद को विनाश से बचाने के लिए!'

पत्रकार का सवाल वाजिब है। आख़िर कूटनीति इसे ही तो कहा जाता है और यहां इस बार हम चूके हैं। युद्ध का रुकना कब ग़लत हुआ है। वे लिखते हैं- 'शुरुआत में भारत नरेन्द्र मोदी की नई सरकार के साथ लगातार अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा था, जो अपने चरम पर उस वक्त दिखा, जब भारत मंडपम में मोदी से हाथ मिलाने और गले लगने के लिए जी-20 देशों के शासनाध्यक्ष कतार में खड़े नजर आए। भारत दुनिया को और खास तौर से पश्चिम को उपदेश पिला रहा था। यह सब मिलकर सत्तातंत्र के विरोधाभास के दो ध्रुवों का पहला ध्रुव बनाता है। दूसरा ध्रुव तब उभरता है जब जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका, कनाडा और दबे रूप से ब्रिटेन के साथ रिश्तों में खटास उभरती है। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू मसले की छाया उभरी, लेकिन ट्रूडो के कनाडा को छोड़ किसी ने कोई हंगामा नहीं खड़ा किया। पहला झटका लगा, जब तत्कालीन अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने घोषणा की कि बाइडेन को नई दिल्ली में जनवरी में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है और गणतंत्र दिवस की परेड में मुख्य अतिथि बनने का भी न्यौता दिया गया है। उन्होंने इसे रद्द कर दिया, तो फ्रांस के राष्ट्रपति ने हमें शर्मिंदगी से बचा लिया। इस समय तक हमारा विरोधाभास उभर आया था और उसमें वृद्धि हो रही थी। एक दशक तक यही धारणा बनी रही कि पश्चिमी खेमा भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी मानता है। चीन के साथ उत्तर-पश्चिमी और पूर्वी सेक्टरों में तनाव के दौरान अमेरिकी मदद की खामोश स्वीकृति भी उभरी। हम खुद को पश्चिम का अपरिहार्य व अनिवार्यत: स्वाभाविक सहयोगी मानकर खुश होते रहे लेकिन फिर उसके प्रति इंदिरा युग वाली चिढ़ उभरने लगी थी। लेख का अंत दिलचस्प है जो कहता है- ऐसा क्यों नहीं हुआ ? क्योंकि राहुल गांधी ने संघर्षविराम होने के चंद घंटे के भीतर ही पहला वार कर दिया था कि सरकार ने मध्यस्थता स्वीकार की। राहुल गांधी सरकार को अपना एजेंडा बदलने के लिए अक्सर उकसाते रहते हैं। यह सब पीड़ित होने के गहरे भाव में और इज़ाफा ही करता है।

तब क्या वाकई सरकार विपक्ष की भूल-भुलैया में फंस जाती है। जातिगत जनगणना में भी यही हुआ। इस गणना को सर्वथा नकारने वाली सरकार ने फिर इसे कराने की ठान ली। कुछ महीने पहले बिहार में राहुल गांधी की ज़िद और ललकार ने भी सरकार को प्रेरित किया। बिहार में उन्होंने कहा था- 'पहला कदम यह पता लगाना है कि सच्ची स्थिति क्या है। जाति जनगणना को हम छोड़ने वाले नहीं हैं।'

इससे पहले भी राहुल गांधी संसद में ख़म ठोक चुके थे कि, 'अर्जुन की ही तरह उन्हें भी केवल मछली की आंख दिख रही है और वे जातीय जनगणना करा कर रहेंगे।' वे द्रोणाचार्य द्वारा गुरु दक्षिणा में एकलव्य का अंगूठा लिए जाने का उदाहरण देकर कह रहे थे कि आपने किस-किस का अंगूठा काटा है, हम यह जानकर ही दम लेंगे।

भारत-अमेरिका के बीच इस तनाव की वजह जानने का एक सवाल जब एआई चैटजीपीटी से पूछा जाता है तो जवाब आता है- साल 2023 में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ़ जस्टिस ने एक भारतीय नागरिक को पन्नू की हत्या की कोशिश का आरोपी ठहराया था और ऐसा ही एक मामला कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भी जुड़ा देखा गया। इन घटनाओं ने विदेशी धरती पर भारतीय ख़ुफ़िया विभाग को संदेह की निगाह से देखने पर मजबूर किया। समय-समय पर अमेरिकी सरकार और मानव अधिकार संगठनों ने भी भारत में प्रेस की आज़ादी और धार्मिक स्वतंत्रता के मसलों को गंभीर माना। भारत की ओर से असहमत आवाज़ों और गैर सरकारी संगठनों पर सख्ती भी एक वजह रही। अमेरिका में विदेश नीति के केंद्र में लोकतंत्र और मानव अधिकार का नैरेटिव काम करता है, लिहाज़ा तनाव भी बढ़ा। यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में रूस से तेल ख़रीदना भी एक वजह है। बहरहाल इन तमाम कारणों से अलग राष्ट्रपति ट्रम्प जो टैरिफ का खेल चला रहे हैं, उसे खुद अमेरिकी कानून ही शक्ति का दुरुपयोग बता रहा है। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला देने वाले ट्रम्प का असल विरोध भी शायद उन्हीं के देश से होगा क्योंकि लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आज़ादी को वहां बुनियादी हक़ माना गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता (2008) और अर्थशास्त्र के जानकार पॉल क्रुगमैन ने भी कह दिया है कि व्यापार को लेकर ट्रंप जो भी कर रहे हैं वह गै़रक़ानूनी है और आंकड़े बता रहे हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब धीमी हो चली है।

वैसे ट्रम्प की ख़ब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज़्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी ज़ाहिर कर चुके हैं। फिर उनका ग्रीनलैंड ख़रीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था। ट्रम्प की यही क़ारोबारी मानसिकता पूरी दुनिया में खलबली मचा रही है जिसका कोई आधार नज़र नहीं आता। अलबत्ता एक पासा है जो जब-तब उछाल दिया जाता है। सोचिए, जो शायर अकबर इलाहाबादी इस दौर में होते तो अपनी ग़ज़ल के इस शेर में क्या कुछ बदलाव करते। काश कि कवियों जैसा थोड़ा सब्र भी इन हुक्मरानों में आया होता-

दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं,
बाज़ार से गुज़रा हूं ख़रीददार नहीं हूं।।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर शुल्क 50 फीसदी तक बढ़ाया : क्या होगा इस आदेश का असर

■ **अरुण कुमार डनायक**

6 अगस्त 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद के चलते अतिरिक्त 25 फीसदी आयात शुल्क लगाने का आदेश जारी किया, जिससे कुल अमेरिकी शुल्क अब 50 फीसदी हो गया।

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक हितों की रक्षा हेतु जारी इस कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि यदि रूस या कोई अन्य प्रभावित देश अमेरिका के साथ समन्वय स्थापित कर आपात स्थिति के समाधान की दिशा में कदम उठाता है, तो राष्ट्रपति को आदेश संशोधित करने का अधिकार भी है, जिससे यह नीति लचीली बनती है।

इस आदेश के लागू होने की समय-सीमा 21 दिन तय की गई है, अर्थात भारत और रूस को इस अवधि के भीतर अमेरिका से बातचीत कर शुल्कों में किसी संभावित बदलाव की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिलेगा।

> अब देखने की बात यह है कि भारत सरकार इस चुनौती का सामना किस तरह करती है—क्या वह कूटनीतिक संवाद और विवेकपूर्ण व्यापारिक रणनीतियों के माध्यम से इसे अवसर में बदल पाएगी, या फिर अमेरिकी प्रतिबंधों के आर्थिक दबाव को मौन रूप से सहने के लिए मजबूर होगी। यही निर्णय भारत की आगामी वैश्विक भूमिका को परिभाषित करेगा।

इस आदेश से स्पष्ट है कि अमेरिका उन देशों पर दबाव बनाना चाहता है जो यूक्रेन युद्ध के बाद भी रूसी ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं।

ट्रंप के इस कदम से भारत की आर्थिक योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। जहां एक ओर भारत ने ऊर्जा जरूरतों एवं परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात हेतु रूस से तेल खरीद जारी रखी है, वहीं अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव बढ़ने का खतरा है। यह स्थिति भारत के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है, खासकर जब कई अमेरिकी कंपनियां उसे चीन के विकल्प के रूप में देख रही थीं। इसका प्रतिकूल प्रभाव प्रवासी भारतीयों पर भी होगा— आयातित भारतीय वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि उनके उपभोग व्यय को बढ़ाएगी, जिससे न केवल उनकी बचत क्षमता पर असर पड़ेगा, बल्कि भारत को भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा में भी गिरावट आने की संभावना है।

चीन भी रूस से तेल खरीदता है, फिर भी उसे अतिरिक्त अमेरिकी शुल्कों का सामना नहीं करना पड़ा, संभवत: इसलिए कि अमेरिका-चीन के बीच व्यापार वार्ताएं जारी हैं। फिलहाल अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर शुल्क लगाए हैं, जिसके जवाब में चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर प्रतिशोधात्मक कर लगाया है।

भारत पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है और वैश्विक व्यापार, ऊर्जा-नीति और भू-राजनीतिक समन्वय को जटिल बना दिया है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ट्रंप के फैसले का समर्थन करते हुए उन्हें 'साहसी' और 'तार्किक' बताया, साथ ही यूरोप से भी वैसा ही रुख अपनाने की अपील की। हालांकि ऐसा कहा जा सकता है कि जॉनसन ने इस बहाने वर्तमान ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर पर कटाक्ष किया है। लेकिन यदि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ, विपक्ष व स्वदेशी के दबाव में अमेरिका की राह पर चलते हैं, तो भारत के लिए स्थिति और जटिल हो सकती है।

रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिका के दबाव के बीच चीन ने पहली बार भारत का समर्थन करते हुए कहा कि उसकी विदेश नीति स्वतंत्र है। यह चीन की ओर से भारत को मिला एक दुर्लभ सार्वजनिक समर्थन है, विशेषकर ऐसे समय में जब अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापारिक टकराव की राह पर है। जो दोनों देशों के बीच संभावित रणनीतिक समीकरण का संकेत देता है।

इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी की इस महीने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन हेतु प्रस्तावित चीन यात्रा, जो गलवान झड़प के बाद पहली होगी, अमेरिका को यह सूक्ष्म संदेश भी देती है कि भारत के पास वैकल्पिक कूटनीतिक रास्ते मौजूद हैं। इस तरह चीन द्वारा भारत को दिया गया यह समर्थन केवल एक कूटनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन में संभावित बदलाव की ओर संकेत करता है।

अब भारत को आत्मनिर्भरता और वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अपने प्रयास तेज करने होंगे। अमेरिका के टैरिफ युद्ध ने कई देशों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार के लिए मजबूर किया है। फ्रांस, जर्मनी और कनाडा जैसे देश आर्थिक सुधार और सुरक्षा सुदृढ़ीकरण की दिशा में सक्रिय हैं। अमेरिका के आक्रामक कदमों ने अन्य देशों को सुधार का अवसर देकर सकारात्मक बदलाव की राह खोली है।

भारत ने इस बार कड़ी प्रतिक्रिया दी। भारत के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया, 'अमेरिका स्वयं अपनी परमाणु ऊर्जा उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए पैलेडियम, और उर्वरकों व रसायनों का रूस से आयात करता है। ऐसे में केवल भारत को निशाना बनाना अन्यायपूर्ण और तर्कहीन है।' भारत, जो अब तक अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रणनीतिक संबंधों को प्राथमिकता देता रहा है, अब शायद यह दर्शाने की कोशिश कर रहा है कि यदि उस पर अत्यधिक दबाव डाला गया, तो वह अपनी विदेश नीति में विविधता लाने से नहीं हिचकिचाएगा।

भारत के लिए यह क्षण केवल प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि दूरदर्शी आत्ममंथन और रणनीतिक सशक्तिकरण का है। जब अन्य देश टैरिफ युद्ध के दबाव में भी अवसर तलाशते हुए आगे बढ़ सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं ? यह समय है जब भारत को अपने आंतरिक व्यापार को सरल और पारदर्शी बनाना, विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊर्जा देना, वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी पकड़ मजबूत करना, और तकनीकी व नवाचार क्षमताओं को उभारते हुए वैश्विक नेतृत्व की दिशा में ठोस कदम बढ़ाना चाहिए।

यदि भारत इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से एक सकारात्मक, परिवर्तनकारी रास्ता निकाल पाता है, तो यही तथाकथित 'अनपेक्षित प्रभाव' उसकी सबसे बड़ी रणनीतिक जीत सिद्ध हो सकता है।

निस्संदेह, हर संकट अपने साथ एक छिपा हुआ अवसर लेकर आता है। टैरिफ युद्ध के इस दौर में भारत को आत्मनिर्भर, सजग और रणनीतिक दृष्टि से परिपक्व बनकर न केवल वर्तमान दबावों का सामना करना है, बल्कि स्वयं को भविष्य की वैश्विक व्यवस्था में एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित भी करना है।

अब देखने की बात यह है कि भारत सरकार इस चुनौती का सामना किस तरह करती है—क्या वह कूटनीतिक संवाद और विवेकपूर्ण व्यापारिक रणनीतियों के माध्यम से इसे अवसर में बदल पाएगी, या फिर अमेरिकी प्रतिबंधों के आर्थिक दबाव को मौन रूप से सहने के लिए मजबूर होगी। यही निर्णय भारत की आगामी वैश्विक भूमिका को परिभाषित करेगा।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता तथा समाजसेवी हैं)

आपके पत्र

प्रलोभन का परिणाम : जब प्रकृति निगलने लगती है

आज भारत के पहाड़ों से लेकर मैदानों तक, हर जगह मनुष्य का प्रलोभन ही विनाश का बीज बन चुका है। हाल की घटनाएं — उत्तरकाशी, जोशीमठ, केदारनाथ, किन्नौर या हिमाचल की तबाही— सभी हमें याद दिलाती हैं कि जब मनुष्य अपने हित में प्रकृति की रेखाएं मिटा देता है, तो नदी, पहाड़, बादल और धरती एक दिन सब कुछ वापस ले लेते हैं।

मेरे घर के पास एक छोटा सा रेस्तरां है। उसके नल से दिन-रात पानी टपकता रहता है। मैंने कई बार कहा, लेकिन उन्हें फर्क नहीं पड़ा। एक ढीला वॉशर बदलने से समस्या हल हो सकती है, लेकिन सौ-पचास रुपये की मरम्मत उनके लिए बेमतलब है। पानी बहता है, तो बहता रहे। क्या यह एक रेस्तरां तक सीमित लापरवाही है ? बिल्कुल नहीं। यह प्रतीक है उस मानसिकता का जो कहती है —जो हो रहा है, होने दो। हमें क्या फर्क पड़ता है ? इस सोच के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी व्यर्थ जाता है, गाड़ियों से निकलती धुआं-संस्कृति जारी रहती है, कचरे में दम तोड़ती गायें खड़ी रहती हैं, और हिमालय की छाती पर रिसॉर्ट्स उगते रहते हैं।

भारत का हिमालय क्षेत्र न सिर्फ़ भौगोलिक, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी हमारी धरोहर है परंतु अब वह पर्यटन का बाजार बन चुका है। पहाड़ों की आत्मा शांति थी, अब वह शोर में डूब चुकी है। दो दिन की छुट्टी मिलते ही लाखों लोग सेल्फी, शराब और शोरगुल की भूख लिए हिमालय पर टूट पड़ते हैं। वे वहां शांति खोजने नहीं जाते, बल्कि वहां भी उसी बाजार को बसाना चाहते हैं जिससे भागने का दावा करते हैं। रिसॉर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, पार्किंग, रोड—हर जगह अतिक्रमण है। पहाड़ की सीमित सहनशक्ति की कोई चिंता नहीं। जिस ज़मीन को सदियों से पेड़ों ने थामा हुआ था, वहां अब कांक्रीट की मोटी परतें बिछ गई हैं। जब बरसात आती है, तो वह ज़मीन अपने भीतर पानी को नहीं समेट पाती— परिणामस्वरूप, वही जल वेग बनकर जान लेता है।

बादल फटते हैं, बाढ़ आती है, और हम सोशल मीडिया पर दुख प्रकट करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हम पूछते हैं कि उस बाढ़ ने रास्ता क्यों बदला ? क्या वह प्राकृतिक था या उसे रोका गया था ? नदियां सदियों से बहती आई हैं, उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाया है। लेकिन जब हम घाटी में मकान बना लेते हैं, नदी के किनारे होटल ठोक देते हैं, तो वह नदी अपने रास्ते को रिक्लेम करेगी ही। उत्तरकाशी की हालिया त्रासदी में पूरा गांव बह गया। लेकिन वह गांव पहाड़ों की गोद में नहीं था— वह नदी के पाट में बना था। यह कोई आस्था नहीं थी, यह लालच था और लालच कभी भी सुरक्षित नहीं रहता। कठोर शब्द हैं, लेकिन सच यही है कि हम एक मूर्ख और संवेदनहीन समाज में तब्दील हो चुके हैं। हम आपदाओं को रोकने के बजाय उनका इंतज़ार करते हैं ताकि मीडिया को दृश्य मिलें और सरकारें मुआवज़े का तमाशा कर सकें। हमने पर्यावरण को सिर्फ़ एक 'डॉक्युमेंट' बना दिया है। नीति आयोग से लेकर नगर पंचायत तक, हर स्तर पर विकास का मतलब अतिक्रमण हो गया है। क्या यह दुखद नहीं कि पहाड़ों पर हो रही तबाही के बीच भी लोग 'डील' खोज रहे हैं — 'इस सीजन होटल सस्ते मिल जाएंगे' ? क्या हमने चेतना खो दी है ?

-डॉ. प्रियंका सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

संसाधनों का राष्ट्रीयकरण!

'पंडित नेहरू साम्यवादी नहीं थे। वे साम्यवाद के अच्छे पहलुओं को स्वीकार करने के लिए तैयार रहते थे, लेकिन साम्यवाद के तौर-तरीकों से उन्हें कुछ बुनियादी आपत्तियां थीं और देश के भीतर साम्यवादी दल की रीति-नीति को लेकर उन्हें बहुत से संदेह भी थे। वे एक खुले विचारों वाले व्यक्ति थे और देश के नव-निर्माण में सबसे यथायोग्य योगदान की अपेक्षा करते थे। जब देशी उद्योगपतियों ने उन्हें बॉम्बे प्लान दिया तो उसको उन्होंने बिना देखे खारिज नहीं किया। किन्तु उनकी दृढ़ मान्यता थी कि स्वतंत्र भारत में सार्वजनिक क्षेत्र प्रमुख भूमिका निभाएगा। आर्थिक गतिविधि का कोई भी आयाम हो, वे मानते थे कि उसकी कमान केन्द्र सरकार के पास होना चाहिए।'

(देशबन्धु में 08 नवम्बर को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/11/blog-post.html

रक्षाबंधन 9 अगस्त पर

क्षमा करने और स्नेह बांटने का पर्व

श्रावण मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनाया जाने वाला पर्व यही वह सूत्र है जिसके द्वारा बहन, भाई के दीर्घायु की कामना करती है। इस पर्व की महत्ता इस लोक में ही नहीं देवलोक में भी होने का प्रमाण हमारे धर्म शास्त्रों में मिलता है। देवराज इंद्र से लेकर राजा बलि तक अनेक पौराणिक कथाएं राखी के सूत्र से भरी पड़ी हैं। इतना ही नहीं मुगलकालीन शासकों ने भी रक्षाबंधन के पर्व को सम्मान प्रदान करते हुए उसे अपनी कलाइयों में धारण किया। रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का एक ऐसा त्यौहार है जो यह बताता है कि रिश्तों की बुनियाद खून से ज्यादा भावनाओं और विश्वास पर टिकी होती है। यह पर्व जहां भाई- बहन के रिश्ते को मजबूती देता है, वहीं समाज में सुरक्षा, कर्तव्य और सामंजस्य की भावना को भी प्रगाढ़ करता है।

रक्षाबंधन का पर्व वास्तव में देखा जाए तो एक पवित्र अनुष्ठान है, जो प्रत्येक भाई-बहन को कर्तव्यों का स्मरण कराता है। सार्वभौमिक भाईचारे का यह पर्व असीमित दृष्टिकोण एवं शांति की स्थापना करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो जाति, पंथ, आयु, लिंग, धर्म, सामाजिक- आर्थिक स्थिति, रंग और व्यक्तित्व के लक्षणों की सभी बाधाओं को तोड़ता है। रक्षा के पवित्र धागे 'राखी' से बंधे होते हैं। इसमें शांति, प्रेम, पवित्रता, ज्ञान, दया के मूल स्वभाव का संकल्प समाया होता है। रक्षाबंधन पर्व के दिन भाई-बहन एक-दूसरे से दूर रहने की स्थिति में साथ बिताए पलों को याद कर भावुकता एवं बचपन की हंसी-ठिठोली, लड़ाई- झगड़े, प्यार-स्नेह और हर तरह की उछल कूद वाली मस्ती भरी तस्वीरों में रंग भरने लगते हैं। यही इस पर्व का उल्लास कहा जा सकता है।

राखी महज एक धागा या सूत्र नहीं है, बल्कि यह एक बहन की भावनाओं, उसकी प्रार्थनाओं और भाई के प्रति अटूट विश्वास का प्रतीक है। यही वह स्नेह बंधन है जो भाई-बहन के बीच रिश्तों की मजबूती और स्थायित्व को प्रकट करता है। एक ओर जहां बहन रक्षा का सूत्र बांधकर अपने भाई से जीवन भर की सुरक्षा का वचन मांगती है तो दूसरी ओर भाई भी अपने इस कर्तव्य को निभाने की प्रतिबद्धता का पालन करने का विश्वास दिलाता है। यह पर्व पारिवारिक सदस्यों को एक साथ आने का अवसर भी प्रदान करता है। एक दूसरे के प्रति कर्तव्यों के स्मरण बोध को भी रक्षा बंधन मजबूती प्रदान करता है। राखी का पर्व न केवल भाई - बहन के रिश्ते को बल प्रदान करता है वरन समाज में प्रेम एवं सद्भाव को भी बढ़ाता है। वर्तमान की परिस्थितियों को देखकर बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ता है कि बदलती जीवनशैली ने हमें इतना ज्यादा व्यस्त कर दिया है कि इस दिन को छोड़कर पूरे वर्ष भर हमारे पास इतना वक्त नहीं कि बहन कैसी है? भाई क्या कर रहा है? जानने का प्रयास कर सकें। ऐसे हालात कैसे बने? इसका जिम्मेदार कौन है? काफी सिर फुटव्वल के बाद भी जवाब नकारात्मक ही है! कभी ऐसा लगता है कि यह सब समय का प्रभाव है, कभी लगता है सब अपने-अपने दायरों में कैद होकर रह गए हैं। आज की आरामतलब जिंदगी और प्रतिदिन के संघर्षों ने रिश्तों को खोखला करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भागती-दौड़ती जिंदगी में पारिवारिक रिश्तों का स्वरूप तेजी के साथ बदलता जा रहा है। एक परिवार में रहने वाले भाई- बहनों के बीच तकरार और तनाव की लकीरें गाढ़ी होती जा रही हैं! एक-दूसरे की तकलीफों को समझने की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है! भाई-बहन के रिश्ते आज की स्थिति में अपने प्रभुत्व और मान-सम्मान का प्रदर्शन करते ही दिखाई पड़ रहे हैं!

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

अमेरिका से बातचीत दोबारा करने पर फैसला नहीं : ईरान

तेहरान, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ईरानी उप विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका से परमाणु वार्ता फिर शुरू करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है लेकिन दोनों पक्षों में संवाद बना हुआ है। श्री अराघची ने चैनल तेहरान पर एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका से बातचीत को लेकर कोई आखिरी फैसला अभी नहीं हुआ है। इतना अवश्य है कि संपर्क बने हुए हैं। उनको अमेरिका से संदेश तो मिले हैं पर बातचीत होगी या नहीं, यह इस पर निर्भर करता है कि ईरानी हितों का सम्मान होता है या नहीं। उल्लेखनीय है कि ईरान और अमेरिका के बीच ओमान की मध्यस्थता से ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर पांच दौर की बातचीत हुई है और इसका छठा दौर 15 जून को होने वाला था लेकिन उसका इजरायल से तनाव गहराने से यह वार्ता नहीं हो पाई।

सर्गेई शोइगु ने भारत व रूस के बीच सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने का किया आह्वान, कहा

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना अत्यंत महत्वपूर्ण

मॉस्को, 7 अगस्त (एजेंसियां)। रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिका के साथ भारत के मौजूदा व्यापार विवाद और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा के बीच, रूस के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी सर्गेई शोइगु ने भारत और रूस के बीच सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने का आह्वान किया है। आरटी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव ने गुरुवार को अपने भारतीय समकक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से बातचीत की, जो इस समय भारत और रूस के बीच सुरक्षा तथा रक्षा संबंधों पर चर्चा करने के लिए मॉस्को में हैं।

श्री डोभाल की अपने रूसी समकक्ष और अन्य उच्च पदस्थ रूसी अधिकारियों के साथ चर्चा मुख्य रूप से आतंकवाद-निरोध, सहयोग, और अधिक एस-400 प्रणालियों की आपूर्ति तथा रूस के पांचवीं पीढ़ी के सुखोई एसयू-57 लड़ाकू विमानों की संभावित खरीद पर केंद्रित होगी। दोनों पक्ष ऊर्जा, उर्वरक और अन्य वस्तुओं में सहयोग पर भी चर्चा करेंगे।

श्री शोइगु ने श्री डोभाल से कहा कि रूस और भारत मज़बूत, भरोसेमंद और समय-परीक्षित मित्रता के बंधनों से जुड़े हैं। हमारे देश के लिए, पारस्परिक सम्मान, एक-दूसरे के हितों के प्रति समान विचार और एक एकीकृत एजेंडे को आगे बढ़ाने की इच्छा पर आधारित, भारत के साथ विशेष रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रूप से मज़बूत करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि रूस और भारत दोनों एक नई, अधिक न्यायसंगत और मजबूत विश्व व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून की सर्वोच्चता सुनिश्चित करे और आधुनिक चुनौतियों और खतरों का मिलकर मुकाबला करने में सक्षम हो। श्री डोभाल की रूस की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारत से होने वाले सभी आयातों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है, ताकि भारत पर रूस के साथ तेल व्यापार में कटौती करने का दबाव बनाया जा सके।

भारत ने इस कदम की आलोचना करते हुए व्हाइट हाउस के उपायों को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का वादा करते हुए पीछे हटने से इनकार कर दिया है। बैठक में श्री शोइगु ने कहा कि दोनों देशों की सुरक्षा परिषद के माध्यम से नियमित परामर्श से रूसी-भारतीय संबंधों को मजबूत करने और वर्तमान कठिन अंतरराष्ट्रीय स्थिति में उन्हें एक नए स्तर पर ले जाने में मदद मिलती है। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के भी इस महीने के अंत में रूस का दौरा करने की उम्मीद है, क्योंकि राष्ट्रपति पुतिन की इस साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्षिक शिखर बैठक के लिए भारत में आगामी यात्रा की तैयारियां चल रही हैं।

■ रूसी सुरक्षा प्रमुख सर्गेई ने की अजीत डोभाल से मुलाकात

पुतिन की भारत यात्रा जल्द, दोनों देशों के रिश्ते होंगे मजबूत

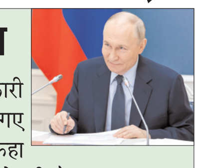

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस महीने के अंत में भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। यह जानकारी रूसी मीडिया ने दी है, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के रूस दौरे के दौरान दिए गए बयान का हवाला दिया। मॉस्को में रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु से मुलाकात के दौरान डोभाल ने कहा कि हमारे बीच अब बहुत अच्छे संबंध स्थापित हो चुके हैं, जिन्हें हम काफी महत्व देते हैं। यह एक रणनीतिक साझेदारी है। हम उच्च स्तर पर संवाद कर रहे हैं। हमें यह जानकर खुशी हुई कि राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा इस महीने के अंत में तय किया गया है। इससे पहले क्रेमलिन के सहायक यूरी उशाकोव ने भी पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर राष्ट्रपति पुतिन भारत आने वाले हैं। उन्होंने बताया कि यह वार्षिक द्विपक्षीय शिखर बैठक की परंपरा के तहत हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे नेताओं के बीच हर साल मिलने का समझौता है। इस बार हमारी बारी है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति पुतिन ने पिछली बार 6 दिसंबर 2021 को भारत का दौरा किया था।

ट्रंप ने पुतिन से मुलाकात की संभावना जताई

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन में युद्धविराम को लेकर उनकी जल्द मुलाकात हो सकती है। जिससे यूक्रेन और रूस के युद्ध का अंत हो सकता है। गौरतलब है कि श्री ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बुधवार को पुतिन से मुलाकात की। श्री ट्रम्प ने इस बैठक को अहम बताया। क्रेमलिन ने भी इसे उपयोगी बातचीत बताया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार कल ओवल ऑफिस में जब उनसे निकट भविष्य में मुलाकात की संभावनाओं के बारे में पूछा गया तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि आज राष्ट्रपति पुतिन के साथ हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई और इस बात की पूरी संभावना है कि हम इस समस्या का अंत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह डगर लंबी थी और अभी भी लंबी है, लेकिन इस बात की अच्छी संभावना है कि बहुत जल्द एक मुलाकात होगी।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 8 अगस्त , 2025 श्रावण शुक्ल पक्ष 14

राशिफल

मेष - घर, परिवार और संतान के मामले में आज आपको आनंद और संतोष की भावना का अनुभव होगा। आज आप सगे- संबंधियों और मित्रों से घिरे रहेंगे। व्यापार को बढ़ाने के लिए कहीं जाना होगा। इसमें लाभ होगा।

वृषभ - व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ है। नए काम शुरू कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। विदेश में रहनेवाले मित्रों या स्वजनों का समाचार आपको भाव-विभोर करेगा। लंबी दूरी की यात्रा का योग है।

मिथुन - बेकाबू क्रोध पर लगाम रखें। बदनामी और नकारात्मक विचारों से दूर रहना आपके हित में होगा।अत्यधिक खर्च से आर्थिक तंगी का अनुभव होगा। इस कारण मन खिन्न होगा। नई चिकित्सा और ऑपरेशन न कराना उचित होगा।

कर्क - आज मौज-शौक और मनोरंजन की प्रवृत्ति में आप सराबोर होंगे। मित्रों, परिवार के साथ मनोरंजन के स्थान या पर्यटन पर जाने का अवसर मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन और नए वस्त्राभूषण आदि की खरीदारी होगी।

सिंह - संदेह के बादल घिरे होने से कहीं मन नहीं लगेगा। हालांकि घर में शांति का वातावरण होगा। दैनिक कामों में थोड़ा अवरोध आएगा। अधिक परिश्रम के बाद अधिकारियों के साथ वाद- विवाद में न पड़ें। परिवार को समय दें।

कन्या - आज का दिन चिंता और उद्वेग से परिपूर्ण होगा। पेट की गड़बडी से स्वास्थ्य खराब होगा। विद्यार्थियों की पढ़ाई में अवरोध आएगा। अचानक धन खर्च होगा। बौद्धिक चर्चाएं और समझौते में असफलता मिलेगी।

तुला - अत्यधिक संवेदनशीलता और विचारों के बवंडर से आप मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे। माता और महिलाओं के मामले में आपको चिंता रहेगी। यात्रा के लिए आज का दिन अनुकूल न होने से यात्रा करना टालें।

वृश्चिक - कार्य सफलता, आर्थिक लाभ और भाग्यवृद्धि के लिए अच्छा दिन है। नए काम की शुरुआत भी कर सकते हैं। भाई- बंधुओं का व्यवहार आज अधिक सहयोगपूर्ण और प्रेमपूर्ण रहेगा। विरोधियों को परास्त कर सकेंगे।

धनु - आज आपका मन दुविधा में फंसा रहेगा। पारिवारिक वातावरण क्लेशपूर्ण रहेगा। निर्धारित कामों को पूर्ण न कर पाने से मन में हताशा भी बनी रहेगी। आज कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लेना आपके लिए बेहतर होगा।

मकर - ईश्वर के नाम के स्मरण से आपके दिन का शुभारंभ होगा। धार्मिक कार्य और पूजा पाठ होंगे। गृहस्थ जीवन में आनंदमय वातावरण रहेगा। आपके सभी काम सरलता से पूरे होंगे। मित्रों, सगे संबंधियों की तरफ से अनुकूल अवसर मिलेंगे।

कुंभ - आज किसी की जमानत लेना। आर्थिक लेन-देन न करना उचित होगा। खर्च की मात्रा अधिक रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थता का अनुभव नहीं होगा। स्वजनों के साथ मतभेद उत्पन्न होंगे।

मीन - सामाजिक कामों या समारोहों में भाग लेने का अवसर आएगा। मित्रों-स्नेहीजनों के साथ की मुलाकात मन को खुशी देगी। सुंदर स्थान पर पर्यटन का आयोजन होगा। शुभ समाचार मिलेगा। पत्नी और संतान से लाभ प्राप्त होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1509 – विजय नगर सम्राज्य के सम्राट के रूप में महाराज कृष्णदेव राय की ताजपोशी।
1549 – फ्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1609 – वेनिस की सीनेट ने गैलिलियो द्वारा तैयार दूरबीन का निरीक्षण किया।
1763 – वर्षों के संघर्ष के बाद अंतत- कनाडा फ्रांस के अधिकार से स्वतंत्र हुआ।
1864 – जिनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना।
1876 – थॉमस अल्वा एडिसन ने मिमियोग्राफ का पेटेंट कराया।
1899 – ए.टी. मार्शल ने रेफ्रीजरेटर का पेटेंट कराया।
1900 – बोस्टन में पहली डेविस कप श्रृंखला की शुरूआत।
1908 –शास्त्रीय संगीत गायिका सिद्धेश्वरी देवी का जन्म।
1919 – ब्रिटेन ने अफगानिस्तान की आजादी को मंजूरी दी।
1942 – महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की।
1947 – पाकिस्तान ने अपने राष्ट्रीय ध्वज को मंजूरी दी।
1948 – देश के मशहुर राजनीतिज्ञ एवं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल का जन्म।
1956 – भारत में परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान, ट्रॉम्बे का, जिसे अब भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के नाम से जाना जाता है।
1988 – अफगानिस्तान में नौ साल के युद्ध के बाद रूसी सेना की वापसी शुरू हुई।
1988 – आठ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद ईरान और इराक के बीच युद्धविराम की घोषणा।
1988 – भारतीय संसद ने भारत में निर्वाचन कानून (संशोधन) विधेयक, 1988 पारित किया। इस विधेयक ने मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी

म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति यू म्यिंट श्वे का निधन

नेपिडॉ, 7 अगस्त (एजेंसियां)। म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति यू म्यिंट श्वे का गुरुवार को राजधानी नेपिडॉ में 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। यह जानकारी नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी काउंसिल (एनडीएससी) ने दी। यू म्यिंट श्वे लंबे समय से पार्किंसन रोग और अन्य संबंधित तंत्रिका संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। जुलाई 2024 से वे नेपिडॉ स्थित डिफेंस सर्विसेज जनरल अस्पताल में गहन चिकित्सा में भर्ती थे। बीमारी के चलते वह पिछले वर्ष से चिकित्सकीय अवकाश पर थे और कार्यभार सीनियर जनरल मिन आंग हलाइंग को सौंप दिया गया था। एनडीएससी ने उनके सम्मान में राज्य स्तरीय अंतिम संस्कार आयोजित करने की घोषणा की है।

■ लंबे समय से पार्किंसन रोग व अन्य तंत्रिका संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे यू म्यिंट श्वे

यू म्यिंट श्वे का जन्म 1951 में मंडाले क्षेत्र में हुआ था। उन्होंने 1971 में डिफेंस सर्विसेज अकादमी में प्रवेश लिया और म्यांमार की सेना तातमदाव में विभिन्न पदों पर कार्य किया। 2010 में वे लेफ्टिनेंट जनरल के पद से सेवानिवृत्त हुए। इसके बाद उन्होंने 2011 से 2016 तक यांगून क्षेत्र के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दी। मार्च 2016 में उन्हें म्यांमार का उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया था। 1 फरवरी 2021 को, तत्कालीन राष्ट्रपति यू विन म्यिंट को सैन्य तख्तापलट में हिरासत में लिए जाने के बाद यू म्यिंट श्वे कार्यवाहक राष्ट्रपति बने।

भारत ने मॉरीशस को 10 इलेक्ट्रिक बसों की पहली खेप सौंपी

पोर्ट लुईस, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मॉरीशस में भारत के राजदूत अनुराग श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम को 10 इलेक्ट्रिक बसों की पहली खेप सौंपी है। इससे भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

इस समारोह का आयोजन बुधवार को रेडुइट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी लोक सेवा एवं नवाचार संस्थान में किया गया था। यह संस्थान भारत-मॉरीशस मैत्री के प्रतीक के रूप में लोकप्रिय है। कार्यक्रम में भारतीय राजदूत और मॉरीशस के प्रधानमंत्री के अलावा सरकार के अन्य मंत्री और गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

पोर्ट लुइस स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉरीशस की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा को याद किया और इस ई-बस परियोजना को सार्वजनिक परिवहन में क्रांतिकारी बदलाव और दोनों देशों के बीच के विशेष संबंधों का प्रतीक बताया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने उच्च-स्तरीय बुनियादी ढांचे और भविष्य के लिए तैयार क्षेत्रों, नीली अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी, खाद्य और समुद्री सुरक्षा में भारत की भूमिका की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कार्बन उत्सर्जन कम करने, ईंधन आयात में कटौती और ई-मोबिलिटी में रोजगार सृजन में ई-बस परियोजना की भूमिका पर प्रकाश डाला।

भारत-मॉरीशस मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना, नया सुप्रीम कोर्ट भवन, नया ईएनटी अस्पताल, 956 सामाजिक आवास इकाइयां और शैक्षिक टैबलेट जैसी कई उच्च-स्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन में अहम भूमिका निभा रहा है।

■ मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने जताया भारत के प्रति आभार
■ भारत व मॉरीशस के बीच संबंधों को मिलेगी मजबूती

हिंद-प्रशांत में रणनीतिक साझेदारी को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट 10 से 14 अगस्त तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। मौजूदा समय में यह यात्रा रणनीतिक और सैन्य सहयोग के लिहाज से काफी अहम है।

ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को सैन्य क्षेत्र में और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखने के साझा प्रयासों में यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट की यह भारत यात्रा न केवल भारत की क्षेत्रीय भूमिका को मान्यता देती है, बल्कि इंडो-पैसिफिक में सामूहिक तैयारी और रणनीतिक विश्वास को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह यात्रा दोनों सेनाओं के बीच सहयोग के अगले चरण की नींव रखेगी।

दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा साझेदारी निरंतर विकसित हो रही है। इसे नियमित उच्च स्तरीय संवादों और संस्थागत ढांचे के माध्यम से मजबूती मिल रही है। नवंबर 2023 में नई दिल्ली में आयोजित 2 प्लस 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता इसका प्रमाण है।

10 से 14 अगस्त तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट

पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, 2 की मौत, 14 घायल

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के वजीरिस्तान में गुरुवार को एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह करीब 9:58 बजे (स्थानीय समय) वाना क्षेत्र में हुई, जब एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पुलिस वाहन के पास विस्फोट हुआ। जिला पुलिस के सूत्रों के अनुसार, घायलों में पुलिसकर्मी और राहगीर दोनों शामिल हैं। सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले, पिछले शनिवार को पाकिस्तान के इसी उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में हुए एक अन्य विस्फोट में पांच बच्चों की मौत हो गई थी और 12 अन्य घायल हुए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह विस्फोट तब हुआ जब बच्चों ने एक विस्फोटक वस्तु के साथ छेड़छाड़ की, जिससे वह फट गया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

तैयारी *कंबोडिया व थाईलैंड ने संघर्षविराम समझौते पर किए हस्ताक्षर, कहा*

दोनों देशों ने संवाद बनाए रखने व विवाद सुलझाने पर जताई सहमति

कुआलालंपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कंबोडिया और थाईलैंड ने गुरुवार को संघर्षविराम की व्यवस्था को औपचारिक रूप देने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह निर्णय मलेशिया की राजधानी में आयोजित एक विशेष जनरल बॉर्डर कमेटी (जीबीसी) बैठक के बाद लिया गया। कंबोडियाई पक्ष के अनुसार, दोनों देशों ने संघर्षविराम को लेकर विस्तृत चर्चा की और एक क्षेत्रीय निगरानी तंत्र स्थापित करने, आपसी विश्वास बहाली और पकड़े गए सैनिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत व्यवहार करने पर सहमति जताई। वहीं, थाई पक्ष ने बताया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय तंत्र के माध्यम से संवाद बनाए रखने और विवाद सुलझाने पर सहमति जताई है।

■ दोनों देशों की अगली विशेष जीबीसी बैठक एक महीने के भीतर होगी आयोजित

इसके अलावा, आसियान सदस्य देशों को संघर्षविराम की निगरानी की अनुमति दी जाएगी। दोनों देशों ने यह भी तय किया कि अगली विशेष जीबीसी बैठक एक महीने के भीतर आयोजित की जाएगी। इस बीच, 6 अगस्त को कंबोडियाई विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने थाईलैंड द्वारा कंबोडिया पर सैन्य बल और हथियारों के जरिए उसकी संप्रभुता का उल्लंघन करने को लेकर की गई कानूनी कार्रवाई को निराधार और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया।

विदेश मंत्रालय के सचिव और प्रवक्ता चुम सौनरी ने कहा कि यह कानूनी कदम पूर्णतः आधारहीन है और थाईलैंड की कंबोडिया-विरोधी नीतियों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ध्यान भटकाने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि आरोप बेबुनियाद, राजनीतिक रूप से प्रेरित और किसी ठोस प्रमाण पर आधारित नहीं हैं।

थाईलैंड मंत्रिमंडल ने दी चीन, स्वीडन के साथ रक्षा सौदों की मंजूरी

बैंकॉक। थाईलैंड सरकार ने चीन और स्वीडन के साथ रक्षा सौदों को मंजूरी दी है जिसमें स्वीडिश ग्रिपेन लड़ाकू विमानों, दो विदेशी निर्मित युद्धपोत और चीन के साथ एक पनडुब्बी सौदे को अंतिम रूप देना शामिल है। द नेशन ने अपनी एक रिपोर्ट में जानकारी दी है। बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वीडिश लड़ाकू विमान अमेरिकी एफ-16 विमानों की जगह लेंगे जो 37 वर्षों से थाई वायु सेना में सेवारत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस खरीद में तीन सिंगल-सीट एसएएबी जेएएस-39 ग्रिपेन ई विमान और एक दो-सीट ग्रिपेन एफ विमान, साथ ही सहायक प्रणालियाँ और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण शामिल हैं। विमान आधुनिक मेटियोर एयर-टू-एयर मिसाइलों और अन्य हथियारों से लैस होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 12 विमानों की कुल लागत 60 अरब थाई बाहत (1.85 अरब डॉलर) होने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार कैबिनेट ने थाई नौसेना के लिए 35 अरब थाई बाहत की लागत से दो युद्धपोत खरीदने को भी मंजूरी दी है।

सुडोकू 6998

3		8	6					
		9	2	1			6	
2					8		4	
			9			8		6
8		4			2			
	7		8					3
	3			7	5	9		
					3	6		2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6998

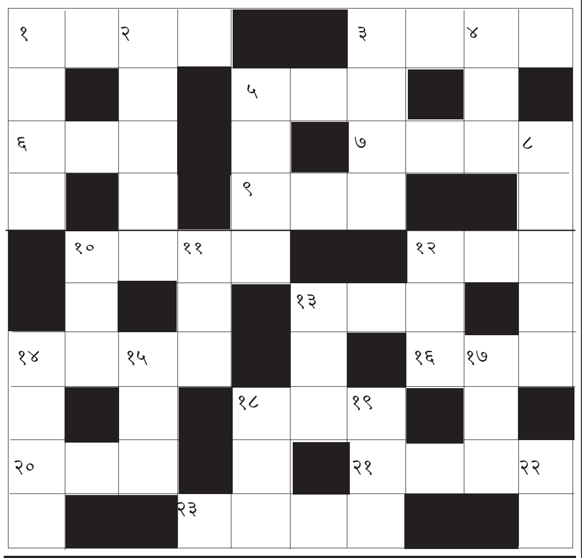

बायें से दायें:-

१. अकेले रहने या विचरने वाला एकाकी
३. सज्जित, विभूषित
५. सेना या काफिले का मार्ग में कहीं रुकना, ऐसी रुकने की जगह
६. शुद्ध, पाक
७. पतला, संकीर्ण मार्ग
९. आराम, चैन (उर्दू)
१०.स्वेच्छारिता
१२. आसान, स्वभाव, आसानी से मिलने वाला
१३. असमंजस, द्वैधीभाव
१४. युद्ध संबंधी
१६. गिरवी रखना
१८. दासी, सेविका (उर्दू)
२०. बढ़ाया हुआ, बहता हुआ
२१. राजा (उर्दू)
२३. जो लेने देन में खरा न हो(उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. पगडंडी
२. बदचलन
३. जाना हुआ, विदित
४. मेहरबानी करके
५. राजा की सबसे बड़ी रानी
८. राजाओं या राष्ट्र प्रमुखों के रहने की जगह
१०. धीमा, मंद
११. एक प्रकार का बहुमूल्य रत्न
१२. मरम्मत, दोष या खराबी के दूर होने का भाव
१३. बैर, शत्रुता
१४. शाबासी देना
१५. घूस
१७. सदैव
१८. एकदम,, नितांत, पक्का (उर्दू)
१९. जिव्हा, भाषा (उर्दू)
२२. जिद

वर्ग पहेली-6997

१ अ	जा	२ त	श	३ त्रु	■	४ ध	म	५ रा	ज
नि	■	र	■	६ टि	क	ना	■	जि	■
७ वा	जि	ब	■	ही	■	त्म	■	८ त	९ म
र्य	■	त	■	१० न	र्त	क	■	■	दि
■	११ प	र	१२ ख	■	■	■	१३ ज	खी	रा
■	गा	■	दि	■	१४ सं	ग्र	ह	■	पा
१५ स	र	१६ का	र	■	क	■	१७ र	१८ स	न
र्व	■	र	■	१९ अ	ल्प	२० ना	■	लि	■
२१ प	रा	ग	■	र्च	■	२२ म	त	ल	२३ ब
ल्ली	■	२४ र	ण	ना	य	क	■	■	री

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दुनिया को जानें

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन निगरानी करने वाले नासा के दो मिशन को बंद करेगा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कार्यालय ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की निगरानी करने वाले नासा के दो मिशन बंद करेगा। न्यूज़मैक्स प्रसारक ने एजेंसी के हवाले से बुधवार को कहा ईमेल द्वारा भेजे गए एक बयान में नासा ने कहा कि ये मिशन अपने मुख्य उद्देश्य से परे हैं और राष्ट्रपति के एजेंडे और बजट प्राथमिकताओं के अनुरूप इन्हें समाप्त किया जा रहा है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि श्री ट्रम्प के वित्तीय वर्ष 2026 के बजट अनुरोध में उन कार्बन वेधशालाओं के लिए फंडिंग शामिल नहीं है जो कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन और अवशोषण के साथ-साथ कृषि फसलों की स्थिति पर सटीक नज़र रख सकें।

पोलिटिको ने जुलाई की शुरुआत में बताया था कि व्हाइट हाउस के सरकारी खर्च में कटौती पर ध्यान केंद्रित करने के कारण नासा के 2,000 से ज़्यादा वरिष्ठ कर्मचारियों की छंटनी की जा सकती है। जुलाई के अंत में लगभग 300 वर्तमान और पूर्व नासा कर्मचारियों ने छंटनी, संघीय नियमों के उल्लंघन और एजेंसी के मिशनों को कमज़ोर करने के लिए ट्रम्प प्रशासन की आलोचना की।

प्रादेशिकी

केदारनाथ धाम से दर्शन करने के बाद लौटने वाले श्रद्धालुओं का किया गया रेस्क्यू

रुद्रप्रयाग। मौसम खराब होने के कारण बुधवार को केदारनाथ धाम की यात्रा स्थगित रही। केदारनाथ धाम से दर्शन करने के बाद लौटने वाले यात्रियों को एसडीआरएफ ने रेस्क्यू करके सुरक्षित तरीके से सोनप्रयाग पहुंचाया। बुधवार को सोनप्रयाग से किसी भी यात्री को केदारनाथ धाम नहीं भेजा गया। गुरूवार को भी मौसम को देखते हुए यात्रा का संचालन किया जाएगा। लगातार बारिश के कारण केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग और सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग पर भूस्खलन का खतरा बढ़ा हुआ है। ऐसे में धाम जाने वाले यात्रियों से अपील की जा रही है कि व साफ मौसम में ही यात्रा करें। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण बुधवार को केदारनाथ यात्रा बंद रही। यात्रियों को सोनप्रयाग से आगे नहीं जाने दिया गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग मुनकटिया क्षेत्र में बोल्डर गिरने के कारण बाधित हो गया। जबकि पैदल यात्रा मार्ग पर भी जगह-जगह बोल्डर गिरने का खतरा बढ़ गया। ऐसे में सुरक्षा को देखते हुये यात्रियों को सोनप्रयाग में ही रोका गया।

आपदा प्रभावितों के बीच पहुंचे धामी, पीड़ितों से की मुलाकात

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मौके पर ही दिए जरूरी निर्देश
- नेपाली मूल के पांच मजदूर लापता, प्रशासन कर रहा तलाश
- पाबौ के क्यार्द, कलुण, सेंजी और बुरांसी गांवों में हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

■ अमरनाथ तिवारी

पौड़ी गढ़वाल, 7 अगस्त (देशबन्धु)। धराली में आपदा ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करने के बाद गुरुवार को सीएम पुष्कर सिंह धामी पौड़ी गढ़वाल के थलीसैंण और पाबौ ब्लॉक में भी पहुंचे। यहां भी सीएम धामी ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और ग्राउंड जीरो पर हालात का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने न सिर्फ पीड़ित परिवार को तत्काल मदद देने का आश्वासन दिया है, बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए निर्देशित किया है। बता दें कि कल 6 अगस्त को पौड़ी गढ़वाल जिले के थलीसैंण और पाबौ ब्लॉक के कई गांवों में बारिश ने जमकर कहर बरपाया था। दोनों इलाकों में जहां बारिश के कारण दो महिलाओं की मौत हुई थी तो वहीं नेपाली मूल के पांच मजदूर लापता हो गए थे, जिनकी तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है। सबसे ज्यादा नुकसान पाबौ के क्यार्द, कलुण, सेंजी और बुरांसी गांवों में हुआ। वहीं थलीसैंण ब्लॉक के बांकुड़ा गांव में भी कुदरत के कहर के निशान देखे जा सकते है।

कल से ही पुलिस-प्रशासन, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन विभाग की टीम राहत और बचाव के कार्यों में जुटे हुए है। बताया जा रहा है कि भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों से पानी के सैलाब के साथ मलबा भी आया था, जिसने न सिर्फ खेतों और रास्तों को बर्बाद किया, बल्कि कई घरों को भी नुकसान पहुंचाया है। सबसे ज्यादा चिंताजनक हालात थलीसैंण ब्लॉक के बांकुड़ा गांव के है। यहां कई घरों में मलबा घुसा है। सड़कें ध्वस्त हो गई हैं। इस इलाके में ही पांच नेपाली मजदूर भी बह गए थे, जिनका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। प्रशासन ने बताया कि पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया है, जहां उन्हें अस्थायी राहत शिविरों में उनके लिए भोजन, पानी और दवाओं की व्यवस्था की गई है। मेडिकल टीमें भी हर गांव में पहुंचने का प्रयास कर रही है पाबौ के जिला पंचायत सदस्य भरत रावत ने बताया कि करीब 12 घंटे तक लगातार बारिश हुई थी। बारिश के कारण इलाके में आपदा जैसे हालत बन गए।

आपदा में लापता अपनों की तलाश में भटक रहे लोग

■ सीएम धामी के आगे फूट-फूट कर रोईं महिलाएं

उत्तरकाशी। धराली में आई आपदा का आज तीसरा दिन है। युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान जारी है, लेकिन धराली और हर्षिल गए लोगों से किसी प्रकार का संपर्क न होने के कारण परिजन दर-दर भटक रहे हैं। उनकी आंखें अपनों को तलाश रही है। आज परिजन सीएम धामी से मुलाकात कर अपनों की सकुशल तलाश की गुहार लगाते नजर आए। लापता परिजनों की खोज की आस में वो अपने आंसू नहीं रोक पाए। धराली और छोलमी गांव के ग्रामीण अपने लोगों की सूचना की आस में आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम और जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे हैं। जहां गुरूवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में आपदा ग्रस्त धराली से रेस्क्यू कर लाए गए लोगों से मुलाकात की। साथ ही उनकी कुशलक्षेम जाना।

धराली हादसे पर जमीयत ने जताया शोक

■ प्रशासन से की राहत कार्य तेज करने की मांग

देहरादून। उत्तरकाशी जनपद के धराली क्षेत्र में बादल फटने और बाढ़ से हुई त्रासदी पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद, उत्तराखंड ने गहरा शोक व्यक्त किया है। जमीयत के प्रदेश अध्यक्ष मौलाना हुसैन अहमद कासमी व प्रदेश महासचिव मौलाना शराफत अली क़ासमी ने एक बयान जारी कर हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की दुआ की। मौलाना शराफत ने कहा कि यह हादसा अत्यंत हृदय विदारक है। अब तक 7 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतकों की संख्या अधिक हो सकती है। कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पतालों में जीवन-मौत से जूझ रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार और प्रशासन से मांग की कि राहत और बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा घायलों को समुचित और तुरंत इलाज उपलब्ध कराया जाए। जमीयत ने प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए। शोक व्यक्त करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष मौलाना हुसैन अहमद क़ासमी, प्रदेश उपाध्यक्ष व शहर क़ाज़ी देहरादून मौलाना मोहम्मद अहमद क़ासमी, मुफ्ति वासिल कासमी, प्रदेश मीडिया प्रभारी मोहम्मद शाह नज़र, हरिद्वार जिला अध्यक्ष मौलाना अब्दुल वहीद, नैनीताल जिला अध्यक्ष मौलाना मुकीम अहमद कासमी, देहरादून जिला अध्यक्ष मौलाना अब्दुल मन्नान क़ासमी, हाफिज आबिद, मास्टर अब्दुल सत्तार,मौलाना रागिब मजाहिरी, शहर सदर मुफ्ती अयाज़ अहमद, तौसीफ खान, कारी शाहवेज आदि शामिल रहे।

तकनीकी संस्थानों में अनाथ बच्चों के लिए प्रति पाठ्यक्रम एक सीट आरक्षित

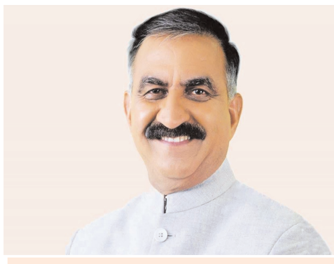

■ समाज के अनाथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है पहल का उद्देश्य

शिमला, 7 अगस्त (देशबन्धु)। सामाजिक समावेश की दिशा में एक प्रगतिशील कदम उठाते हुए, हिमाचल प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य के सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी एवं निजी तकनीकी शिक्षण संस्थानों में अनाथ बच्चों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक-एक सीट आरक्षित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेजों और फार्मेसी संस्थानों पर लागू होगा।

इस पहल का उद्देश्य समाज के सबसे संवेदनशील वर्गों में शामिल अनाथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है। सरकार का प्रयास है कि संरचनात्मक और वित्तीय बाधाओं को दूर करके इन बच्चों को अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने को साकार करने का एक सम्मानजनक अवसर प्रदान किया जाए। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस नई पहल के अंतर्गत प्रवेश पूरी तरह मेरिट के आधार पर होंगे और पात्रता की पुष्टि सक्षम अधिकारी द्वारा की जाएगी।

यह प्रावधान कुल स्वीकृत सीटों की संख्या बढ़ाए बिना और संस्थानों पर किसी अतिरिक्त ढांचागत या वित्तीय बोझ डाले बिना लागू किया जाएगा। इसी प्रकार गुणवत्ता से समझौता किए बिना, इसका उद्देश्य मौजूदा संसाधनों के बेहतर उपयोग के माध्यम से सामाजिक समावेश को बढ़ावा देना है।

राज्य सरकार की यह पहल समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने की व्यापक दृष्टि के अनुरूप सभी कल्याणकारी प्रयासों को सशक्त बनाती है। अन्य कल्याणकारी योजनाओं, विशेष रूप से मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत, जिसमें अनाथ बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का दर्जा दिया गया है, को पुष्ट करती है। इस योजना के तहत सरकार उनके समग्र पालन-पोषण और शिक्षा सहित 27 वर्ष की आयु तक उनकी देख-रेख कल्याण की जिम्मेदारी लेती है। हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने इस विषय में कानून बनाकर अनाथ बच्चों को कानूनी अधिकार प्रदान किए हैं ताकि वे गरिमामयी और उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकें।

सार संक्षेप

सैनिक कल्याण मंत्री ने जाना घायल सैनिकों का हाल

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को स्थित आर्मी अस्पताल पहुंचकर उत्तरकाशी के धराली हर्षिल क्षेत्र में आई देवीय आपदा के दौरान घायल हुए 14 राजपूताना राइफल्स के लेफ्टिनेंट कर्नल आदर्श टी एवं राइफलमैन केशव सहवाग से भेंट कर उनका हालचाल जाना। सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने अस्पताल में उपस्थित चिकित्सकों से घायल जवानों के उपचार की जानकारी ली तथा उनके समुचित उपचार को कहा। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से सैनिकों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने घायल जवानों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर राम सिंह थापा, सेना अस्पताल के कमांडेंट ब्रिगेडियर परीक्षित सिंह सहित सेना अस्पताल के चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे।

केदारनाथ मार्ग पर भूस्खलन को लेकर 357 करोड़ खर्च

देहरादून। रुद्रप्रयाग केदारनाथ मार्ग पर भूस्खलन और भू-धंसाव ट्रीटमेंट के प्रस्तावित 357 करोड़ के कार्यों में, आधे से अधिक पूर्ण हो गए हैं। सांसद महेंद्र भट्ट के पूछे सवाल के जवाब में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इसी तरह एम्स ऋषिकेश को केंद्र ने जानकारी दी कि वहां आधुनिक जैव सुरक्षा प्रयोगशाला-3 की स्थापना का अनुमोदन दिया गया है। राज्यसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि उत्तराखंड राज्य में रुद्रप्रयाग से केदारनाथ के निकट गौरीकुंड तक राष्ट्रीय राजमार्ग-107 पर 17 स्थानों के लिए 357 करोड़ रुपए की लागत से भूस्खलन और भू-धंसाव प्रबंध (ट्रीटमेंट) कार्यों को मंजूरी दे दी है।

आज अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष बलियाला सिरसा दौरे पर

सिरसा। हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र बलियाला शुक्रवार को सिरसा के दौरे पर रहेंगे। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि सिरसा के पंचायत भवन में डॉ. रविंद्र बलियाला प्राप्त जनशिकायतों की समीक्षा करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों को भी बैठक के आयोजन बारे आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्राप्त शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

हिमाचल में चलेगा हर घर तिरंगा अभियान : बिहारी लाल

■ भाजपा कार्यकर्ताओं की हर घर तिरंगा यात्रा को लेकर बैठक आयोजित

शिमला, 7 अगस्त (देशबन्धु)। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में हर घर तिरंगा यात्रा को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल, संगठन महामंत्री सिद्धार्थन एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री बिहारी लाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि प्रदेश भर में 10 से15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में सभी वीर योद्धाओं का स्मरण किया जाएगा, 10 अगस्त को भाजपा संगठनात्मक 171 मंडलों पर तिरंगा यात्राओं का आयोजन भी करेगी।

12 और 13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में शहीदी स्मारकों पर स्वच्छता अभियान के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, यह दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ था उस समय करोड़ों हिंदू भाई बहनों के ऊपर किस प्रकार से अत्याचार और हिन्दू परिवारों का नरसंहार किया गया था उसका स्मरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 300 से 350 कार्यकर्ता भाग लेंगे और प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम वक्त भी प्रदेश संगठन द्वारा भेजे जाएंगे।

15 अगस्त, 2025 हर-घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सभी पार्टी कार्यालयों (प्रदेश, जिला एवं मण्डल) व सार्वजनिक स्थानों पर सामुहिक रूप से तिरंगा फहराया जाएगा, प्रत्येक बूथ पर अधिकतम घरों, प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया जाएगा। इस दिन वृक्षारोपण के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं।

हिमाचल के पौंग बांध से छोड़ा गया पानी, अधिकारी अलर्ट पर

कांगड़ा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के बाद पोंग बांध जलाशय में पानी का स्तर बढ़ने के बाद गुरुवार सुबह अतिरिक्त पानी छोड़ा गया, जिससे राज्य के कई इलाकों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गयी है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। तलवाड़ा टाउनशिप में जल विनियमन के अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता ने यूएनआई से कहा कि पौंग बांध पावर हाउस के टर्बाइनों और पौंग जलाशय के स्पिलवे गेटों के माध्यम से 40,000 क्यूसेक पानी आज सुबह छोड़ा गया। अधिकारियों ने कहा कि पारंपरिक प्रोटोकॉल के अनुसार चरणबद्ध तरीके से पानी निकासी को बढ़ाया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गयी है तथा स्थिति से निपटने के लिए सभी एहतियाती एवं प्रारंभिक उपाय करने की सलाह दी गई है।

अधिकारियों ने लोगों को नदियों, सहायक नदियों और नहरों के किनारों से दूर रहने की सलाह दी है क्योंकि पौंग बांध से पानी छोड़े जाने के बाद इनमें बाढ़ आ सकती है। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद राज्य के आपदा मोचन बलों और अन्य सरकारी एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है।

हिमाचल में एनएचएम में गंभीर अनियमितताएं, सरकार करे स्थिति स्पष्ट : अनुराग ठाकुर

- केंद्र सरकार से हिमाचल में केंद्र प्रायोजित योजनाओं का ऑडिट कराने की मांग
- हाईकोर्ट का इशारा, 2024-25 के लिए आवंटित 521 करोड़ में हेराफेरी

शिमला, 7 अगस्त (देशबन्धु)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने संसद में नियम 377 के अन्तर्गत उठाए अपने प्रश्न में हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निधियों के कुप्रबंधन व इसी विषय में हिमाचल उच्च न्यायालय द्वारा 2024-25 के लिए आवंटित 521 करोड़ रुपए के उपयोग में राज्य सरकार की गंभीर अनियमितताओं की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया।

लोकसभा में अनुराग सिंह ठाकुर ने सवाल किया कि हिमाचल प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) निधियों का एक चिंताजनक कुप्रबंधन हाल ही में प्रकाश में आया है। हिमाचल उच्च न्यायालय ने 2024-25 के लिए आवंटित 521 करोड़ रुपए के उपयोग में गंभीर अनियमितताओं की ओर भी इशारा किया है। हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार का हलफनामा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार के स्तर तक का भी नहीं था। और यह कोई अकेली घटना नहीं है, हिमाचल प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की भारी कमी है, जहां बड़े पैमाने पर तबादलों और केवल 11 नई नियुक्तियों के बावजूद 43 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा अधिकारी ही नहीं है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि अप्रैल 2025 में 400 करोड़ रुपए का आयुष्मान-हिमकेयर घोटाला भी उजागर हुआ, जिसमें फर्जी दावे और डेटा चोरी शामिल थी। ये सभी राज्य सरकार द्वारा की गई अनियमितताओं की ओर इशारा करते हैं, जो लोगों को उनके स्वास्थ्य सेवा के अधिकार से वंचित कर रही है।

केंद्रीय निधियों के इस खुलेआम दुरुपयोग के माध्यम से जनता के विश्वास के इस उल्लंघन और जीवन को खतरे में डालने की जांच की जानी चाहिए। मैं केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि वह हिमाचल प्रदेश में सभी केंद्र प्रायोजित योजनाओं और केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं का विस्तृत ऑडिट कराए ताकि सच्चाई उजागर हो, जवाबदेही सुनिश्चित हो और धन की और अधिक बर्बादी को रोका जा सके।

उत्तरकाशी आपदा : भय व दहशत के बीच प्रशासन मुस्तैद

उत्तरकाशी, 7 अगस्त (देशबन्धु)। धराली क्षेत्र में आई भीषण आपदा के पहले वीडियो सामने आने के बाद पूरे प्रदेश में चिंता और भय का माहौल छा गया था। हर ओर अफरा-तफरी, लोगों की चीख-पुकार और अनिश्चितता का भाव दिख रहा था। वहीं, सरकार के सामने सबसे बड़ा सवाल यह था आखिर हुआ क्या है और अब आगे क्या करना है? इसी उथल-पुथल के बीच राज्य प्रशासन ने तेज निर्णय लेने की क्षमता और योजनाबद्ध कार्यशैली का परिचय दिया। खासकर गढ़वाल आयुक्त और मुख्यमंत्री के सचिव विनय शंकर पांडे की भूमिका संकट प्रबंधन में अहम और निर्णायक रही। विनय शंकर पांडे और आयुक्त गढ़वाल ने आपदा की गंभीरता को भांपते हुए एक व्यापक रणनीति तैयार कर ली थी। सीएम धामी के देहरादून लौटते ही न केवल अतिरिक्त अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई, बल्कि हालात के अनुसार प्लान ए और प्लान बी जैसे वैकल्पिक राहत और बचाव विकल्पों को भी सक्रिय कर दिया गया।

बदरीनाथ नेशनल हाईवे भूस्खलन से हुआ बंद

■ हाईवे के दोनों ओर लगी वाहनों की लंबी कतारें

चमोली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। ऋषिकेश-बदरीनाथ नेशनल हाईवे भी भूस्खलन ही वजह से बंद हो गया है। फिलहाल हाईवे पर आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। हाईवे को सुचारु करने में काफी समय लग सकता है। क्योंकि हाईवे पर बड़ी मात्रा में लैंडस्लाइड हुआ है।

जानकारी के मुताबिक चमोली जिले में पीपलकोटी के पास भनेरपानी में पहाड़ी से भारी भरकम मलबा आने से हाईवे अवरुद्ध हो गया। ऐसे में जो लोग यहां से आवाजाही कर रहे थे, फिलहाल वह हाईवे पर ही रुके हुए हैं और मार्ग खुलने का इंतजार कर रहे है। इस वजह से हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई है। प्रशासन की टीम ने पीपलकोटी व जोशीमठ में सभी लोगों को रोका हुआ है। कार्यदाई संस्था हाईवे को सुचारू करने के काम में जुटी हुई है, लेकिन मलबा काफी अधिक होने के कारण मार्ग को खोलने में समय लग रहा है। ऋषिकेश-बदरीनाथ नेशनल हाईवे के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी कई सड़कें टूटी पड़ी हुई है। ऐसे में खाद्यान्न सामग्री सहित रोजमर्रा की जरूरत के लिए ग्रामीणों को बरसात के समय काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। थराली के रतगाव को जोड़ने वाली सड़क बीच मे भूस्खलन से टूट चुकी है। फिलहाल ग्रामीण यहां से पैदल आवाजाही करने को मजबूर है। क्योंकि लगातार बारिश से भूस्खलन जैसे समस्याओं का सामना करना ग्रामीणों की मजबूरी बन गई है। ज्यादा जानकारी देते हुए चमोली के मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि भनेरपानी के पास पूरा पहाड़ सड़क पर गिर गया है। इसके अलावा सड़क भी टूट गई है।

जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

■ सभी सीटों के लिए 14 अगस्त को होगा मतदान

देहरादून, 7 अगस्त (देशबन्धु)। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख पदों के चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने गुरूवार को चुनाव संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही हरिद्वार जिला छोड़ बाकी प्रदेश के 12 जिलों के जिला और क्षेत्र पंचायतों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। जो मतगणना प्रक्रिया संपन्न होने तक लागू रहेगी। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, 14 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके बाद 14 अगस्त को ही मतगणना की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत प्रदेश के 12 जिलों में सदस्य ग्राम पंचायत, प्रधान ग्राम पंचायत, सदस्य क्षेत्र पंचायत और सदस्य जिला पंचायत के पदों के लिए दो चरणों में मतदान की प्रक्रिया 24 और 28 जुलाई को संपन्न हुई थी।

इसके साथ ही 31 जुलाई को मतगणना प्रक्रिया शुरू हुई थी। ऐसे में अब राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के साथ ही क्षेत्र पंचायतों के प्रमुखों, ज्येष्ठ उप प्रमुखों और कनिष्ठ उप प्रमुखों के पदों पर चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है।

एनजीटी ने चंबा में अवैध खनन की शिकायत पर प्रशासन को दिए निर्देश

■ हिमाचल में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का किया गया था आग्रह

शिमला, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के लोधवान गांव की एक महिला की जमीन पर सड़क और खनन संबंधी गतिविधियों को उजागर करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रशासन को इस मामले में उपयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

गांव की महिला कैचना देवी ने आयोग के समक्ष अपनी याचिका में उनकी जमीन पर ग्राम प्रधान और उनकी पत्नी पर अवैध खनन करने का आरोप लगाया है।

एनजीटी के एक प्रवक्ता ने बताया कि न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफ़रोज़ अहमद की मुख्य पीठ ने मामले की सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि बिना अनुमति उनकी निजी ज़मीन में जबरन सड़क बना दी गई और भारी मशीनों का इस्तेमाल कर खनन गतिविधियां की गईं, जिससे पहाड़ी पर स्थित उनके घर को खतरा पैदा हो गया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा कि खनन अधिकारी, एसडीएम और पुलिस सहित सभी विभाग इसमें शामिल थे और दूसरे पक्ष के खिलाफ दंड़ात्मक कार्रवाई करने में विफल रहे।

उनकी याचिका में मानसून के दौरान भूस्खलन के खतरे को उजागर किया गया था और हिमाचल प्रदेश में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया गया था। इसके अलावा, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोई भी पेश नहीं हुआ। एनजीटी ने याचिका का निपटारा करते हुए निर्देश दिया कि यदि कैचना देवी आवश्यक जानकारी प्रदान करती है, तो हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी और चंबा के ज़िला मजिस्ट्रेट जांच करें और आवश्यक निवारक और उपचारात्मक कानूनी कार्रवाई करें। न्यायाधिकरण ने आदेश की एक प्रति संबंधित अधिकारियों को अनुपालन हेतु भी भेज दी है।

'चालानगढ़' के नाम से मशहूर हो रहा चंडीगढ़

■ वाहनों के चालान की बढ़ती संख्या के कारण चंडीगढ़ कहलाने लगा है 'चालानगढ़'

चंडीगढ़, 7 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्रशासित प्रदेश चंडीगढ़, जिसे कभी 'सिटी ब्यूटीफुल कहा जाता था, अब वाहनों के बड़ी संख्या में चालान किए जाने के कारण 'चालानगढ़' के नाम से मशहूर होता जा रहा है।

वर्ष 2023 में चंडीगढ़ में करीब 950000 लाख वाहनों और 2024 में 955480 वाहनों के चालान किए गए। इनमें से अधिकांश चालान शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिये ऑटोमेटिक रूप से जारी किए गए। हर दिन हजारों वाहन चालकों को ट्रैफिक नियम तोड़ने पर जुर्माना भरना पड़ता है।

वाहनों के बढ़ते चालानों का मुद्दा अब संसद तक पहुंच गया है। चंडीगढ़ सीट से लोकसभा सभा सदस्य एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने संसद में यह मामला उठाते हुए कहा कि शहर में इतने अधिक चालान हो रहे हैं कि लोग अब इसे मजाक में 'चालानगढ़' कहने लगे हैं।

सिर्फ स्थानीय वाहन चालक ही नहीं, बल्कि पंजाब और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों से आने वाले वाहन चालकों को भी ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। आरोप है कि ट्रैफिक पुलिस कई बार बेवजह चालान करती है और दूसरे राज्यों के वाहनों को निशाना बनाती है।

सुडोकू 6998 का हल

3	4	8	6	5	9	1	2	7
7	5	9	2	1	4	3	6	8
2	1	6	7	3	8	5	4	9
5	2	7	9	4	1	8	3	6
1	6	3	5	8	7	2	9	4
8	9	4	3	6	2	7	1	5
9	7	1	8	2	6	4	5	3
6	3	2	4	7	5	9	8	1
4	8	5	1	9	3	6	7	2

प्रादेशिकी

कुशीनगर में छोटे किसानों को यूरिया की किल्लत

कुशीनगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में प्राइवेट दुकानों से खाद न मिलने के कारण एक बोरी से कम यूरिया की जरुरत वाले किसान परेशान है। इस वजह से भी समितियों पर खाद के लिए लंबी लाइन लग रही है। इतना ही नहीं लाइन लगाने के बाद भी खाद समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में किसान बिना खाद के वापस हो रहे हैं। धान व गन्ने की फसल के वरदान साबित हो रही बरसात में अब किसानों के लिए यूरिया खाद आवश्यक हो गई है। बरसात के बाद फसल को संजीवनी देने वाली यूरिया की भारी किल्लत हो गई है। किसानों को 10 या 20 से लेकर 30 किलो यूरिया की आवश्यकता होती थी। वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति प्राइवेट दुकानों से खरीदकर करते थे। विगत दो माह से इक्का दुक्का प्राइवेट दुकानों को छोड़ दिया जाये, तो किसी पर यूरिया की आपूर्ति नहीं हुई है।

उत्तर प्रदेश में रक्षाबंधन पर सामाजिक परंपरा बनी निशुल्क बस यात्रा सुविधा

- सराकर ने आठ वर्षों में 1.23 करोड़ से अधिक बहनों को दिया मुफ्त सफर का उपहार
- परिवहन विभाग ने टिकटों के रूप में वहन किया 101.42 करोड़ का आर्थिक बोझ

लखनऊ, 7 अगस्त (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में रक्षाबंधन के अवसर पर माताओं और बहनों को दी जा रही निशुल्क बस यात्रा सुविधा बीते आठ वर्षों में एक सामाजिक परंपरा बन गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर शुरू की गई इस योजना के तहत अब तक 1,23,30,194 महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं, जिनकी यात्रा लागत के रूप में राज्य सरकार ने टिकटों के रूप में कुल 101,42,59,785 रुपए का आर्थिक बोझ वहन किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में रक्षाबंधन पर्व पर माताओं और बहनों को 8-10 अगस्त तक निशुल्क यात्रा की घोषणा की है। इस सुविधा की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी, जब प्रदेश की सत्ता संभालते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन जैसे पवित्र पर्व पर प्रदेश की माताओं और बहनों को उपहार स्वरूप रोडवेज की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक यात्रा प्रदान करना था, जिससे वे बिना किसी आर्थिक बोझ के अपने भाई से राखी बांधने जा सकें। सरकार का यह संदेश साफ है कि रक्षाबंधन सिर्फ धागा नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्नेह और सम्मान का वचन है। और यह वचन, हर साल रोडवेज की मुफ्त यात्रा के ज़रिए निभाया जा रहा है।

रक्षाबंधन पर आत्मीय पहल

बीते वर्षों में इस योजना का प्रभाव लगातार बढ़ता गया। वर्ष 2017 में जहां सिर्फ 11 लाख महिलाएं इस सेवा का लाभ ले सकीं तो वहीं 2024 तक यह संख्या करीब 20 लाख तक पहुंच गई। हालांकि, इन वर्षों में महिलाओं ने सर्वाधिक लाभ 2023 में लिया, जब 29 लाख से अधिक माताएं और बहनें निशुल्क सफर के इस संकल्प के साथ जुड़ीं।

वहीं 2022 में भी 22 लाख से ज्यादा बहनों ने सरकार की इस पहल का लाभ उठाया। योगी सरकार की यह योजना केवल एक सरकारी सेवा के रूप में नहीं, बल्कि रक्षाबंधन जैसे पारिवारिक और भावनात्मक पर्व को और अधिक आत्मीय बनाने का माध्यम बन चुकी है। यह पहल एक तरफ सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। इस योजना ने खासकर ग्रामीण, पिछड़े और निम्न आय वर्ग की महिलाओं को रक्षाबंधन पर यात्रा की स्वतंत्रता दी है। महिलाओं ने इसे योगी सरकार द्वारा दिया गया सम्मान का तोहफा बताया है, जिससे उन्हें भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ आर्थिक राहत भी मिली है। यह योजना नारी सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता की दिशा में एक मजबूत पहल मानी जा रही है।

रक्षाबंधन पर माताओं-बहनों की निशुल्क यात्रा का वर्षवार आंकड़ा

वर्ष	महिलाओं को लाभ	टिकटों की लागत
2024	19,78,403	19.87 करोड़ रुपए
2023	29,29,755	27.66 करोड़ रुपए
2022	22,32,322	18.98 करोड़ रुपए
2021	9,63,466	8.91 करोड़ रुपए
2020	7,36,605	4.82 करोड़ रुपए
2019	12,04,085	7.68 करोड़ रुपए
2018	11,69,226	7.41 करोड़ रुपए
2017	11,16,332	6.08 करोड़ रुपए

कारपेंटर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

फर्रुखाबाद, 7 अगस्त (देशबन्धु)। कारपेंटर ने मकान के बंटवारे के विवाद में तनाव में आकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूचना पर परिजनों में चीत्कार मच गई। पुलिस ने मौके पर आकर जांच पड़ताल की। थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के ग्राम बहादुर तराई निवासी 35 वर्षीय दिलीप शर्मा कारपेंटर का कार्य करता था। वह तीन भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था। बीती रात उसने दुपट्टे का फंदा बनाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। छोटे भाई विकास की पत्नी रोली ने जब देखा तो दिलीप फांसी के फंदे पर झूल रहा था। दिलीप को फंदे पर लटका देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मां उर्मिला देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

मृतक के परिजनों के अनुसार दिलीप की पत्नी अपने मायके पंचगामा शाहबाद में ही रहती है। मृतक अपना मकान बिक्री करना चाहता था लेकिन मकान में उसके भाइयों का हिस्सा होनें के चलते वह बिक्री नहीं कर पा रहा था। वह शराब पीने का आदी था। वह मकान की बिक्री को लेकर विवाद करता था। मां उर्मिला नें बताया कि पुत्र दिलीप ने उससे मकान के कागजात मांगे जब कागजात देनें से मना कर दिया तो दिलीप नें आवेस में आकर फांसी लगा ली।

पौराणिक और लोक कथाओं से जुड़ा है रक्षाबंधन का इतिहास

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रक्षाबंधन का इतिहास पौराणिक और लोक कथाओं से जुड़ा है। इसमें माता लक्ष्मी, इंद्राणी और द्रोपदी से जुड़ी अलग अलग कथाएं हैं। बाकी रानी कर्णावती और हुमायूं, सिकंदर और राजा पोरस की भी कथाएं हैं। रक्षाबंधन का त्योहार भाई बहन के प्यार और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार देवराज इंद्र और दानवों के बीच भीषण युद्ध हो रहा था। तब देवराज इंद्र की पत्नी इंद्राणी गुरु वृहस्पति के कहने पर देवराज इंद्र की कलाई पर एक रेशमी धागा बांधा था। इसी धागे की शक्ति से देवराज इंद्र दानवों से युद्ध जीत गए थे। दूसरी कथाओं में भगवान विष्णु ने राजा बलि को वरदान दिया था कि वे पाताल लोक में रहेंगे। भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी रहना नहीं चाहती थी। माता लक्ष्मी राजा बलि को राखी बांधकर उनसे अपने पति को वापस भेजने का अनुरोध किया था। जिससे राजा बलि प्रसन्न

■ श्रावण मास के पूर्णिमा को मनाया जाएगा रक्षाबंधन पर्व

होकर भगवान विष्णु को माता लक्ष्मी के साथ जाने की अनुमति दी थी।तीसरी कथाओं में महाभारत काल में जब भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया था तो उनकी उंगली में चोट लग गई थी। जिससे द्रौपदी ने अपनी साड़ी का एक टुकड़ा भगवान कृष्ण की अंगुली में बांध दिया था। तभी कृष्ण ने द्रौपदी को सुरक्षा का वचन दिया था। चीरहरण के समय भगवान कृष्ण ने अपने वचन के मुताबिक द्रोपदी की लाज बचाई थी। एतिहासिक कथाओं में रानी कर्णावती और हुमायूं, सिकंदर और राजा पोरस के रक्षाबंधन का इतिहास है।

सार संक्षेप

संदिग्ध हालत में मिला एक युवक का शव

हस्तिनापुर। थाना क्षेत्र ग्राम अदलपुर में एक अशोक कुमार नामक व्यक्ति का सब मिला परिजनों ने बताया कि अशोक कुमार पुत्र किरण कुमार रात्रि 2रू00 बजे घर से गायब हो गए थे इस बात की सूचना परिवार वालों को पता चली तो परिवार वालों ने गांव में ढूंढ मचा दी और अशोक कुमार को ढूंढने लगे देर रात तक ढूंढने पर अशोक कुमार परिवार जनों को ग्राम वासियों को नहीं मिले जब सुबह के 7रू00 बज गए तो गांव वालों को पता चला कि अशोक कुमार का शव खेत में पानी में डूबा हुआ है वहां पर पूरे गांव में यह खबर सुनकर अफ़रा तफ़री मच गई और इस बात की सूचना थाना हस्तिनापुर को दी गई टीम मौके पर पहुंची और सब को खेत में से लेकर घर पर पहुंचा और फ़िर वहां पर के लिए भेज दिया गया लोगों का कहना है की बाढ़ का पानी आने पर अशोक कुमार पानी में डूब गया और उसकी मृत्यु हो गई है पूरे गांव में इस बात का रोग फैला हुआ है की एक व्यक्ति की बाढ़ के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई अशोक कुमार के उम्र 50 साल बताई जा रही है।

छात्राओं ने सफाई मित्रों को बांधी राखी

मवाना। नगर पालिका परिषद मवाना द्वारा शासन के निर्देशानुसार गुरुवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय मवाना में रिसाइकेबल राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए स्वयं राखियां बनाईं और विद्यालय में कार्यरत सफाई मित्रों को राखी बांधकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम की थीम 'हर घर तिरंगा' रखी गई, जिसके अंतर्गत छात्राओं और स्टाफको अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। पालिकाध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक ने उपस्थित लोगों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग कर पालिका कर्मचारियों को सौंपने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, छात्राएं, पालिकाध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक, सफाई निरीक्षक राकेश कुमार, पालिका कर्मचारी राजपति यादव, राकेश कुमार, लाखन सिंह सहित सफाई मित्र मौजूद रहे।

केजरीवाल को पासपोर्ट नवीनीकरण की सशर्त अनुमति

सुलतानपुर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुलतानपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें सशर्त अपने पासपोर्ट का नवीनीकरण करने की अनुमति दी है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सुलतानपुर न्यायालय के न्यायाधीश शुभम वर्मा ने गुरुवार को देर शाम यह भी निर्देश दिया है कि केजरीवाल बिना किसी सूचना के देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकेंगे। यह मामला 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है।

सूचना

मेरे पुत्र रोहित कुमार आर्मी नं. 3014846पी, रैंक NK, के सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम Maltee दर्ज है जो की गलत है, मेरा वास्तविक नाम Malti है। Malti M/o Rohit Kumar गांव औरंगनगर रार्धना, मेरठ उत्तर प्रदेश।

हस्तिनापुर क्षेत्र के पास के गांवों पहुंचा बाढ़ का पानी

हस्तिनापुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। क्षेत्र के खड़े इलाके में चारों तरफ जल मग्न हो रहा है और सभी ग्राम वासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है गांव वासियों ने बताया कि अब ना तो आने का रास्ता है ना ही जाने का रास्ता है बच्चे भी स्कूल नहीं जा पा रहे हैं सिलेंडर खत्म होने पर भी भरने में दिक्कत हो रही है और खाना बनाने में भी दिक्कत हो रही है वहां पर देखा तो गांव के घरों में अंदर तक पानी पहुंच गया है ग्राम लातिफपुर में तो आने जाने का मार्ग बंद हो चुका है जल के स्तर ज्यादा बढ़ने पर वहां पर काफी दिक्कत हौका सामना करना पड़ रहा है वहां पर बाढ़ पीड़ितों कों देखने के लिए पूर्व राज्य मंत्री एवं हस्तिनापुर विधायक प्रभु दयाल वाल्मीकि मौके पर पहुंचे और सभी बाढ़ पीड़ितों का जायजा लिया।

गुरुकुल की परंपरा से जुड़ा बाल भारती का रक्षाबंधन

मवाना, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बाल भारती पब्लिक स्कूल, मवाना ने एक सराहनीय पहल करते हुए इस पर्व को केवल औपचारिक नहीं, बल्कि संस्कृति, संवेदना और सनातन परंपरा से जोड़ने वाला कार्यक्रम बनाया। गुरुवार को विद्यालय की छात्राएं हस्तिनापुर स्थित दिगंबर जैन उत्तर प्रांतीय गुरुकुल पहुंचीं, जहां उन्होंने गुरुकुल के छात्रों को श्रद्धा एवं प्रेम से रक्षा-सूत्र बांधकर भाई-बहन के अटूट बंधन को सजीव किया। सादगी, गरिमा और भावनाओं से परिपूर्ण इस अवसर पर छात्राओं ने गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों की कलाई पर राखी बांधी और उनके उज्जवल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और विद्या में प्रगति की मंगलकामनाएं कीं। बदले में गुरुकुल के छात्रों ने अपनी बहनों को उपहार भेंट किए और जीवन भर उनकी रक्षा का वचन दिया। यह दृश्य

■ छात्राओं ने बांधा रक्षा-सूत्र, भावनाओं से भरा दृश्य रहा अनुपम

न केवल भावनात्मक था, बल्कि भारतीय संस्कृति की गहराई और गरिमा को दर्शाने वाला भी रहा।

परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम

इस अवसर पर छात्राओं का प्रतिनिधिमंडल दृ गार्गी, गौरी, श्रेया, एकांशी, परीक्षा, कशिश, आराध्या, पावनी, तनिष्का, पूर्वी, खुशी आदि ने पूरे मनोयोग और उत्साह से इस पर्व को जीवंत किया। छात्राओं के इस प्रयास ने दिखाया कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता, प्रेम और आपसी सम्मान का उत्सव है।

गुरुकुल के प्रधानाचार्य ने बाल भारती की छात्राओं के इस सौहार्दपूर्ण और स्नेहयुक्त कदम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को हमारी परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। बाल भारती पब्लिक स्कूल मवाना की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता रस्तोगी ने गुरुकुल प्रशासन द्वारा किए गए हार्दिक स्वागत, अनुशासित वातावरण और आत्मीय सत्कार के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन छात्राओं के लिए एक जीवन स्मरणीय सांस्कृतिक अनुभव रहा, जो उनके व्यक्तित्व में संवेदनशीलता और संस्कृति के प्रति आदर का भाव विकसित करेगा।

हमीरपुर में पांच हजार की रिश्वत लेते चकबंदी सहायक गिरफ्तार

हमीरपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में गुरुवार को भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन टीम) बांदा मण्डल ने एक कनिष्ठ सहायक चकबंदी को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक सामान्य नागरिक से जमीन के दस्तावेज़ दाखिल खारिज कराने के एवज में पांच हजार रुपये की मांग की थी। पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के चंदूपुर गांव के जीतू निषाद ने एंटी करप्शन टीम में शिकायत दर्ज करायी थी कि कनिष्ठ सहायक चकबंदी प्रमोद कुमार ने उसकी मां के नाम रजिस्टर्ड बैनामा का दाखिल खारिज कराने के लिए पांच हजार की रिश्वत मांगी है। बांदा एंटी करप्शन टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए योजना बनाकर आरोपी प्रमोद कुमार ने रिश्वत की राशि स्वीकार की टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। यह कार्रवाई शाम चार बजे के आसपास हुई, जो पूरी तरह कैमरे की निगरानी और साक्ष्य के तहत दर्ज की गई।

वर्धमान एकेडमी में 50 हरे पेड़ काटे, मौके पर पहुंची टीम

- बिना अनुमति के ही काट दिए दर्जनों पेड़
- शहतूत समेत कई फलदार पेड़ काटे जाने की संभावना

मेरठ, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रेलवे रोड़ स्थित वर्धमान एकाडेमी में करीब 50 हरे पेड़ काटने की सूचना से वन विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना पर डीएफओ के निर्देश पर वन विभाग की टीम स्कूल में पहुंची। इस दौरान सूचना पर कवरेज करने के लिए पहुंचे मीडिया कर्मियों से स्कूल में बाउंसरों ने अभद्रता कर दी। जिस पर हंगामा खड़ा हो गया। किसी तरह प्रबंध निदेशक अन्य अधिकारियों ने मामले को शांत कराया। गुरुवार की सुबह वर्धमान एकडेमी के परिसर में करीब तीस फुट ऊंचे हरे पेड़ को बिना वन विभाग की अनुमति से काट दिया गया। सूचना वन विभाग तक पहुंची

वर्धमान एकडेमी में हरे पड़ों को काट दिया गया है। काटे गए छोटे सजावटी पेड़ थे। प्रतिबंधित पेड़ों की सूचना गलत है : वन्दना, डीएफओ मेरठ

तो डीएफओ वंदना ने वन विभाग की टीम को स्कूल में भेजा । टीम आनन फानन में वर्धमान एकाडेमी पहुंची। वन विभाग की टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें कटे हुए पेड़ के तने दिखाई दिए। जिसके फोटो वन विभाग की टीम के सदस्य मोहन सिंह व नरेन्द्र ने अपने कैमरे में कैद की। बताया जा रहा है कि सजावटी पेड़ों की आड़ में प्रतिबंधित पेड़ भी काटे गए हैं। जिसमें शहतूत समेत कई फलदार पेड़ भी बिना विभाग की अनुमति लिए ही काटे हैं। सूचना मीडिया तक पहुंची तो मीडिया कर्मी करवेज करने के लिए मौके पर पहुचे तो मुख्य द्वार पर खड़े बाउसंरों ने मीडिया कर्मियों को रोकते हुए उनके साथ अर्भद्र व्यवहार किया। जिस पर वहां पर हंगामा हो गया। मामला किसी तरह शांत हुआ और प्रबंधक ऋतुराज जैन ने बताया कि काटे गए पेड़ प्रतिबंधित नहीं थे, बल्कि सभी पेड़ सजावटी पेड़ थे। सुबह को छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिसके कारण उन्हें काटना पड़ा। हालांकि वर्धमान एकेडमी के सोशल मीडिया हैंडल की तसवीरों में साफ देखा जा सकता है कि सजावटी पेड़ों के साथ-साथ वहां कुछ फलदार पेड़ों की मौजूदगी है। हमारी टीम ने फैसबुक व इंस्टाग्राम से कई फोटो को ध्यान से देखा है।

पहाड़ों पर हुई तेज बारिश से गंगा उफान पर

फर्रुखाबाद, 7 अगस्त (देशबन्धु)। पहाड़ों पर हुई तेज बारिश के बाद गंगा में भी उफान आ गया है जिससे गंगा की जद में आने वाले गांवों में पानी दाखिल भी हो गया है। कई गांव के मुहाने पर बाढ़ का पानी आ गया है। जिससे ग्रामीणों के माथे पर बल नजर आ रहा है। दरअसल गंगा में उफान से तटवर्ती गांवों में कटान तेजी से हो रहा है। तहसील अमृतपुर के तीसराम मढैया, अम्बरपुर, गौटिया, भुडिया भेडा, कंचनपुर सबलपुर, जमापुर, भूडन की मढैया, बरुआ, चित्रकूट आदि कई गाँव गंगा के रौद्र रूप की जद में आ गए हैं। चित्रकूट, इमादपुर सोमवंशी, नगरिया जबाहर, भुडिया भेडा भूडन की मढैया में तो पानी गांव के भीतर दाखिल हो गया है।

भाई की हत्या के आरोप में भाई को जेल

किठौर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। करीब 4 दिन पहले नदल्लीपुर में लाईसेंसी रायफल की गोली से अपने ही कमरे में मौत का शिकार हुए युवक के हत्यारोपी भाई को पुलिस ने आज जेल भेज दिया।,इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ हे ।

■ पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने की कार्रवाई, आरोपी को जेल भेजा

मंगलवार को नदल्लीपुर निवासी अतुल कुमार पुत्र प्रभुदयाल की संदिग्ध परिस्थितियों में अपने ही कमरे में रायफल की गोली लगने से मौत हो गई थी। घटना के वक्त मृतक की पत्नी मोनिका अपनी सास विशंबरी, देवर अनुराग के साथ परीक्षितगढ़ में जहारवीर मेला देखने गई थी। घर पर अतुल के अलावा बड़ा भाई अनुज और छोटी बहन प्रज्ञा थी। इस प्रकरण में मोनिका ने अपने जेठ अनुज के विरुद्ध पति की हत्या, खुद पर जानलेवा हमले और चचिया ससुर भूपसिंह पर साजिश में शामिल होने के आरोप लगाते हुए साक्ष्य मिटाने के लिए पुलिस को सूचना दिए बगैर शव को दाह संस्कार के लिए शमशान ले जाने की बात लिखी थी। तभी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया था। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें मृतक ने नौकरी न मिलने पर स्वेच्छा से आत्महत्या की बात लिखी है। उसने अपने परिजनों और पत्नी को पूर्ण सहयोगी बताते हुए अपनी मौत के मामले में बेकसूर बताया है। लेकिन पत्नी की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने हत्यारोपी भाई को घटना के फौरन बाद हिरासत में ले लिया। बृहस्पतिवार को इंस्पेक्टर बृजेश पांडेय ने हत्यारोपी को जेल भेज दिया है। वहीं साजिश में शामिल आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना हे के जल्द ही साजिश करता को भी गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा ।

सम्मान — *राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में किया गया सम्मानित*

सुभारती के कुलपति को मिला दूरदर्शी नेतृत्व पुरस्कार

मेरठ, 7 अगस्त (देशबन्धु)। नई दिल्ली स्थित तिलक राज स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में देशभर से आए शिक्षाविदों, नीति निर्धारकों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा को उच्च शिक्षा में दूरदर्शी नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

■ पैनल चर्चा में उच्च शिक्षा के भविष्य पर रखे विचार

यह सम्मान उन्हें उच्च शिक्षा में उनके अद्वितीय योगदान, नवाचारों को प्रोत्साहन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली के निर्माण हेतु दिए गए योगदान के लिए प्रदान किया गया। सम्मेलन में आयोजित पैनल चर्चा के दौरान प्रो. शर्मा ने 21वीं सदी के कौशलों को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा की दिशा और दशा पर अपने गंभीर और दूरदर्शी विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा प्रणाली को इस तरह से ढालने की आवश्यकता है, जिससे स्नातक बनने वाला हर विद्यार्थी

आलोचनात्मक सोच, संचार कौशल, डिजिटल साक्षरता और समस्या समाधान जैसी क्षमताओं से सुसज्जित हो। यही कौशल उन्हें भविष्य की अनिश्चितताओं से जूझने में सक्षम बनाएंगे। प्रो. शर्मा ने अपने संबोधन में सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और राष्ट्र हित में किए जा रहे प्रयासों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि शोध, सामाजिक सेवा और नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सुभारती विश्वविद्यालय में छात्रों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, ताकि वे न केवल एक अच्छे पेशेवर बनें, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी बनें। शिक्षाविदों ने प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा के विचारों की सराहना की और उन्हें शिक्षा क्षेत्र में प्रेरणास्रोत बताया।

सपा पूर्व मंत्री का बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा, लोगों की सुनी समस्याएं

मवाना, 7 अगस्त (देशबन्धु)। पूर्व मंत्री प्रभु दयाल वाल्मीकि ने हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया और ग्रामीण की समस्याए सुनी। बिजनौर बैराज से छोड़े गए गंगा के पानी से है हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र के गांव लतीफपुर, ककरखेड़ा, किशनपुर, सिर जेपूर, शेरपुर, हरिपुर गांवड़ी भिकुंड, दर्जनों गांवों में गंगा का जल स्तर बढ़ने से बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। जिससे गांव के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। लतीफपुर के चारो तरफपानी है। कंकड़ खेड़ा में जबरदस्त पानी है। कुछ लोगों को तो घर से बाहर निकलना भी दूभर हो गया है। उनको अपने खाने पीने का सामान लाने में भी भारी कठिनाई का। सामना करना पड़ रहा है । जब ग्रामीणों से बात की ग्रामीणों ने बताया कि हमारे तो पशु भी चारे के अभाव में भूखे मर रहे हैं चूंकि जो भूसा हमने गाँव में इकट्ठा किया था उसमें पानी भर गया है और खेतों के अंदर चारा था। वो भी जल मग्न हो गया है ऐसी स्थिति में ना तो हम खेत से चारा ला सकते हैं और ना ही घर का सामान ला सकते हैं हमें तो स्वयं में भी अब घरों में पानी आने के कारण खाना बनाने में, रहने सोने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उसके पश्चात् जंगली जानवर भी पानी के सहारे घरों में घूम रहे हैं। घरों के अंदर पानी आने से पानी आने से मकानों को। ये खतरा बना हुआ है।

गुड़ स्वाद ही नहीं, फेफड़ों के इलाज में भी प्रभावी

■ मधुमेह रोगियों के लिए गुड़ सुरक्षित विकल्प ■ गुड़ से बनी चाय ताजगी के साथ दूर करती है सुस्ती

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मिठास धीमे जहर के समान माना जाता है, जो धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है। हालांकि, एक मीठापन ऐसा भी है, जो फायदेमंद है और सीमित मात्रा में इस्तेमाल करने से नुकसान भी नहीं होता। जी हां! बात हो रही है गुड़ की, जो न केवल स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी वरदान है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, गुड़ शरीर और मन को पोषण देता है। तुलसी, दालचीनी, काली मिर्च, शुंठी और मुनक्का से बनी हर्बल चाय या काढ़े में 10-20 ग्राम गुड़ मिलाकर पीने से इम्यूनिटी बढ़ती है और सर्दी-जुकाम से बचाव होता है।

आयुर्वेद में इसे 'औषधीय चीनी' कहा जाता है, जो 3000 वर्षों से चिकित्सा में उपयोगी है।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, गुड़, गन्ने से बना गुड़, पोषक तत्वों का भंडार है। इसमें जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और पोटैशियम जैसे खनिज पाए जाते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। गुड़ में जड़ी-बूटियां या मसाले मिलाकर फोर्टिफिकेशन करने से इसके स्वास्थ्य लाभ और बढ़ जाते हैं। यह सफेद चीनी का स्वस्थ विकल्प है, जो पाचन सुधारने और संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

आयुर्वेद का कहना है कि गुड़ से बनी चाय ताजगी देती है और सुस्ती दूर करती है। एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि दिन में एक या दो बार गुड़ युक्त हर्बल चाय पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

इसके एंटी-एलर्जी गुण फेफड़ों में एलर्जी पैदा करने वाले तत्वों को रोकते हैं, जिससे सांस की तकलीफ और खांसी जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। गुड़, गले और फेफड़ों के संक्रमण के इलाज में भी प्रभावी है। इसमें डिटॉक्स गुण भी होते हैं, जो शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालते हैं। इसमें मौजूद आयरन हीमोग्लोबिन बढ़ाता है, जिससे खून साफ रहता है और एनीमिया का खतरा कम होता है। नियमित रूप से गुड़ का सेवन शरीर दर्द जैसी आम समस्याओं से भी बचाव करने में कारगर है। भारत गुड़ का प्रमुख उत्पादक देश है। विशेषज्ञों के अनुसार, गुड़ को हर्बल काढ़े के साथ गर्मागर्म लेना विशेष रूप से फायदेमंद है। यह न केवल ऊर्जा देता है, बल्कि ब्लड शुगर को धीरे-धीरे बढ़ाता है, जिससे मधुमेह रोगियों के लिए भी यह सुरक्षित विकल्प हो सकता है।

कैंसर से बचाव में फायदेमंद सोंठ

सोंठ, जिसे आमतौर पर सूखी अदरक या ड्राई जिंजर पाउडर के नाम से जानते हैं, भारतीय रसोई और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का एक अहम हिस्सा है। यह केवल एक मसाले के रूप में नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक औषधि के रूप में भी सदियों से इस्तेमाल में लाई जा रही है। जहां ताजा अदरक में ताजगी और तीखापन होता है, वहीं सोंठ में एक खास तरह की गरमाहट और औषधीय शक्ति होती है, जो इसे बिल्कुल अलग बनाती है। इसे अदरक को सुखाकर बनाया जाता है, लेकिन सुखाने की प्रक्रिया के दौरान इसके गुणों में कई बदलाव आते हैं। यही वजह है कि सोंठ और अदरक दोनों का शरीर पर प्रभाव अलग-अलग होता है। खासकर मानसून में, जब शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, तब सोंठ का सेवन शरीर को भीतर से मजबूती देता है। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, सोंठ में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर, फोलिक एसिड, विटामिन सी और विटामिन ए जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा, इसमें जिंजेरोल्स, शोगोल्स, जिंगिबेरीन, लिंलालूल, लिमोनीन और गेरानियोल जैसे जैविक तत्व भी मौजूद होते हैं। सोंठ में मौजूद जिंजेरोल्स और शोगोल्स पाचन क्रिया में मददगार होते हैं। वहीं, यह सूजन कम करने, दर्द में राहत देने, और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी सहायक होते हैं। यह गैस, अपच, सर्दी-खांसी, गले की खराश, और जोड़ों के दर्द में बेहद उपयोगी मानी जाती है। इसके अलावा, सोंठ में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को घटाते हैं और कैंसर जैसी बीमारियों से बचाव में मदद कर सकते हैं।

फिल्म 'लेट्स प्ले गेम' में 'नीता' का किरदार चुनौती : युक्ति कपूर

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेत्री युक्ति कपूर ने अपनी आगामी फिल्म 'लेट्स प्ले गेम' में अपने किरदार को लेकर बात की है। कहा कि उनके किरदार 'नीता' की भावनात्मक दोहरी प्रकृति (एक ही समय में दो अलग-अलग प्रवृत्तियों के लोग) ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया। अभिनेत्री ने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए बतौर कलाकार एक बड़ी चुनौती थी, साथ ही एक सुनहरा मौका भी था, क्योंकि इस रोल में उन्हें कई तरह की भावनाओं को एक साथ जीने का मौका मिला।

युक्ति ने नीता के किरदार को लेकर कहा कि नीता एक बहुत ही शांत स्वभाव की महिला है, जो बाहर से बहुत शालीन और नियंत्रित दिखाई देती है, लेकिन उसके अंदर बहुत कुछ चल रहा होता है। वह खुद को दुनिया के सामने मजबूत और सहज दिखाती है। वह अपने दर्द को बखूबी छुपा लेती है, और यही उसकी ताकत है।

मुझे इस किरदार की भावनात्मक दोहरी प्रकृति ने आकर्षित किया, वह एक साथ कमजोर और शक्तिशाली है। फिल्म में ताश के खेल से जुड़े दृश्यों की तैयारी के बारे में युक्ति ने बताया कि सेट पर ताश खेलना मुझे मेरे परिवार के साथ दिवाली की रातों की याद दिलाता था। बचपन में हम सभी बिना किसी गंभीरता के ताश खेलते थे, लेकिन इस किरदार के लिए मुझे खेल को गहराई से समझना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि शूटिंग के दौरान ब्रेक में हम सब साथ में ताश खेलते थे। यह हमारी कास्ट के लिए एक बंधन का जरिया बन गया। इसने हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी बेहतर बनाया। मैंने ताश इतनी अच्छी तरह सीख लिया कि इस दिवाली अगर मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ खेलूंगी, तो शायद मैं जीत जाऊंगी।

व्यायाम गर्दन व कंधों की जकड़न को दूर करने में कारगर

■ लंबे समय तक बैठकर काम करने वाले लोग दिनचर्या में शामिल करें व्यायाम

■ गर्दन को आगे की ओर झुकाना, घूमाना दिलाएगा समस्याओं से छुटकारा

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। गर्दन की मांसपेशियां खोपड़ी और जबड़े से लेकर आपके कंधे की हड्डियों और कॉलरबोन तक फैली होती हैं। ये मांसपेशियां सिर, गर्दन और रीढ़ के ऊपरी हिस्से को सहारा और स्थिरता प्रदान करती हैं। इसके साथ ही ये सिर को अलग-अलग दिशाओं में घुमाने, चबाने, निगलने और सांस लेने में भी मदद करती हैं। ऐसे में सरल एक्टिविटिज के साथ इन्हें स्वस्थ रखा जा सकता है। आयुष मंत्रालय ने योग के माध्यम से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक सरल और प्रभावी सुझाव दिया है। मंत्रालय के अनुसार, योग की शुरुआत गर्दन की गतिविधियों से करें, जो शरीर को धीरे-धीरे सक्रिय करती हैं और नर्वस सिस्टम को शांत रखती हैं। सामान्य योग प्रोटोकॉल में शामिल चार आसान व्यायामों का यह सेट तनाव कम करने, लचीलापन बढ़ाने और सिर व रीढ़ में रक्त संचार को बेहतर बनाने में मदद करता है। ये चारों व्यायाम रोजमर्रा की जिंदगी में आसानी से किए जा सकते हैं। ये न केवल अच्छी सेहत के लिए जरूरी हैं बल्कि मानसिक तनाव को भी दूर करते हैं। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे इन सरल व्यायामों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। खासकर उन लोगों के लिए जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं, ये व्यायाम गर्दन और कंधों की जकड़न को दूर करने में कारगर हैं। गर्दन की गतिविधियों को चार चरणों में बांटा है - इनमें फ्लेक्सन (आगे की ओर झुकना), एक्सटेंशन (पीछे की ओर झुकना), साइड बेंडिंग (एक तरफ झुकना), और रोटेशन (घूमना)।

400 वर्ष प्राचीन शिवालय में महादेव की सेवा में रत रहते हैं दर्जनों नाग

उन्नाव, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भोलेनाथ को प्रिय सावन माह समाप्त होने जा रहा है। इस माह में महादेव का दर्शन-पूजन विशेष फलदायी माना जाता है। देश भर में ऐसे कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनकी कथा सुनकर देवाधिदेव पर भक्तों की श्रद्धा और भी बढ़ जाती है। ऐसा ही एक बोधेश्वर महादेव का मंदिर है, जो उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में स्थित है।

बांगरमऊ क्षेत्र में कल्याणी नदी के तट पर स्थित बोधेश्वर महादेव मंदिर आस्था और चमत्कार का संगम है। करीब 400 साल पुराना यह मंदिर न केवल प्राचीन स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि पंचमुखी शिवलिंग और इसके चारों ओर विचरण करने वाले दर्जनों सांपों के लिए भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस शिवलिंग के स्पर्श मात्र से गंभीर रोगों से मुक्ति मिलती है, जिसके चलते सावन के महीने में यहां भक्तों की भीड़ उमड़ती है। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित पंचमुखी शिवलिंग अपने आप में एक रहस्य है। पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार, यह शिवलिंग उस दुर्लभ पत्थर से बना है, जो 400 साल पहले विलुप्त हो चुका था। इस पत्थर की खासियत और महादेव के पांच मुखों की अनूठी संरचना इसे विशेष बनाती है। मंदिर में नंदी और नौ ग्रहों की मूर्तियां भी स्थापित हैं, जिन पर 15वीं शताब्दी की उत्कृष्ट पाषाण कला का नमूना देखने को मिलता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस शिवलिंग के दर्शन और स्पर्श से न केवल शारीरिक रोग, बल्कि मानसिक समस्याएं भी दूर हो जाती हैं।

छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी पुलिस ने सुरक्षा का दिलाया भरोसा

दनकौर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर दनकौर कस्बे में स्थित बीडीआरडी इंटर कॉलेज की छात्राओं ने दनकौर कोतवाली पहुंचकर पुलिसकर्मियों को गुरुवार को राखी बांधकर मिठाई भी खिलाई। कॉलेज की छात्राओं ने कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह, एसएसआई सोहनपाल, समेत समेत अन्य पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना भी की। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उनकी हमेशा सुरक्षा का ध्यान रखने का भरोसा भी दिया। कॉलेज के प्रधानाचार्य जयप्रकाश सिंह और टीचर रूबी सिंह ने छात्राओं के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। प्रधानाचार्य ने बताया कि पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं। उनके प्रति सम्मान प्रकट करना हम सबका कर्तव्य है। छात्राओं का यह प्रयास प्रेरणादायक है।

[अर्थ जगत]

डीएचएल एक्सप्रेस ने 'राखी एक्सप्रेस' की शुरुआत की

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में अग्रणी डीएचएल एक्सप्रेस ने अपनी वार्षिक त्योहार विशेष सेवा 'राखी एक्सप्रेस' की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य रक्षाबंधन पर्व के इस विशेष अवसर पर परिवारों को जोड़ना और दूरियों को मिटाना है। इस पहल के तहत ग्राहकों को आकर्षक छूट दी जा रही है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय राखी और गिफ्ट शिपमेंट्स पर शुल्क 3,099* से शुरू होता है। यह ऑफर देशभर में डीएचएल के 700 से अधिक रिटेल आउटलेट्स और इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर 9 अगस्त 2025 तक मान्य है।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

टेक महिंद्रा	1.68 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.17 प्रतिशत
इटर्नल	0.97 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.85 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	0.80 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

अडानी पोर्ट्स	1.55 प्रतिशत
ट्रेंट	1.06 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	0.85 प्रतिशत
हिंद युनिलिवर	0.74 प्रतिशत
एनटीपीसी	0.69 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,00,452
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,13,485
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7962.33
मसूर काली	8134.81
उड़द दाल	10493.52
मूंग दाल	10123.90
अरहर दाल	10929.83

भारत के पास घरेलू बाजार, टैरिफ बड़ी समस्या नहीं : मोबियस

- भारत चीन की तरह पूर्ण रूप से निर्यात पर निर्भर नहीं
- 30 अरब डॉलर से ज्यादा मूल्य के शिपमेंट को अभी तक रखा बाहर

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने गुरुवार को कहा कि भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का देश पर काफी कम असर होगा, क्योंकि यहां विशाल घरेलू बाजार मौजूदा है।

दिग्गज निवेशक ने कहा कि भारत चीन की तरह पूर्ण रूप से निर्यात पर निर्भर नहीं है। इस कारण देश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले टैरिफ से डील करने के लिए अच्छी स्थिति में है। इसके अलावा, भारतीय सॉफ्टवेयर निर्यात भी अच्छा है और यह टैरिफ से बचाने में मदद करेगा। मोबियस ने कहा कि इसका सारांश यह है कि टैरिफ भारत के लिए बड़ी समस्या नहीं है। अमेरिका की ओर से दवाइयों और कुछ इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं जैसे स्मार्टफोन, सेमीकंडक्टर और ऊर्जा से जुड़े 30 अरब डॉलर से ज्यादा मूल्य के शिपमेंट को अभी तक हाई टैरिफ लिस्ट से बाहर रखा गया है। ट्रंप प्रशासन ने इन प्रमुख उद्योगों को अभी तक नए टैरिफ में शामिल नहीं किया है, जो अगले 21 दिनों में लागू होने वाले हैं।

इसके अलावा, भारत ने वित्त वर्ष 25 में क्रमश: 10.5 अरब डॉलर और 14.6 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (ज्यादातर स्मार्टफोन) का निर्यात किया है, जो अमेरिका को उसके कुल निर्यात का 29 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 25 में 4.09 अरब डॉलर मूल्य का पेट्रोलियम निर्यात भी फिलहाल ट्रंप के नए टैरिफ से सुरक्षित हैं, क्योंकि ऊर्जा को हाई टैरिफ की सूची से बाहर रखा गया है।

वित्त वर्ष 25 में अमेरिका को भारत ने 86.51 अरब डॉलर का निर्यात किया था। मोबियस के अनुसार, भारत जिस तरह की जीडीपी वृद्धि देख रहा है, वह उसे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर आगे बढ़ने में मदद करेगी।

मोबियस ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश 6-7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर रहा है, जो इसकी अर्थव्यवस्था के मजबूती को दर्शाता है।

भारत, रूस के साथ एल्युमीनियम, उर्वरक, रेलवे व खनन क्षेत्र में बढ़ाएगा सहयोग

नई दिल्ली। भारत और रूस ने एल्युमीनियम, उर्वरक, रेलवे और खनन टेक्नोलॉजी में सहयोग को गहरा करने के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करके अपनी रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाया है। आधुनिकीकरण और औद्योगिक सहयोग पर भारत-रूस के वर्किंग ग्रुप के 11वें सत्र में दोनों पक्षों ने एल्युमीनियम, उर्वरक और रेलवे परिवहन के क्षेत्र में साझेदारी का स्वागत किया, साथ ही खनन क्षेत्र के उपकरण, अन्वेषण और औद्योगिक एवं घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन में क्षमता निर्माण और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर भी सहमति जताई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस इंटरगवर्नमेंटल कमीशन के ढांचे के तहत आयोजित की गई थी।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पहली तिमाही में 47 प्रतिशत बढ़ा

- वित्त वर्ष 2026 में 46-50 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। इंडस्ट्री डेटा से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई, जिसमें मोबाइल फोन निर्यात में मजबूत प्रदर्शन के कारण सालाना आधार पर 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 12.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 8.43 अरब डॉलर था। इस गति के साथ, उद्योग निकाय का अनुमान है कि वित्त वर्ष के अंत तक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 46-50 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सबसे अच्छा प्रदर्शन मोबाइल फोन सेगमेंट का रहा, जो 55 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 4.9 अरब डॉलर से वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में अनुमानित 7.6 अरब डॉलर हो गया।

टोयोटा मोबिलिटी फाउंडेशन ने ग्लोबल चैलेंज के पांच फाइनलिस्ट्स की घोषणा की

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। टोयोटा मोबिलिटी फाउंडेशन ने वाराणसी के ऐतिहासिक शहर में भीड़ प्रबंधन समाधानों के लिए 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ग्लोबल चैलेंज के पांच फाइनलिस्ट्स की घोषणा की। यह चैलेंज वाराणसी नगर निगम, चैलेंज वर्क्स और वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट के सहयोग से विकसित किया गया है। पांच फाइनलिस्ट्स की सूची में आर्केडिस 'संकल्प' नामक एक एकीकृत समाधान के साथ,सिटीडेटा, इंक 'सिटी फ्लो' नामक एक क्लाउड-आधारित समाधान के साथ, वोजिक एआई 'बेहतर वे' नामक एक एआई-आधारित पैदल यात्री मार्गदर्शन प्लेटफॉर्म के साथ,प्रमेया कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड 'नई चाल' नामक एक भौतिक और डिजिटल एआई इकोसिस्टम के साथ, द अर्बनाइज़र - 'जनजात्रा' नामक एक समाधान के साथ जिसमें स्थानीय जानकारी और कलर-कोडिंग मार्ग सूचक संकेतक आदि शामिल हैं। प्रत्येक फाइनलिस्ट को काशी में अपने प्रस्तावित समाधानों के परीक्षण और प्रदर्शन के लिए क्रियान्वयन वित्तपोषण के रूप में 130,000 अमेरिकी डॉलर दिए जाएंगे।इस अवसर पर वाराणसी के नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने कहा, सस्टेनेबल सिटीज़ चैलेंज के माध्यम से वाराणसी वैश्विक स्तर पर इस बात का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है कि ऐतिहासिक शहर अपनी मूल पहचान से समझौता किए बिना इनोवेशन को कैसे अपना सकते हैं।

ब्लूस्टोन ज्वैलरी एंड लाइफस्टाइल का आईपीओ 11 अगस्त को खुलेगा

अहमदाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ब्लूस्टोन ज्वैलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 11 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा कि उसने अपने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 492 रुपये से 517 रुपए प्रति शेयर तय किया है। प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य एक रुपया है।

यह आईपीओ सोमवार, 11 अगस्त को खुलेगा और बुधवार, 13 अगस्त को बंद होगा। निवेशक कम से कम 29 इक्विटी शेयर और उसके बाद 29 शेयरों के गुणांक में बोली लगा सकते हैं।

यह आईपीओ दो हिस्सों में है। कुल 820 करोड़ रुपये मूल्य तक के नये शेयर जारी किये जायेंगे। इसके अलावा मौजूदा शेयरधारक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत 1,39,39,063 इक्विटी शेयरों की बिक्री करेंगे।

ब्लूस्टोन ज्वैलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड अपने फ्लैगशिप ब्रांड ब्लूस्टोन के तहत हीरा, सोना, प्लैटिनम और जड़ी वाले जेवरात बेचती है। साल 2011 में शुरू हुआ यह ब्रांड अब देश के प्रमुख ज्वैलरी रिटेलर्स में से एक है। यह एक डिजिटल-फर्स्ट डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डीटीसी) ब्रांड है।

घर में बनी थाली की कीमत में जुलाई में 14 प्रतिशत की गिरावट

- प्याज के उत्पादन में वृद्धि से 2025 में कीमतों में गिरावट आई

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिसिल के फूड प्लेट कॉस्ट मंथली इंडीकेटर के अनुसार, कमोडिटी की कीमतों में नरमी के बीच, इस वर्ष जुलाई में घर में बनी शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में क्रमश: 14 प्रतिशत और 13 प्रतिशत कम हुई।

शाकाहारी थाली की कीमत में सालाना आधार पर गिरावट सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट के कारण हुई, जो एक उच्च आधार पर थी, जिसमें मुख्य रूप से टमाटर, प्याज और आलू शामिल थे। टमाटर की कीमतें जुलाई में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत गिरकर 66 रुपए प्रति किलोग्राम से 42 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं, जो एक उच्च आधार प्रभाव के कारण हुआ क्योंकि मौसमी कारणों से कीमतें आमतौर पर जुलाई/अगस्त के आसपास बढ़ जाती हैं। आलू और प्याज की कीमतों में सालाना आधार पर क्रमश: 30 प्रतिशत और 36 प्रतिशत की गिरावट आई, जो एक उच्च आधार पर थी। एक वर्ष पहले की समान अवधि में, आलू का उत्पादन झुलसा रोग और मौसम परिवर्तन के कारण 5-7 प्रतिशत कम हुआ, जिससे कीमतों में वृद्धि हुई। प्याज के वार्षिक उत्पादन में 18-20 प्रतिशत की वृद्धि के कारण 2025 में कीमतों में गिरावट आई। दालों की कीमतों में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की गिरावट आई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में अधिक उत्पादन और स्टॉक स्तर के कारण हुई और चावल की लागत में 4 प्रतिशत की गिरावट आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट सब्जियों की कम कीमतों और ब्रॉयलर की कीमतों में अनुमानित 12 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट के कारण हुई।

सार संक्षेप

भारत में डेटा ब्रीच की लागत 22 करोड़ रुपए पर पहुंची

नई दिल्ली। भारत में डेटा ब्रीच की औसत संगठनात्मक लागत 2025 में 22 करोड़ रुपए के नए उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि है। अमेरिकी कंसल्टिंग कंपनी आईबीएम की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ब्रीच की पहचान और रोकथाम का समय घटकर 263 दिन रह गया है, जो 2024 की तुलना में 15 दिन कम है, क्योंकि अधिक संगठनों ने ब्रीच की पहचान करने की अपनी स्पीड में सुधार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में केवल 37 प्रतिशत संगठनों ने एआई एक्सेस कंट्रोल लागू करने की सूचना दी है। लगभग 60 प्रतिशत संगठनों में एआई गवर्नेंस नीतियां नहीं हैं या वे अभी भी उन्हें विकसित कर रहे हैं। जिन संगठनों के पास एआई गवर्नेंस नीतियां हैं, उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही एआई गवर्नेंस तकनीक का उपयोग करते हैं। भारत में, डेटा ब्रीच के प्रमुख कारण फिशिंग उसके बाद थर्ड-पार्टी वेंडर और सप्लाई चेन और वल्नरबिलिटी एक्सप्लॉइटेशन थे।

गिफ्टिंग स्टार्टअप्स ने 11.6 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया

नई दिल्ली। भारत के गिफ्टिंग स्टार्टअप्स ने पिछले एक दशक में 11.59 करोड़ डॉलर जुटाए हैं, जो स्थिर लेकिन मामूली वृद्धि दर्शाता है। यह जानकारी गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। डेटा इंटेलिजेंस फर्म ट्रैक्सन टेक्नोलॉजीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर गिफ्टिंग स्टार्टअप्स ने 2015 से अब तक 1.7 अरब डॉलर जुटाए हैं। 2025 तक गिफ्टिंग बिजनेस में फंडिंग एक्टिविटी दुनिया भर में और भारत में धीमी रही। 2025 में फंडिंग हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय फर्म, इंडिगिफ्ट्स थी और फर्म ने एंजेल राउंड में 57,600 डॉलर जुटाए। भारतीय गिफ्टिंग फर्मों ने 2024 में 13 लाख डॉलर और 2023 में 3.27 करोड़ डॉलर जुटाए। कोरोना महामारी के बाद गिफ्टिंग बिहेवियर में बदलाव के कारण 2022 में इस क्षेत्र में सबसे अधिक फंडिंग एक्टिविटी देखी गई। भारतीय स्टार्टअप्स ने 6.39 करोड़ डॉलर जुटाए, जो उनका अब तक का सबसे अधिक वार्षिक कुल योग है।

फोर्स मोटर्स ने कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म को किया लॉन्च

नई दिल्ली। प्रमुख ऑटोमोटिव कंपनी और भारत की सबसे बड़ी वैन निर्माता कंपनी, फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने फोर्स आईपल्स नामक एक नई पीढ़ी के आधुनिक कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म को लॉन्च किया है। यह प्लेटफॉर्म वाहनों के संचालन और उनके पूरे जीवनकाल के प्रबंधन को बेहतर और आसान बनाता है। इसे इंटैंगल्स कंपनी के साथ मिलकर बनाया गया है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञ है। फोर्स आईपल्स में आधुनिक एआई और प्रॉपरायटरी हाइब्रिड एनालिटिक्स का उपयोग किया गया है, जो वाहनों के प्रदर्शन को समझने और उनकी देखभाल को और भी प्रभावी बनाता है।

लिवाली की बदौलत गिरावट से उबरा बाजार

- बढ़त में के साथ बंद हुए प्रमुख सूचकांक
- सेंसेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,623.26 अंक पर
- निफ्टी 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,596.15 अंक पर बंद

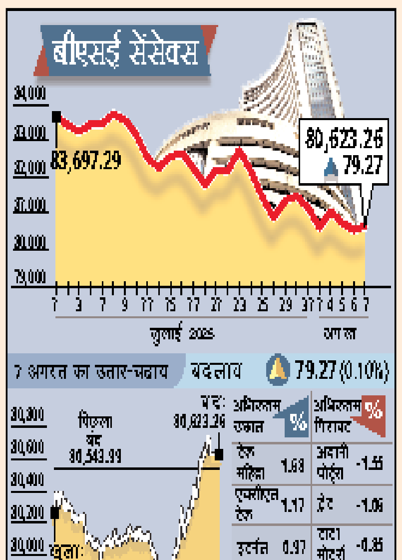

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच आखिरी दो घंटे में हुई लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी लौट आयी और प्रमुख सूचकांक हरे निशान में बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 79.27 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,623.26 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की निफ्टी 21.95 अंक (0.09 प्रतिशत) की तेजी के साथ 24,596.15 अंक पर बंद हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय उत्पादों पर 27 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाए जाने के आदेश के बाद आज सुबह बाजार में बिकवाली का जोर रहा। सेंसेक्स 281 अंक की गिरावट के साथ 80.543.99 अंक पर खुला और दोपहर डेढ़ बजे के लुढ़क कर करीब 79,811.29 अंक पर पहुंचा गया था लेकिन इसके बाद कम कीमत पर अचानक लिवाली शुरू होने से आखिरी दो घंटे में 80,737.55 अंक तक चढ़कर आखिरकार 80,623.26 अंक पर बंद हुआ। इस प्रकार, पूरे दिन के दौरान सेंसेक्स में 926 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया। निफ्टी-50 का ग्राफ भी लगभग ऐसा ही रहा। इसका दिन का उच्चतम स्तर 24,634.20 अंक और निचला स्तर 24,344.15 अंक रहा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 17 के शेयर बढ़त में और अन्य 13 के गिरावट में रहे। टेक महिंद्रा ने सबसे अधिक 1.68 फीसदी, एचसीएल टेक ने 1.17 फीसदी और इटरनल ने 0.97 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, आईटीसी, सन फार्मा, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी बढ़त में बंद हुए। अडानी पोर्ट्स में 1.55 प्रतिशत, ट्रेंट में 1.06 प्रतिशत और टाटा मोटर्स में 0.85 प्रतिशत की गिरावट रही। आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनीलिवर, अडानी पोर्ट्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी लाल निशान में रहे।

एनएसई में रियल्टी और गैस एवं तेल सेक्टरों में गिरावट रही जबकि अन्य सेक्टरों के सूचकांक सुबह की गिरावट से उबरने में कामयाब रहे और हरे निशान में बंद हुये। आईटी, फार्मा और ऑटो सेक्टरों में सबसे अधिक तेजी रही। एनएसई में 3,062 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,424 के शेयर हरे निशान में और 1,554 के लाल निशान में बंद हुए जबकि अन्य 84 अपरिवर्तित रहे।

पिछले 5 वर्षों में भारत के एयरपोर्ट्स में हुआ 96 हजार करोड़ रुपए का निवेश : मुरलीधर

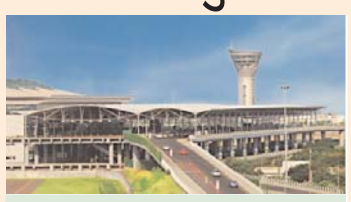

- अपने स्वयं के स्रोतों से पूंजीगत व्यय करते हैं निजी एयरपोर्ट डेवलपर्स

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) ने हवाई यातायात में वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए देश में हवाई अड्डों के विकास, अपग्रेड और आधुनिकीकरण पर वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 96,000 करोड़ रुपए से अधिक का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) किया है।

इस निवेश में से एएआई का हिस्सा 25,000 करोड़ रुपए से थोड़ा अधिक है। वहीं, बाकी का निवेश निजी एयरपोर्ट डेवलपर्स/ऑपरेटर्स की ओर से किया गया है। नागर विमानन राज्य मंत्रीमुरलीधर मोहोल ने बताया कि एएआई मुख्यत: अपने संसाधनों और क्षेत्रीय संपर्क योजना जैसे उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) के पहले चरण के अंतर्गत बंद पड़े और कम सेवा वाले हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट्स और जल हवाई अड्डों के पुनरुद्धार और अपग्रेड के लिए आवंटित 4,500 करोड़ रुपए के बजट में से पूंजीगत व्यय करता है।

इसके अलावा, आरसीएस-उड़ान के दूसरे चरण में 2023-24 से 2025-26 की अवधि के दौरान अतिरिक्त हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट्स, जल हवाई अड्डों और एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड्स के पुनरुद्धार के लिए 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि निजी एयरपोर्ट डेवलपर्स अपने स्वयं के स्रोतों से पूंजीगत व्यय करते हैं। यह निवेश नए हवाई अड्डों, मौजूदा टर्मिनलों के विस्तार और मरम्मत, नई यात्री सुविधाओं को जोड़ने, नए टर्मिनलों, मौजूदा रनवे, एप्रन के विस्तार और सुदृढ़ीकरण और कंट्रोल टावर व तकनीकी ब्लॉक जैसे एयर नेविगेशन सेवाओं (एएनएस) के कार्यों में किया गया है।

चावल सस्ता, दालों-खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव व चीनी स्थिर

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के दाम बढ़ गये जबकि गेहूं की औसत कीमतों में स्थिरता रही। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा जबकि चीनी की कीमत स्थिर रही।

विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 26 रिंगिट गिरकर 4,241 रिंगिट प्रति टन बोला गया। अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.45 प्रतिशत टूटकर 53.38 डॉलर के भाव बोला गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब तीन रुपए की नरमी के साथ 3,829.37 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 2,840.05 रुपए प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा भी चार रुपए घटकर 3,291.84 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

सरसों तेल औसतन तीन रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मूंगफली तेल करीब सात रुपए प्रति क्विंटल टूटा। पाम ऑयल तकरीबन 39 रुपए की तेजी में रहा। सूरजमुखी तेल करीब 10 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सोया तेल 40 रुपए और वनस्पति 19 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया।

दाल-दलहनों में मसूर दाल की कीमत कमोबेश स्थिर रही। चना दाल औसतन तीन रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल करीब दो रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल में तीन रुपए प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, दाल मूंग 10 रुपए प्रति क्विंटल मजबूत हुई।

गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव दो रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गए जबकि चीनी में टिकाव देखा गया।

भारत की बिजली उत्पादन क्षमता 2031-32 तक 870 गीगावाट पहुंचने का अनुमान : श्रीपद नाइक

- तकनीकों के बढ़ते उपयोग के कारण देश में बिजली की मांग में हुई वृद्धि

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता जून 2025 तक 485 गीगावाट है और सरकार देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2031-32 तक इसे बढ़ाकर लगभग 870 गीगावाट करने की योजना बना रही है।

विद्युत राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने कहा कि तेज आर्थिक विकास, घरेलू विद्युतीकरण में विस्तार, बढ़ते शहरीकरण, जीवन स्तर में सुधार और एयर कंडीशनर व इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी ऊर्जा-गहन तकनीकों के बढ़ते उपयोग के कारण देश में बिजली की मांग में वृद्धि हुई है।

नाइक ने बताया कि केंद्र ने वर्ष 2034-35 तक थर्मल (कोयला और लिग्नाइट) ऊर्जा क्षमता की आवश्यकता लगभग 3,07,000 मेगावाट होने का अनुमान लगाया है, जबकि 31 मार्च, 2023 तक स्थापित क्षमता 2,11,855 मेगावाट है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, विद्युत मंत्रालय ने न्यूनतम 97,000 मेगावाट अतिरिक्त कोयला और लिग्नाइट आधारित थर्मल ऊर्जा क्षमता स्थापित करने की योजना बनाई है। अप्रैल 2023 से जून 2025 तक लगभग 11,680 मेगावाट की थर्मल क्षमताएं पहले ही चालू हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, 38,935 मेगावाट थर्मल क्षमता वर्तमान में निर्माणाधीन है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024-25 में 15,440 मेगावाट थर्मल क्षमता के लिए अनुबंध दिए जा चुके हैं और निर्माण कार्य पूरा होना है। उन्होंने बताया कि देश में अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए 35,460 मेगावाट कोयला और लिग्नाइट आधारित संभावित क्षमता की पहचान की गई है, जो नियोजन के विभिन्न चरणों में है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि 13,463.5 मेगावाट क्षमता की जलविद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा, 9,802 मेगावाट क्षमता की जलविद्युत परियोजनाएं नियोजन के विभिन्न चरणों में हैं और इन्हें 2031-32 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने यह भी बताया कि 6,600 मेगावाट क्षमता की परमाणु क्षमता निर्माणाधीन है और इसे 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

खेल जगत

लक्ष्य को हासिल करने की भूख पैदा करें नवोदित खिलाड़ी: ललित उपाध्याय

आजमगढ़, 7 अगस्त (एजेंसियां) वर्ष 2020 और 2024 ओलंपिक में दो बार भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली हॉकी टीम का हिस्सा रहे ललित उपाध्याय ने नवोदित खिलाड़ियों को सलाह दी कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिये ऐसी तड़प और भूख होनी चाहिये कि लक्ष्य भी बौना पड़ जाये। तरवां चौरी बेलहा पी जी कालेज में एकेडमी के बच्चों से मिलने पहुंचे ललित उपाध्याय ने कहा कि संसाधन भले सीमित हो,लेकिन सपने असीमित होने चाहिए। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी के पास भूख होनी चाहिये। इन प्रयासों से वह अपना मुकाम हासिल कर लेगा । गोल करने की अद्भुत क्षमता वाले एक स्वाभाविक प्लेमेकर, ललित उपाध्याय ने कहा कि इन खिलाड़ियों और एकेडमी को संचालित करने वाले प्रबंधक प्रभाकर सिंह से मिलकर बहुत खुश हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह बच्चे अगर पूरे जज्बे के साथ इस खेल को खेलते रहे तो यह भी एक दिन नेशनल इंटरनेशनल और ओलंपिक खेल में शिरकत करेंगे ।

शुभमन गिल को सौंपी गई नॉर्थ जोन टीम की कमान

15 सदस्यीय टीम में अर्शदीप सिंह, अंशुल कंबोज और हर्षित राणा को शामिल किया गया

दलीप ट्रॉफी

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। अब गिल को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए नॉर्थ जोन टीम की कमान सौंपी गई है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त से होने जा रही है। शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे पर पांच मुकाबलों में 65.57 की औसत के साथ 754 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' खिताब से नवाजा गया।

शुभमन गिल के अलावा, इस 15 सदस्यीय टीम में अर्शदीप सिंह, अंशुल कंबोज और हर्षित राणा शामिल हैं। अंशुल कंबोज ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। राणा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत 'ए' की ओर से खेले, लेकिन अर्शदीप को इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिल सका। गुरुवार को जोनल सेलेक्शन कमेटी ने घोषणा करते हुए बताया कि अगर गिल, अर्शदीप और राणा में से किसी को भी दलीप ट्रॉफी के साथ होने वाले मैचों के लिए भारतीय टीम में चुना जाता है, तो सर्विसेज के शुभम रोहिल्ला, पंजाब के गुरनूर बरार और हरियाणा के अनुज ठकराल को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा। टीम इंडिया 9-28 सितंबर के बीच टी20 एशिया कप खेलेगी। नॉर्थ जोन की टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में दिल्ली के ऑलराउंडर आयुष बडोनी और बल्लेबाज यश ढुल शामिल हैं, जिन्होंने 2022 अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भारत की कप्तानी की थी।

दलीप ट्रॉफी छह टीमों वाले जोनल फॉर्मेट में खेली जाएगी, जिसके साथ 2025/26 घरेलू क्रिकेट सीजन की शुरुआत होगी। नॉर्थ जोन अपने अभियान की शुरुआत ईशान किशन की अगुवाई वाले ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा। विजेता टीम सेमीफाइनल में साउथ जोन से भिड़ेगी।

नॉर्थ जोन की टीम: शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन (विकेटकीपर)।

स्टैंडबाय: शुभम अरोड़ा (विकेटकीपर), जसकरनवीर सिंह पॉल, रवि चौहान, आबिद मुश्ताक, निशंक बिड़ला, उमर नजीर और दिवेश शर्मा।

विक्टोरिया म्बोको ने कैनेडियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई

मॉन्ट्रियल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कनाडा की युवा टेनिस खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको कैनेडियन ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। 18 साल की म्बोको ने नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6(4) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। म्बोको ने फाइनल में पहुंचने के साथ-साथ एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। वह ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में तीन पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियनों (रयबाकिना, कोको गॉफ, और सोफिया केनिन) को हराने वाली पहली कनाडाई खिलाड़ी बन गई हैं।

■ विक्टोरिया म्बोको इस प्रतिष्ठित इवेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली चौथी कनाडाई खिलाड़ी बनी

विक्टोरिया म्बोको इस प्रतिष्ठित इवेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली चौथी कनाडाई खिलाड़ी बनी हैं। उनसे पहले फेय अर्बन (1968 और 1969), विकी बर्नर (1969) और बियांका एंड्रीस्कू (2019) ने फाइनल में जगह बनाई थी। साथ ही म्बोको फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। म्बोको की वाइल्डकार्ड एंट्री हुई थी। ऐसे में वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट में एंट्री करने और ओपन ऐरा फाइनल में जगह बनाने वाली वह तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में मोनिका सेलेस (1995) और सिमोना हालेप (2015) ने फाइनल में जगह बनाई थी। जीत से बेहद उत्साहित विक्टोरिया म्बोको ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'टाईब्रेकर में हर पाइंट मायने रखता है। मुझे इसका ध्यान था। मैं कोर्ट में ज्यादा से ज्यादा गेंदें डालना चाहती थी और जितना हो सके उतनी ताकत लगाना चाहती थी। मैच के दौरान बहुत तनावपूर्ण पल भी होते हैं, ऐसे में मैं खुद को शांत रखने की कोशिश भी कर रही थी और हमेशा आगे के पाइंट पर ध्यान केंद्रित कर रही थी।'

ऑस्ट्रेलिया महिला-ए टीम ने इंडिया-ए को 13 रनों से हराया

मकाय, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अनिका लीरॉइड (नाबाद 50) के बाद एमी एडगर और सियाना जिंजर (दो-दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम ने गुरुवार को पहले टी-20 मुकाबले में इंडिया ए को 13 रनों से हरा दिया।

138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत बेहद धीमी रही और उसने चौथे ओवर की पहली गेंद पर शेफाली वर्मा (तीन) का विकेट गंवा दिया। उस समय टीम का स्कोर 13 रन था। इसके बाद धारा गुज्जर (सात), दिनेश वृंदा (पांच) रन बनाकर आउट हुई। 12वें ओवर में उमा छेत्री (31) रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुई। इसके बाद राघवी बिष्ट और कप्तान राधा यादव ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी हुई।

17वें ओवर में सियाना जिंजर ने राघवी बिष्ट को आउट कर इंडिया ए के मैच जीतने की उम्मीदों को झटका दिया। राघवी बिष्ट ने 20 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 33 रनों की पारी खेली। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की और भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 124 रन ही बना सकी और 13 रनों से मुकाबला हार गई। राधा यादव ने 22 गेंदों में तीन चौकों की मदद से नाबाद 26 रन बनाये। सजीवन सजना सात रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से एमी एडगर और सियाना जिंजर ने दो-दो विकेट लिये। टेस फ्लिंटॉफ ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां इंडिया ए टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में अनिका लीरॉइड 44 गेंदों में (नाबाद 50) की अर्धशतकीय पारी के दम पर छह विकेट पर 137 रनों का स्कोर खड़ा किया। एलिसा हीली ने 18 गेंदों में (27), तालिया विल्सन (17), कोर्टनी वेब (11) और कप्तान निकोल फॉल्टम (11) का योगदान दिया। इंडिया ए की ओर से प्रेमा रावत ने तीन, सजीवन सजना और साइमा ठाकोर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अजित कुमार की रेसिंग टीम में नारायण कार्तिकेयन का स्वागत

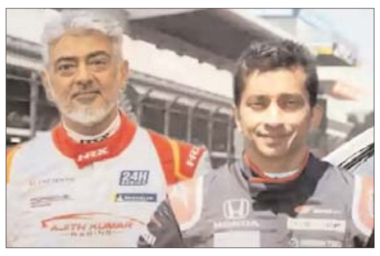

कार्तिकेयन शामिल होना सम्मान की बात: अजित

चेन्नई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ इंडिया के मशहूर अभिनेता अजित कुमार ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 33 साल का सफल सफर पूरा किया। अब वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार रेसिंग की दुनिया में भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। हाल ही में, उन्होंने अपनी रेसिंग टीम में नारायण कार्तिकेयन को शामिल किया है। बता दें कि नारायण कार्तिकेयन भारत के ड्राइविंग क्षेत्र में दिग्गज हैं। उनका कार रेसिंग की दुनिया में एक बड़ा नाम है। नारायण कार्तिकेयन के टीम में शामिल होने पर खुशी जताते हुए अजित कुमार ने कहा, 'नारायण का हमारी टीम में शामिल होना हमारे लिए गर्व की बात है। उनके साथ रेसिंग करना मेरे लिए सम्मान की बात है। अब जब नारायण हमारे साथ हैं, तो 'एशियन ले मैन्स सीरीज' हमारे लिए और भी खास बन गई है।' वहीं नारायण कार्तिकेयन ने अजित कुमार की टीम से जुड़ने पर कहा, 'मैं अजित को कई सालों से जानता हूं, और अब उन्हें प्रोफेशनल रेसिंग करते देखना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं उनके साथ आने वाली 'एशियन ले मैन्स सीरीज' में भाग लेने को लेकर काफी उत्साहित हूं और आगे के इस शानदार सफर का इंतजार कर रहा हूं।' बता दें कि अजित कुमार ने सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, बल्कि कार रेसिंग की दुनिया में भी कमाल कर दिखाया है। अजित ने इस साल की शुरुआत में दुबई में आयोजित हुई रेस में हिस्सा लिया था और 991 कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे पहली पारी में महज 125 रन पर ढेर

न्यूजीलैंड बनाम जिम्बाब्वे

■ जैक फौल्कस ने 16 ओवरों में 38 रन देकर चार विकेट चटकाए

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच बुलावायो में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है, जिसके पहले दिन महज 48.5 ओवरों के खेल में कीवी टीम ने मेजबान देश को 125 रन पर ढेर कर दिया। मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे को अपना ही फैसला भारी पड़ गया। मेजबान टीम ने खाता खुलने के तुरंत बाद ब्रायन बेनेट (0) का विकेट गंवा दिया। यहां से ब्रैंडन टेलर ने टीम को संभालने की कोशिश शुरू की। उन्होंने निक वेल्च (11), सीन विलियम्स (11) और कप्तान क्रेग इर्विन (7) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कीं। ब्रैंडन टेलर 107 गेंदों में छह चौकों की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा तफादजवा सिगा ने 54 गेंदों में नाबाद 33 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को सम्मानजनक स्कोर तक नहीं पहुंचा सके। न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हैनरी ने 15 ओवरों में 40 रन देकर पांच विकेट अपने नाम किए, जबकि जैक फौल्कस ने 16 ओवरों में 38 रन देकर चार विकेट चटकाए। शेष एक विकेट मैथ्यू फिशर के नाम रहा। जिम्बाब्वे के लिए यह 'करो या मरो' का मुकाबला है। टीम ने इसी मैदान पर सीरीज का पहला टेस्ट नौ विकेट से गंवा दिया था। उस मुकाबले में जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 149 रन पर सिमट गई थी। पहली पारी में मैट हैनरी ने छह विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 307 रन बनाते हुए 158 रन की लीड हासिल की थी।

मेजबान टीम अपनी दूसरी पारी में 165 रन पर ढेर हो गई, जिसके बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए महज आठ रन का टारगेट मिला। मेहमान टीम ने इसे महज 2.2 ओवरों में हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड ने दो मुकाबलों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बना रखी है। ऐसे में अगर यह मैच ड्रॉ भी रहा, तो सीरीज न्यूजीलैंड के नाम होगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ एक भी टेस्ट नहीं हारा है न्यूजीलैंड

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच 7 अगस्त से बुलावायो में 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। पहला मैच जीतकर न्यूजीलैंड सीरीज में 1-0 से आगे है। न्यूजीलैंड ने कभी भी जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट मैच नहीं गंवाया है। न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच 1992 में पहला टेस्ट खेला गया था। पिछले 33 सालों में दोनों टीमों के बीच 18 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इसमें 12 मैचों में न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की है। शेष 6 मैच ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में दूसरे टेस्ट मैच से पहले जिम्बाब्वे का आत्मविश्वास जहां डिगा हुआ है, वहीं न्यूजीलैंड आत्मविश्वास से भरी हुई है। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के प्रदर्शन में पिछले एक दशक में लगातार गिरावट देखी गई है।

मीराबाई चानू जन्मदिन विशेष : भारोत्तोलन में भारत का नाम रोशन करने वाली एथलीट

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मीराबाई चानू भारतीय खेल जगत का चमकता हुआ नाम हैं। उन्होंने ओलंपिक में भारोत्तोलन में देश को पहला पदक दिलाया था।

मीराबाई चानू का जन्म 8 अगस्त 1994 को इम्फाल, मणिपुर में हुआ था। उनका पूरा नाम सैखोम मीराबाई चानू है। लेकिन, खेल जगत में वह 'मीराबाई चानू' के नाम से ही प्रसिद्ध हैं। एक बेहद साधारण परिवेश से निकलकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम बनाने और सफलता अर्जित करने वाली मीराबाई चानू देश के लाखों खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं। मीराबाई चानू ने 12 साल की उम्र में भारोत्तोलन का अभ्यास करना शुरू किया था। उन्हें परिवार का बड़ा सहयोग मिला था। चानू को पहली बड़ी सफलता 2014 में ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में मिली थी,

जब उन्होंने सिल्वर जीता था। इस सफलता के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है।

2018 में गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स और 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने गोल्ड जीता था। 2017 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी उन्होंने गोल्ड जीता था। चानू को सबसे बड़ी सफलता 2020 टोक्यो ओलंपिक में मिली, जब उन्होंने 49 किग्रा कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था। वह भारोत्तोलन में पदक जीतने वाली देश की पहली एथलीट बनीं। इस सफलता से उन्होंने न सिर्फ देश का मान बढ़ाया, बल्कि दुनियाभर में बड़ी लोकप्रियता हासिल की। पेरिस ओलंपिक में मीराबाई चानू को सफलता नहीं मिली थी।

मीराबाई चानू को उनकी सफलता के लिए भारत सरकार ने 2018 में खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया था। 2018 में ही उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। मीराबाई चानू भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के एथलीट्स कमीशन की अध्यक्ष हैं। इस पद को संभालते हुए चानू ने एथलीटों की आवाज को बुलंद करने, उनके कल्याण को सुनिश्चित करने और उनके प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखने में सहायता करने का संकल्प लिया है।

सीपीएल 2025 : डेविड विसे सेंट लूसिया किंग्स की कप्तानी करेंगे

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सीपीएल 2024 की विजेता सेंट लूसिया किंग्स ने आगामी सीजन (सीपीएल 2025) के लिए नामीबिया के अनुभवी ऑलराउंडर डेविड विसे को कप्तान बनाया है। सीपीएल के आगामी सीजन की शुरुआत 14 अगस्त से हो रही है। डेविड विसे ने पिछले सीजन में सेंट लूसिया किंग्स को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। विसे ने 11 मैचों में 168.05 के स्ट्राइक रेट और 40.33 की महत्वपूर्ण औसत से 121 रन बनाने के साथ 13 विकेट लिए थे। कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद दिए बयान में डेविड विसे ने कहा, 'सेंट लूसिया किंग्स और सभी प्रशंसकों का विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। कप्तान चुने जाने पर मुझे बेहद खुशी है। इस टीम का नेतृत्व

करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हम सीजन में जोश, दिल और एकता के साथ खेलेंगे।' उन्होंने कहा कि प्रशंसकों, स्टेडियमों को भरने, माहौल को बेहतर बनाने और सेंट लूसिया को नीले रंग से रंगने के लिए हमें आपके साथ की जरूरत है। सेंट लूसिया किंग्स सीजन में अपने अभियान की शुरुआत 23 अगस्त को सेंट लूसिया के ग्रोस आइलेट स्थित डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अपने घरेलू मैदान पर ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगा।

पाकिस्तान का पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को लेकर असमंजस बरकरार

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। पाकिस्तान के भारत में राजगीर (बिहार) में 29 अगस्त से सात सितम्बर तक होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप में शिरकत करने को लेकर असमंजस बरकरार है। पाकिस्तान हॉकी संघ (पीएचएफ) के अध्यक्ष तारीक बुगती हालांकि भारतीय मीडिया की पाकिस्तान के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत नहीं करने से इस तरह रिपोर्ट का खंडन कर रहे हैं। लाहौर से आ रही खबरों के मुताबिक बुगती ने वहां पाकिस्तानी मीडिया से बात करते हुए कहा,'अभी हमारी पाकिस्तान हॉकी टीम के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को लेकर आधिकारिक रूप से कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस बाबत पाकिस्तान सरकार ही अंतिम फैसला लेगी। यह फैसला पीएचएफ का नहीं है और इस बाबत पाकिस्तान सरकार का फैसला ही आखिरी फैसला होगा।' मेजबान भारत सहित पुरुष हॉकी एशिया में जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, मलेशिया, पाकिस्तान, ओमान और चीनी ताइपे सहित आठ टीमों को शिरकत करनी है।

राजगीर में होने वाला पुरुष हॉकी एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है। हॉकी एशिया कप का विजेता सीधा विश्व कप के लिए क्वालीफाई

करेगा। भारत के एशिया कप जीत सीधे हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है। पाकिस्तान यदि 2025 के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत नहीं करने आता है तो उसे ही सबसे ज्यादा नुकसान है। हालांकि पाकिस्तान हॉकी टीम बुरे दौर से गुजर रही है उसके एशिया कप में कोई उलटफेर की उम्मीद भी नहीं है।

जब पाकिस्तान के हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को ले बने असमंजस की बाबत हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह से पूछा गया तो उन्होंने साफ साफ कहा, 'हम ओलंपिक चार्टर का पूरी शिद्दत से पालन करते हैं। हॉकी इंडिया ने ओलंपिक चार्टर के मुताबिक हॉकी एशिया कप के लिए भी सभी प्रक्रियाओं का पालन किया। हमारी भारत सरकार पाकिस्तान हॉकी टीम और उसके सभी खिलाड़ियों

अभी हमारी पाकिस्तान हॉकी टीम के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को लेकर आधिकारिक रूप से कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस बाबत पाकिस्तान सरकार ही अंतिम फैसला लेगी: तारीक बुगती अध्यक्ष, पाकिस्तान हॉकी संघ

हमने ओलंपिक चार्टर की सभी प्रक्रियाओं का पालन किया: महासचिव, हॉकी इंडिया

को वीजा तक देने को तैयार थी। हमने इसी के तहत पाकिस्तान सहित इसमें शिरकत करने आने वाली सभी टीमों को ओलंपिक चार्टर की प्रक्रिया के तहत न्योता भेजा था। अब यह टीमों को तय करना है कि वह हॉकी एशिया कप में शिरकत करने भारत आना चाहती हैं या नहीं?

जब भोलानाथ सिंह से खासतौर पर पाकिस्तान के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को लेकर स्थिति साफ करने की बाबत पूछना चाहा तो उन्होंने कहा कि मैं फिर दोहराना चाहूंगा कि हमने सभी टीमों के लिए ओलंपिक चार्टर का पूरी शिद्दत से पालन किया है फिर चाहे वह पाकिस्तान हो, जापान या कोई अन्य टीम। वह फिर बोले आप पाकिस्तान की टीम के एशिया कप में शिरकत करने को लेकर इतनी ज्यादा तवज्जो देना ही क्यों चाहते हैं।

दरअसल पहलगाम में 26 निर्दोष सैलानियों की उनका धर्म पूछ कर पाकिस्तानियों आतंकियों द्वारा की गई निर्मम हत्या के बाद भारत ने जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' कर 11 एयरबेस को लगभग बर्बाद कर दिया था और इससे पूरा पाकिस्तान ही खौफ में है। ऐसे में राजगीर में हॉकी एशिया कप में अपनी टीम को न भेजने के लिए पाकिस्तान ने बेवजह सुरक्षा कारणों का हवाला देकर इसमें शिरकत न करने के लिए बहाने बाजी में जुटा है। बुगती ने कहा, 'हमारी न तो पहले और न ही अब तक हॉकी इंडिया से कोई बात हुई है। ऐसे में भारत यह कैसे कहा जा सकता है कि पाकिस्तान ने पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने से इनकार कर दिया। पुरुष हॉकी एशिया में शिरकत करने की बाबत हमारी एशियन हॉकी फेडरेशन से बात हुई है न कि हॉकी इंडिया से। हॉकी इंडिया जो चाहे कह सकता है।हमें हमें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि हमारी पाकिस्तान टीम की जगह बांग्लादेश को हॉकी एशिया कप में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजा गया है।' अब तक के हालात के मुताबिक पाकिस्तान हॉकी संघ के अध्यक्ष बुगती चाहे जो भी कहे लेकिन हकीकत यही लग रही है कि वह इस महीने के आखिर में हॉकी एशिया कप में शिरकत करने भारत नहीं ही आ रहा है।

सार संक्षेप

लियोनल मेसी को आमंत्रित करने पर केरल सरकार के 13 लाख बेकार

तिरुवनंतपुरम। अर्जेंटीना के विश्व प्रसिद्ध फुटबॉलर लियोनल मेसी को राज्य में लाने से संबंधित केरल सरकार का एक दावा भ्रामक साबित हुआ है। केरल सरकार ने दावा किया था कि लियोनल मेसी को लाने के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग नहीं किया गया है, जो गलत साबित हुआ है। दरअसल, केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान सितंबर 2024 में मेसी को आमंत्रित करने के उद्देश्य से स्पेन गए थे। उनके साथ खेल विभाग के सचिव और खेल एवं युवा मामलों के निदेशक भी थे। इस यात्रा पर 13 लाख रुपए खर्च हुए थे। यह खुलासा खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान के उस बयान का खंडन करता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि लियोनल मेसी को केरल आमंत्रित करने में सरकार को 'एक रुपया' भी खर्च नहीं करना पड़ेगा।

आईएसएल अनिश्चितता के बीच चेन्नईयिन एफसी ने फुटबॉल संचालन रोका

नई दिल्ली। दो बार की इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैंपियन चेन्नईयन एफसी ने लीग के भविष्य को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते क्लब के संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित करने का ऐलान किया है। क्लब ने बुधवार को यह घोषणा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की। क्लब ने कहा, 'ऐसे फैसले कभी आसान नहीं होते। हमारा यह फैसला लंबे विचार-विमर्श और गहन समीक्षा के बाद लिया गया है। चेन्नईयन एफसी ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने इस कदम से जुड़े मानवीय प्रभाव को भी गंभीरता से समझा है। बयान में कहा गया, 'भारतीय फुटबॉल में एक हिस्सेदार होने की चुनौतियां सभी को पता हैं। इंडियन सुपर लीग के भविष्य को लेकर जारी अनिश्चितता के मद्देनजर, चेन्नईयन एफसी ने क्लब संचालन को अस्थायी रूप से रोकने का बेहद कठिन फैसला लिया है।

11 नेशनल फ्रीडाइविंग रिकॉर्ड के साथ अर्चना शंकर नारायणन ने रचा इतिहास

चेन्नई। भारत की अग्रणी फ्रीडाइवर अर्चना शंकर नारायणन ने 1 से 3 अगस्त तक इंडोनेशिया में आयोजित मनाडो एपनिया प्रतियोगिता में दो नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर एक और उपलब्धि हासिल की है। अर्चना ने कॉन्स्टेंट वेट बाय-फिन्स (सीडब्ल्यूटीबी) श्रेणी में 38 मीटर और कॉन्स्टेंट वेट (सीडब्ल्यूटी) श्रेणी में 40 मीटर की गहराई तक पहुंचकर इतिहास रच दिया। वह प्रतिस्पर्धी फ्रीडाइविंग प्रतियोगिता में 40 मीटर की गहराई पार करने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। यह उपलब्धि अर्चना को भारत की सबसे गहरी फ्रीडाइव करने वाली महिला के रूप में और मजबूत करती है। अब उनके नाम कुल 11 नेशनल टाइटल का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। मनाडो प्रतियोगिता इस वर्ष उनकी तीसरी और कुल मिलाकर पांचवीं डेप्थ प्रतियोगिता थी।